जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 26 मई, 2024

GROW WITH INDIA
INVEST WITH KEDIA

10 दिन में
10 लाख कमाओ
खटाखट-खटाखट

अभी कॉल लगाओ
फटाफट-फटाफट
1800-120-2323

ONGOING VILLAS & APARTMENTS PROJECTS

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर
Ajmer Road, Jaipur
2 लाख कीमत बढ़ेगी

Kedia's THE KOTHI
भव्य•उत्कृष्ट•श्रेष्ठ
Sirsi Road, Vaishali Extension, Jaipur
5 लाख कीमत बढ़ेगी

A Project By Kedia
THE KUNBA
बड़े परिवारों के लिए
Near MPS, Pratap Nagar, Tonk Road, Jaipur
10 लाख कीमत बढ़ेगी

Kedia's THE PALM
A RETREAT FOR THE ELITE
Vaishali Nagar Extension, Jaipur
10 लाख कीमत बढ़ेगी

KEDIA'S THE OXYGEN
Rhythmic Blend of Nature & Architecture
Vaishali Nagar Extension, Jaipur
5 लाख कीमत बढ़ेगी

KEDIA'S Corporate Club
RESIDENTIAL APARTMENTS
Vaishali Extension, Jaipur
7 लाख कीमत बढ़ेगी

ONGOING PLOTTED PROJECTS

KEDIA'S CORRIDOR
AN INTEGRATED TOWNSHIP
Ring Road, Tonk Road, Jaipur
आज की रेट 15000 प्रति वर्ग गज़
4 जून की रेट 18000 प्रति वर्ग गज़

Ganesh Vihar
EXTENSION
A GRAND RESIDENTIAL SCHEME
Ring Road, Tonk Road, Jaipur
आज की रेट 15000 प्रति वर्ग गज़
4 जून की रेट 16000 प्रति वर्ग गज़

KEDIA'S KINGDOM
AN INTEGRATED TOWNSHIP
Ring Road, Tonk Road, Jaipur
आज की रेट 12000 प्रति वर्ग गज़
4 जून की रेट 15000 प्रति वर्ग गज़

KEDIA'S CAPITAL
An Integrated Township
Ring Road, Tonk Road, Jaipur
आज की रेट 12000 प्रति वर्ग गज़
4 जून की रेट 15000 प्रति वर्ग गज़

4 जून तक हमारे सभी ऑफिस रात 10 बजे तक खुले रहेंगे।

KEDIA®

1800-120-2323
78770-72737

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in
RAJ/P/2023/2387 | RAJ/P/2021/1523 | RAJ/P/2021/1526
RAJ/P/2022/1900 | RAJ/P/2020/1274 | RAJ/P/2019/1075
RAJ/P/2019/1132 | RAJ/P/2017/178 | RAJ/P/2017/165

*T&C Apply

विचार बिन्दु

घर का मोह कायरता का दूसरा नाम है। –अज्ञात

ज्ञान, समझ, युक्ति

ज्ञान, समझ और युक्ति जीवन के सभी पहलुओं से जुड़े तीन महत्वपूर्ण स्तम्भ हैं। ज्ञान वस्तुत: आंकड़ों से आंकड़ों, या आंकड़ों से सूचना या सूचना से सूचना के संयोग का ऐसा संग्रह है जिसका सन्देश स्पष्ट होता है। ज्ञान के कम से कम तीन प्रकार हैं: शोध आधारित-ज्ञान, अनुभवजन्य-ज्ञान और पारंपरिक ज्ञान। कार्य-संपादन में इन तीनों का महत्वपूर्ण योगदान है। अच्छा नेतृत्व नवीन ज्ञान को जीवन भर सीखता रहता है। आधुनिक वैज्ञानिक सन्दर्भ में ज्ञान के उत्पादन के चार तरीके हैं:- थ्योरी, ऑब्जरवेशन, एक्सपेरिमेंट और मॉडलिंग। यहाँ युक्ति, जिसकी बात हम आगे करेंगे, को मॉडलिंग के समकक्ष माना जाता है क्योंकि पूर्व में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर मैथमेटिकल-मॉडलिंग के द्वारा भविष्य की स्थिति का ज्ञान किया जाता है।

ज्ञान एक मूल्यवान संपत्ति है और यह व्यक्ति की शक्ति, प्रभाव और उपयोगिता को बढ़ाता है। आज के कार्यबल में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार नया ज्ञान सीखना महत्वपूर्ण है। नवाचार और रचनात्मकता में ज्ञान एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रभावी संचार के लिए ज्ञान भी आवश्यक है। जिन लोगों को किसी विषय की गहरी समझ होती है, वे आसानी से दूसरों को समझा सकते हैं, अपने विचार साझा कर सकते हैं, और समस्याओं के हल करा सकते हैं। पर ज्ञान से आगे की यात्रा और भी महत्वपूर्ण है।

किसी कार्य को सम्पादित करते समय ज्ञान का उपयोग करने से अनुभव प्राप्त होता है। जीवन के विविध क्षेत्रों में विविध प्रकार के अनुभव प्राप्त होते रहते हैं, जिससे ज्ञान से आगे हमारी समझ या विजडम बढ़ती रहती है। विजडम को भारतीय दर्शन में बुद्धिमत्ता, मनीषा, मतिमानता, प्रज्ञा, प्रज्ञता, बुद्धिमानी, ज्ञान, ज्ञान-परिपूर्णता, ज्ञानज्ञता-कर्मज्ञता, समझ आदि कहा जाता है। प्राचीन दृष्टिकोण के साथ ही पिछले पाँच दशकों के दौरान साइंस ऑफ़ विजडम पर अनुसंधान में भी भारी बढ़ोत्तरी हुई है। विजडम को परिभाषित करने के अनेक प्रयत्न हुये हैं किन्तु अभी तक सर्वमान्य परिभाषा का निर्धारण नहीं हो पाया है। विजडम व्यक्तित्व की सामाजिक-मनोवैज्ञानिक विशेषता मात्र नहीं है बल्कि यह एक न्यूरोबायोलॉजिकल विशेषता है जो समाजोन्मुखी व्यवहार, भावनात्मक-नियमन और आध्यात्मिकता जैसे विशिष्ट घटकों से मिलकर बनती है। इस बात को आगे और भी स्पष्ट करेंगे।

हाल ही में लोगों में विजडम के घटकों को बढ़ाने के लिये व्यक्तिगत हस्तक्षेपों की प्रभावशीलता का मूल्यांकन मेटा-एनालिसिस द्वारा किया गया। इस अध्ययन में ऐसे क्लिनिकल ट्रायल्स को समाविष्ट किया गया जो विजडम बढ़ाने के लिये अभी तक क्रियान्वित किये गये थे। इसमें 7096 व्यक्तियों से जुड़े 57 अध्ययनों के आंकड़े समाहित किये गये थे। विजडम के सभी घटकों से संबंधित आंकड़े तो नहीं मिल पाये किन्तु समाजोन्मुखी-व्यवहार (प्रोसोशलबेहवियर) से संबंधित 29, भावनात्मक विनियमन (इमोशनलरेगुलेशन) से संबंधित 13 और आध्यात्मिकता (स्पिरिचुअलिटी) से संबंधित 15 अध्ययन शामिल किये गये थे। मेटा-एनालिसिस के परिणाम बताते हैं कि आध्यात्मिकता, भावनात्मक-नियमन और समाजोन्मुखी व्यवहार को बढ़ाने के लिये किये गये हस्तक्षेप व्यक्तिगत और सामाजिक कल्याण को बढ़ावा देते हैं (देखें, ई.ई. ली इत्यादि, जामा साइकेइट्री, 77(9):925-935, 2020)।

शोधकर्ताओं को मेटा-एनालिसिस में सम्मिलित करने हेतु विजडम बढ़ाने के उपायों पर ऐसे अध्ययन नहीं मिले जो विजडम के सभी घटकों की समग्रता को एकीकृत रूप से समाहित करते हुये किये गये हों। इस मेटा-एनालिसिस में सम्मिलित समीक्षा के अनुसार विजडम को मापने के लिये कई दृष्टिकोण उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिये विजडम को दो रूपों में देखा जा सकता है-पहला उपयोगी अंतर सैद्धांतिक बुद्धिमत्ता (थ्योरेटिकलविजडम या जीवन के यथार्थ की समझ; प्रकृति और मानव के रिश्तों की समझ आदि) और दूसरी व्यावहारिक बुद्धिमत्ता (प्रैक्टिकलविजडम / फ्रोनेसिस, सही कारणों के लिये, सही समय पर सही निर्णय लेने की क्षमता) सम्मिलित है। इन दोनों प्रकारों में सम्मिलित घटकों को मापने की विधियां और क्षमता वैज्ञानिक विकसित कर चुके हैं। परन्तु सैद्धांतिक ज्ञान (गहन समझ) की तुलना में व्यावहारिक ज्ञान (व्यावहारिक समझ) को प्रश्नावली के माध्यम से अधिक सुगमता से मापा जा सकता है। इस मेटा-एनालिसिस में व्यावहारिक समझ के सम्बन्ध में समाजोन्मुखी व्यवहार और भावनात्मक विनियमन को लिया गया और सैद्धांतिक समझ के संबंध में आध्यात्मिकता को शामिल किया गया। बुद्धिमत्ता के अन्य घटकों से जुड़े इंटरवेंशन वाले अध्ययनों की कमी के कारण निर्णय लेने की क्षमता, अनिश्चितता से निपटने की क्षमता, और सहिष्णुता जैसे घटक अध्ययन में शामिल नहीं किये जा सके। फिर भी जिन तीन घटकों को शामिल कर यह अध्ययन किया गया वह नया रास्ता दिखाने वाला है क्योंकि अध्ययन में सम्मिलित तीनों घटक अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं। विजडम जैसे विषय यदि एम्पिरिकल रिसर्च की सीमाओं से परे ना भी हों तो भी काफी चुनौतीपूर्ण हैं।

प्रज्ञा के संबंध में यह बताना भी उपयोगी है कि आध्यात्मिकता इसका एक महत्वपूर्ण घटक है (देखें, डी.वी. जेस्ते इत्यादि, जर्नल ऑफ़ साइकियाट्रिक रिसर्च, 132:174-181, 2021)। आध्यामिकता और धार्मिकता में अंतर समझना जरूरी है। आध्यात्म हमें प्रकृति के समीप ले जाता है। आध्यामिकता व्यक्ति को व्यक्ति के समीप ले जाती है। आध्यामिकता प्राकृतिक तंत्रों के समीप भी ले जाती है। आध्यात्म वस्तुत: आत्मावलोकन और आत्म-समीक्षा के अवसर प्रदान करता है। आत्म-समीक्षा में यह भी शामिल है कि प्रकृति के साथ हमारे क्या संबंध हैं और हमें प्रकृति को बेहतर करने में हमारा क्या योगदान है। धार्मिकता एक अलग विषय है। धर्म की त्रुटिपूर्ण किन्तु बड़ी लोकप्रिय व्याख्या लोगों के बीच में मिलती है। ध्यान दीजिये, आध्यामिकता में किसी एक धर्म के प्रति निष्ठा महत्वपूर्ण नहीं है। आध्यात्मिकता जहां एक और समाज के प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के जैसा मानने का विचार देती है वहीं दूसरी ओर धर्म की समकालीन स्थिति यह है कि सारा विश्व अलग-अलग जाति धर्म और संप्रदाय में बंट गया है। आत्मवत्सर्वभूतेषु का सिद्धांत आध्यात्म की मूल आत्मा है। दरअसल एक रिलीजियस व्यक्ति आध्यात्मिक भी हो सकता है, लेकिन एक आध्यात्मिक व्यक्ति धर्म के लोकप्रिय स्वरुप के अनुसार धार्मिक भी हो ऐसा आवश्यक नहीं है। यहाँ यह भी समझना आवश्यक है कि भारतीय दर्शन में धर्म शब्द का मूल अर्थ उस शब्द से नहीं है जिसे दुनिया रिलीजन कहती है। असल में धर्म का मूल अर्थ व्यक्ति के नियत कर्तव्यों और उनके पालन से है।

ज्ञान एक मूल्यवान संपत्ति है और यह व्यक्ति की शक्ति, प्रभाव और उपयोगिता को बढ़ाता है। आज के कार्यबल में प्रतिस्पर्धी बने रहने के लिए लगातार नया ज्ञान सीखना महत्वपूर्ण है। नवाचार और रचनात्मकता में ज्ञान एक महत्वपूर्ण कारक है। प्रभावी संचार के लिए ज्ञान भी आवश्यक है। जिन लोगों को किसी विषय की गहरी समझ होती है, वे आसानी से दूसरों को समझा सकते हैं।

प्राचीन सांस्कृतिक एवं धार्मिक साहित्य में भी समझ के वैज्ञानिक स्वरूप देखे जा सकते हैं। उदाहरण के लिये वैज्ञानिकों द्वारा गीता का अध्ययन कर उसमें विजडम, प्रज्ञा, ज्ञान आदि पर 10 घटक खोजे गये हैं। इनमें से जीवन का ज्ञान, भावनात्मक विनियमन (इमोशनलरेगुलेशन) या आत्म-नियंत्रण, इच्छाओं पर नियंत्रण, मध्यम-मार्ग (मॉडरेशन या टेम्पेरेंस) निर्णायकता, आत्मा और उसके विषय में ज्ञान, ईश्वर पर विश्वास, कर्म-योग, आत्म-संतोष, प्राणियों के प्रति दया, दान, योग इत्यादि ऐसे विषय हैं जो केवल दर्शन या धर्म के विषय नहीं हैं बल्कि क्लिनिकल ट्रायल्स में भी उपयोगी पाये गये हैं। वर्तमान और अद्यतन शोध की स्थिति यह है कि विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा के कम से कम सात घटक पहचाने जा चुके हैं। इनमें (1) सहिष्णुता एवं वैचारिक विविधता को स्वीकार करना, (2) अनिश्चितता के रहते हुये भी निर्णय लेने की क्षमता, (3) भावनात्मक विनियमन या इमोशनल रेगुलेशन, (4) समाजोन्मुखी व्यवहार या प्रोसोशल बिहेवियर जिसमें आत्म-नियंत्रण, दया, सहायता और करुणा आदि शामिल हैं, (5) आत्म-समीक्षा, (6) उचित सलाह देने में तत्परता या सोशल एडवाइजिंग तथा (7) आध्यात्मिकता शामिल हैं। जिस व्यक्ति में यह सभी सातों क्षमतायें (प्रज्ञा के घटक) पाये जाते हैं वह उन परिस्थितियों से बड़ी आसानी से बाहर निकल जाता है जिनमें प्रज्ञा में कमी वाले व्यक्ति उलझ जाते हैं।

वस्तुत: प्रज्ञा का मूल उद्देश्य स्वयं की और समाज की जिंदगी में बेहतरी लाना है। यहां एक प्रश्न उठता है कि यह विजडम, बुद्धिमत्ता या प्रज्ञा तो दुधारी तलवार हो सकती है। कोई ऐसा व्यक्ति भी हो सकता है जिसमें तिकड़मी बुद्धिमत्ता या एविल-विजडम हो। दरअसल ऐसा नहीं होता। यहां यह स्पष्ट करना आवश्यक है कि प्रज्ञा व्यक्ति को सदैव आत्म-नियंत्रित, आत्म-समीक्षक, और समाजोपयोगी ही बनाती है। प्रज्ञावान व्यक्ति अपने जीवन को सदैव बेहतर बनाता है और एक ऐसी आयु प्राप्त करता है जिसे आयुर्वेद में सुखायु कहा जाता है। सुखायु के साथ-साथ प्रज्ञावान व्यक्ति एक ऐसी आयु भी प्राप्त करता है जिसे आयुर्वेद में हितायु कहा जाता है। सुखायु और हितायु प्रज्ञावान व्यक्ति के लिये ही संभव है। शातिर दिमाग, तिकड़मी या चलता-पुर्जा व्यक्ति प्रज्ञावान नहीं होता। तिकड़म के लिये उसके पास जानकारी बहुत हो सकती है परंतु प्रज्ञाविहीन कोरी जानकारी सुखायु और हितायु नहीं प्रदान कर सकती।

अब हम ज्ञान और समझ से आगे चलकर युक्ति की बात करते हैं जो ज्ञान और समझ से भी आगे समस्याओं के हल का रास्ता है। यह लोगों को लीक से हटकर सोचने और समस्याओं के समाधान हेतु विविध विकल्प देते हुए श्रेष्ठ विकल्प चुनने में मदद करती है। युक्ति एक सार्वभौमिक प्रबंधकीय सिद्धांत है। प्राचीन भारत के महर्षि-वैज्ञानिक आचार्य चरक, जो युक्ति-व्यपाश्रय सिद्धांत के जनक माने जाते हैं, के अनुसार अनेक कारणों की समग्रता और एकीकरण से उत्पन्न भावों को जो बुद्धि देखती है, वह युक्ति है। युक्ति से वर्तमान, भूत और भविष्य, तीनों कालों को जाना जा सकता है। युक्ति के द्वारा धन-संपत्ति, धर्म और कत्तर्व्यपालन और उपभोग और आनंद प्राप्त किया जाता है (च.सू.11.25): बुद्धि: पश्यति या भावान्बहुकारणयोगजान्। युक्तिस्त्रिकाला सा ज्ञेयात्रिवर्ग: साध्यतेयया।। ध्यान दीजिये, यहाँ आचार्य चरक ने युक्ति को परिभाषित तो किया ही है, साथ ही युक्ति के लक्षण और व्यापक सार्वभौमिकता का दर्शन भी स्पष्ट किया है। युक्ति के द्वारा अर्थ, धर्म और काम की सिद्धि का सिद्धांत वस्तुत: जीवन में पुरुषार्थ साधने की रणनीति है। संक्षेप में कहें तो पूर्व में प्राप्त समग्र अनुभव और जानकारी के द्वारा अज्ञात को जान लेने वाली बुद्धि ही युक्ति है।

युक्ति केवल कोरा दर्शन नहीं बल्कि एक ठोस प्रायोगिक साधन है। एक उदाहरण से युक्ति का ठोस प्रायोगिक महत्त्व और भी स्पष्ट हो जायेगा। सामान्य-विशेष सिद्धान्त के अनुसार एक जैसे भावों (द्रव्य, गुण और कर्म) को समान प्रकार के भावों से मिलाने पर बढ़त होती है और विशेष या असमान भावों को मिलाने पर ह्रास या घटत होती है। यह विज्ञात अर्थ है। इस सिद्धान्त के अनुसार एक बात स्पष्ट होती है कि घर में गुस्सैल किशोर या किशोरी के गुस्से को ठंडा करने के लिये यदि माता-पिता गुस्से और चिड़चिड़ाहट से पेश आते हैं तो किशोरों का गुस्सा और ज्यादा भड़केगा। इसके विपरीत यदि गुस्सैल किशोर या किशोरी से माता-पिता स्नेहपूर्वक व्यवहार करें उनका गुस्सा भी शांत हो जाता है। यह युक्ति है।

दैनिक जीवन में समस्या-समाधान हेतु ज्ञान, समझ और युक्ति एक साथ और उत्तरोत्तर श्रेणीबद्ध रूप दोनों प्रकार से उपयोगी हैं। ज्ञान जानकारी और तथ्य प्रदान करता है जो हमें समस्या को समझने और संभावित समाधानों पर मंथन करने में मदद कर सकता है। समझ हमें पिछले अनुभव और स्थिति के आधार पर बुद्धिमानी से निर्णय लेने में मदद करती है। युक्ति हमें आगा-पीछा देखकर एक जटिल समस्या को छोटे, आसानी से प्रबंधन-योग्य चरणों में तोड़ने में मदद करती है, जिसे समस्या को कुशलतापूर्वक हल करने के लिए लागू किया जा सकता है। इन तीन बहुआयामी संसाधनों के बिना जीवन में हर क्षण आने वाली जटिल समस्याओं का प्रभावी समाधान निकालना लगभग असंभव हो जाता है।

–अतिथि संपादक
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

कुम्भलगढ़ अभ्यारण्य में पैंथर, भालू, सांभर, जरख, नीलगाय में इजाफा होने के संकेत

वन्यजीव प्रेमी गणक द्वारा बताए रुझान से प्रजातियों में इजाफा होने के प्रारम्भिक रूझान

सादड़ी, (निसं)। कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य में बुद्ध पूर्णिमा को धवल चांदनी में वाटर हाल पद्धति से अरण्य में निवासरत मांसाहारी, शाकाहारी, रेप्टाइल्स व पक्षी वर्ग की वन्यजीव गणना-2024 सम्पन्न हुई। गणना के प्रारम्भिक रुझानों में अरण्य क्षेत्र में सर्वाधिक जल बिन्दुओं पर भालू, सांभर, हाइना, जंगली सुअर की आवाजाही हुई। वन्यजीव प्रेमी गणक द्वारा बतलाए रुझान व अनुभव से इन प्रजातियों में इजाफा होने के प्रारम्भिक रूझान हैं। डेढ़-दो दर्जन जलस्त्रोत पर पैंथर की दस्तक ने गणक को निराश नहीं किया।

इस बार मचान सहित ट्रेप कैमरा पद्धति भी उपयोग की गई, जिनमें भी उत्साहित करने वाले चित्र कैद हुए। भीषण गर्मी के मध्यनजर गणक की सुविधार्थ विभाग द्वारा विशेष प्रबंध किए गये। विभागीय निर्देशानुसार बुद्ध पूर्णिमा को सुबह आठ बजे से 24 मई सुबह आठ बजे यह वन्यजीव गणना सम्पन्न हुई। अरण्य की 5रेंज झीलवाड़ा, सादड़ी, बोखाडा, देसूरी व कुम्भलगढ़ रेंज में विभाग द्वारा अक्षांश व देशांश मानक अनुसार चिन्हित 146 जलस्त्रोतों पर एक साथ यह गणना हुई। जिसमें 65-70 वनकार्मिकों सहित कुल 300 गणक ने अपनी सहभागिता निर्वहन की।

कुम्भलगढ़ वन्यजीव अभ्यारण्य में बुद्ध पूर्णिमा को वाटर हाल पद्धति से वन्यजीव गणना सम्पन्न हुई।

मचान के अलावा इस बार कुम्भलगढ़ के चिन्हित 40 में से 10 जल बिन्दुओं पर ट्रेप कैमरा लगाए। देसूरी 38 में से 10, सादडी 20, बोखाडा19 में से 5 और झीलवाड़ा 29 में से 20 स्थलों पर ट्रेप कैमरा लगाए गए। गणना के दौरान वनमण्डल राजसमंद उप वन संरक्षक सुदर्शन शर्मा, सहायक वन संरक्षक भैरूसिंह राठौड़, रेंजर रामचन्द्रसिंह राठौड़, रेंजर अरविंदसिंह झाला देसूरी, रेंजर भैरूसिंह राठौड़ झीलवाड़ा, जयंतीलाल गरासिया बोखाडा ने औचक निरीक्षण कर रुझानों की जानकारी ली व आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अरण्य में गणना के दौरान वनपाल अन्तर कंवर सोनिगरा, ईश्वरसिंह चौहान, नारायणसिंह राणावत, अभिनव भारती, संजय, दिनेश खराड़ी, सतीश प्रजापत, विरेंद्रप्रतापसिंह ने गणक व वन्यजीव प्रेमियों से सम्पर्क कर उन्हें गर्मी से राहत देने में निम्बू शरबत, ग्लूकोज व इलेक्ट्रोल पाउडर पेयजल सुविधा मुहैया कराई।

अरण्य वन्यजीव गणना गणक द्वारा बतलाए प्रारम्भिक रुझान में भालू, सांभर, हाइना, जंगली सुअर, नीलगाय में इजाफा होने के संकेत दे रहा है। डेढ़ से दो दर्जन जलबिन्दुओं पर पैंथर की दस्तक ने भी निराश नहीं किया। ट्रेप कैमरा में फोटो भी कैद हुए। परशुराम सड़क मार्ग पर एक दर्जन से अधिक भालू, एक मादा भालू दो नन्हे शावक के साथ आई। यहां हाइना, 5-7 सांभर व जंगली सुअर, मुर्गे नजर आए। दो जगह पैंथर ओझल से नजर आए। राणकपुर सड़क मार्ग पर एक जलस्त्रोत पर हाइना का परिवार, एक जलबिंदु पर भालू व पैंथर आया। मोडिया में सांभर, चीतल व जंगली सुअर, झीलवाड़ा रेंज में सर्वाधिक जगह भालू व सांभर, हाइना पहुंचने की सूचना मिली। देसूरी रेंज में पैंथर, भालू, नीलगाय, सांभर व जंगली सुअर सर्वाधिक जल बिन्दुओं पर पहुचने के संकेत मिले। रामचन्द्रसिंह राठौड़ रेंजर सादडीका कहना है कि वन्यजीव प्रेमी गणक, वनकार्मिकों के सक्रिय सहयोग से शांतिपूर्ण ढंग से गणना सम्पन्न हुई। कई जगह हाइना, जंगली सुअर, भालू, सांभर व नीलगाय पहुंचने के संकेत मिले।

भैरूसिंह राठौड़ सहायक वन संरक्षक झीलवाड़ा के अनुसार कहीं से कोई अनहोनी की सूचना नहीं मिली। सभी जगह गणक को उत्साहित करने वाले प्रारम्भिक रुझान मिले।

अरविंदसिंह झाला रेंजर देसूरी के अनुसार बुद्ध पूर्णिमा पर वन्यजीव गणना में पैंथर, भालू, सांभर, नीलगाय सहित विभिन्न प्रजाति के वन्यजीवों में इजाफा होने के रुझान प्राप्त होने पर गणक रोमांचित हुए।

ग्राम सामोद में पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीणों ने पंचायत मुख्यालय के बाहर धरना दिया

अघोषित बिजली कटौती से पानी की सप्लाई सुचारु रूप से नहीं होने से लोग परेशान हैं

चौमूं/कालाडेरा, (निसं)। चौमूं उपखण्ड के सामोद कस्बे के कई वार्डों में कई दिनों से चली आ रही पेयजल समस्या का समाधान नहीं होने के कारण आखिरकार शनिवार को ग्रामीणों का सब्र का बांध टूट गया और ग्रामीण पंचायत मुख्यालय के बाहर धरने पर बैठ गये। जलदाय विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण ग्रामीण भीषण गर्मी में पेयजल की गम्भीर समस्या सामना का कर रहे हैं। वहीं कस्बे में अघोषित बिजली कटोती के कारण आमजन परेशान हो रहा है।

अघोषित बिजली कटौती के कारण पानी की सप्लाई बाधित हो रही है। अघोषित बिजली कटोती व पानी की सप्लाई सुचारु रूप से नहीं होने से ग्रामीण परेशान है। वहीं पेयजल समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने कस्बे से गुजरने वाले अजीतगढ़-चौमूं मार्ग पर पानी के खाली मटके लेकर धरने पर बैठे गये।

हाइवे पर धरने की सूचना मिलते ही मौके पर सामोद थाना प्रभारी धर्म सिंह मय जाब्ता पहुंचकर ग्रामीणों को समझाया।

पेयजल समस्या का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने पानी के खाली मटके लेकर धरना दिया।

- जलदाय विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही से ग्रामीण भीषण गर्मी में पेयजल की गंभीर समस्या का सामना कर रहे हैं
- कनिष्ठ अभियंता ने कहा कि पानी की समस्या का समाधान शीघ्र ही कर दिया जायेगा

थाना प्रभारी के आश्वासन के बाद ग्रामीण हाइवे से हटे। मौके पर जलदाय विभाग की कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी व कर्मचारी पहुंचे, जिनको महिलाओं ने पेयजल समस्या का समाधान करने की मांग की। वहीं कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी ने कहा कि पानी की समस्या का समाधान शीघ्र ही कर दिया जायेगा। साथ ही ग्रामीणों ने ठेकेदार के कर्मचारियों की लापरवाही व पेयजल आपूर्ति में लगे टैंकर चालकों की मनमर्जी की बात कही।

गौरतलब है कि एक और भीषण गर्मी के कारण घरों में पानी नही आ रहा है साथ ही अघोषित विधुत कटौती के कारण पेयजल आपूर्ति करने वाली पानी की टंकियां समय पर नहीं भरने के कारण ग्रामीणों को पानी नहीं मिलने के कारण ग्रामीणों पर दोहरी मार का सामना करना पड़ रहा है।

कनिष्ठ अभियंता ज्योति सैनी ने बताया कि पेयजल आपूर्ति की समस्या का समाधान जल्दी ही कर दिया जायेगा। इस दौरान पूर्व सरपंच दिनेश चन्द्र चतुर्वेदी, कय्यूमुद्दीन मंसूरी, बनवारी लाल वर्मा, किशोर कांसोटिया, चम्पा सुनार, जाकिर खान लुहार, विशंम्बर सोनी, शंकर लाल चतुर्वेदी, राजेश सैनी, प्रमोद कुमार बुनकर व गिरिराज प्रजापति सहित सैकड़ों ग्रामीण मौजूद थे।

111 नायब तहसीलदारों की नियुक्ति के आदेश जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्व मंडल अजमेर ने राजस्थान में 111 नायब तहसीलदारों की नियुक्ति के आदेश शनिवार को जारी कर दिए। राजस्व मंडल अध्यक्ष राजेश्वर सिंह के निर्देशानुसार राजस्थान राज्य अधीनस्थ सेवाएं संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा 2021 के परिणाम के आधार पर राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर की अनुशंसा एवं राज्य सरकार के अनुमोदन पश्चात राजस्थान तहसीलदार सेवा नियमावली 1956 के नियम 34 के तहत सफल

- 27 से आरआरटीआई अजमेर में लेंगे प्रशिक्षण

रहे अभ्यर्थियों में से 111 को 2 वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी के रूप में नायब तहसीलदार के पद पर नियुक्त किया गया है।

राजस्व मंडल निबंधक महावीर प्रसाद ने बताया कि इन प्रशिक्षणाधीन अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण अवधि में विभागीय परीक्षा अनिवार्यत: उत्तीर्ण करनी होगी। प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी 27 मई को सुबह 9:30 बजे से आरआरटीआई अजमेर में अपनी उपस्थिति देंगे।

उपस्थित होने की तिथि को ही उनकी कार्यग्रहण तिथि माना जाएगा। जिन अभ्यर्थियों ने आधारभूत पाठ्यक्रम पहले से उत्तीर्ण कर लिया है वे आधारभूत पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने की अंकतालिका कार्यग्रहण के समय आरआरटीआई अजमेर को प्रस्तुत करेंगे। कार्यग्रहण अवधि के साथ दिन पश्चात भी उपस्थिति दर्ज नहीं कराने अथवा विभाग को सूचित नहीं करने वाले अभ्यर्थी की नियुक्ति स्वत: निरस्त समझी जाएगी।

उन्होंने बताया कि सभी 111 अभ्यर्थियों को अजमेर के राजस्व अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान आरटीआई में 6 माह का प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा जिसमें 27 मई से 43 दिवसीय आधारभूत प्रशिक्षण, 9 जुलाई से एक माह का भू प्रबंध प्रशिक्षण, 8 अगस्त से 43 दिवसीय संस्थागत प्रशिक्षण, 20 सितंबर से कृषि प्रशिक्षण, 5 अक्टूबर से 49 दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण (तहसीलों में) दिया जाएगा जबकि 23 नवंबर से सात दिवस तक परीक्षा की तैयारी एवं परीक्षा का आयोजन होगा। इस संबंध में राजस्व मंडल स्तर से आरआरटीआई निदेशक को अभ्यर्थियों की उपस्थिति के समय आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने एवं प्रशिक्षण संबंधी दिशा निर्देश प्रदान कर दिए गए हैं।

राशिफल रविवार 26 मई, 2024

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, तृतीया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2081, मूल नक्षत्र दिन 10:36 तक, साध्य योग प्रात: 8:30 तक, वणिज करण प्रात: 6:33 तक, चन्द्रमा धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-धनु, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-वृष, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से प्रात: 10:36 तक है। राजयोग दिन 10:36 से सांय 6:07 तक है। भद्रा प्रात: 6:33 से सांय 6:07 तक रहेगी। आज चतुरथी व्रत है। चन्द्रोदय जयपुर में रात्रि 10:14 पर होगा। आज माँ आनन्दमयी जयन्ती है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:20 से 9:01 तक, लाभ-अमृत 9:01 से 12:24 तक, शुभ 2:05 से 3:46 तक।

राहूकाल: 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:38, सूर्यास्त 7:09

मेष
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह
परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कन्या
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मिथुन
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक कार्यों पर धन खर्च होगा।

तुला
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज नये-पुराने मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कुंभ
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा है। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कर्क
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

मीन
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 74 संख्याः 294 प्रभात जयपुर, रविवार 26 मई, 2024 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

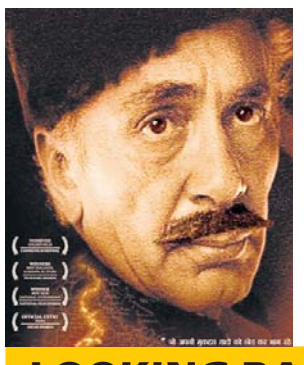

LOOKING BACK ON GARM HAWA

Should he have left in 1947 itself? Where is home, and what does it mean to be a 'Muslim in India?' The movie's original title was *Wahaan*.

You Need New Skills to Make a Career Pivot

Mini-Neptune in Double Star System is a Planetary Puzzle

'इण्डिया गठबंधन अपने मुस्लिम वोट बैंक का गुलाम है, उनके लिये मुजरा करने को तैयार''

प्र.मंत्री के, बिहार की बक्सर, कराका व पाटलीपुत्र में आयोजित आमसभा में व्यक्त इन विचारों को विपक्ष ले उड़ा

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज बिहार की तीन रैलियों में की गई टिप्पणियों से विपक्ष के नेता नाराज़ और परेशान हैं। प्रधानमंत्री ने इस रैलियों में कहा कि, ''विपक्ष मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए ''मुजरा'' कर रहा है।''

प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस और क्षेत्रीय पार्टियों के नेताओं पर बेलगाम आरोप लगाए। उन्होंने ''मछली, मटन या मंगलसूत्र संबंधी टिप्पणियां करते हुए कहा कि विपक्ष को मुस्लिम वोट बैंक की जरूरतों की चिंता है।

भाजपा नेताओं ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की एक पुरानी स्पीच खोज निकाली है, जिसमें उन्हें उद्धृत करते हुए कहा गया है कि ''देश के संसाधनों के वितरण में पहली प्राथमिकता मुस्लिम होंगे।''

कांग्रेस इस बात से इन्कार किया कि यह टिप्पणी मनमोहन सिंह की है। पार्टी ने कहा कि, भाजपा हिन्दू वोंटों को लामबंद करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री की टिप्पणियों को तोड़मरोड़कर पेश कर रही है।

- **परंतु प्रशांत किशोर ने कुछ ठण्डे छांटे देने का प्रयास किया कि, प्र.मंत्री का मूल ''सपोर्ट बेस'' अभी दृढ़ता से उनके साथ है तथा उनके द्वारा तीन सभाओं में दी गई ''उत्तेजनात्मक'' टिप्पणियों की जरूरत नहीं थी। इस टिप्पणियों से मोदी के वोट बैंक में कुछ वृद्धि नहीं होगी।**
- **इण्डिया गठबंधन के नेताओं पर मोदी की टिप्पणियों के बारे में विपक्षी पार्टियों ने कड़ा आक्रमक रवैया अख्तियार किया और कहा कि, मोदी की मानसिक स्थिति चिंताजनक है तथा भाजपा अध्यक्ष नड्डा को उनका इलाज कराना चाहिए और दवा दिलानी चाहिए। प्रियंका गांधी, पवन खेड़ा, प्रियंका चतुर्वेदी, मनोज झा ने मोदी को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की शुभ कामनाएं भेजीं।**
- **प्र.मंत्री ने बिहार की तीन आम सभाओं में कहा था कि, इण्डिया गठबंधन, एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के अधिकारों पर डाका डाल कर, मुसलमानों को देना चाहते हैं। वे अपने मुसलमान वोट बैंक के इतने गुलाम हैं कि, अपने इस वोट बैंक लिये मुजरा करने को तैयार हैं।**

चुनाव रणनीतिकार से राजनेता बने प्रशांत किशोर ने हाल ही एक साक्षात्कार में कहा था कि सांप्रदायिक पुट लिए हुए मोदी के बयानों से भाजपा के वर्तमान जनाधार में कोई इजाफा होने वाला नहीं है, लेकिन ये बयान भाजपा समर्थकों और वोटर्स को सक्रिय करने के अपने उद्देश्य में सफल रहे है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बक्सर, कराका और पाटलीपुत्र निर्वाचन क्षेत्रों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. के अधिकारों को मुसलमानों को सौंप देने की इण्डिया गठबंधन की योजनाओं को सफल नहीं होने देंगे। वे उनके गुलाम बने रहेंगे और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए ''मुजरा'' करेंगे।

प्रधानमंत्री की टिप्पणियों की विपक्ष के नेताओं ने कटु आलोचना की है। प्रियंका गांधी ने ''अभद्र भाषा'' का प्रयोग करने व अपने पद की गरिमा ना बनाए रखने को लेकर प्रधानमंत्री की भर्त्सना की है। कांग्रेस के सीनियर नेता पवन खेड़ा ने भाजपा नेताओं जे.पी. नड्डा और अमित शाह को सलाह दी है कि वे मोदी का तुरंत इलाज करवाएं। उन्होंने कहा कि ''मोदी जी, यह क्या दिमागी हालत है? आप कुछ लेते क्यों नहीं?'' शिव सेना (उद्धव ठाकरे) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री मोदी की वायरल क्लिप को शेयर करते हुए लिखा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मलिंगा के खिलाफ केस की सुनवाई हाई कोर्ट में होगी

जयपुर, 25 मई (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने बिजली विभाग के ए.ई.एन. से मारपीट के मामले में पूर्व विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

- **यह मामला बाड़ी के तत्कालीन विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा द्वारा बिजली विभाग के ए.ई.एन. को पीटे जाने से संबंधित है। हाई कोर्ट ने मामले की निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।**

इसके साथ ही अदालत ने मामले की स्टेटस रिपोर्ट तलब करते हुए मलिंगा सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश पीड़ित हर्षाधिपति की ओर से दायर आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में कहा गया कि, उसने बाड़ी के तत्कालीन विधायक गिर्राज सिंह मलिंगा के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया था। पुलिस ने अब मामले में आरोप पत्र पेश कर दिया है और मामले की सुनवाई धौलपुर की निचली अदालत कर रही है। याचिका में कहा गया कि, मलिंगा प्रभावशाली व्यक्ति हैं। मामले में जमानत मिलने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रशांत किशोर ने अपनी भविष्यवाणी में थोड़ा परिवर्तन किया

अपने आकलन को योगेन्द्र यादव की भविष्यवाणी से मेल कराते हुए कहा, भाजपा 240-260 सीटों पर जीतेगी

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। प्रशांत किशोर, जिन्होंने लोकसभा चुनावों को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में भविष्यवाणी की है सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है, ने योगेन्द्र यादव की सीटों से सम्बंधित भविष्यवाणी का समर्थन किया है।

चुनाव विश्लेषक से राजनेता बने योगेन्द्र यादव ने भविष्यवाणी की है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चल रहे लोकसभा चुनावों में 240-260 सीटें जीतेगी।

यादव के मुताबिक, वर्तमान लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी के लिए थोड़ी सी उम्मीद की किरण यह होगी कि वह लगभग 100 सीटें प्राप्त कर सकती है।

इससे पूर्व, प्रशांत किशोर ने घोषणा की थी कि भाजपा इस बार भी लोकसभा का चुनाव जीतेगी। आज उन्होंने कहा कि भाजपा 240-260 के बीच में सीटें प्राप्त करेगी और उसके गठबंधन के दल 34-45 तक सीटें प्राप्त करेंगे इसका मतलब यह हुआ कि एन.डी.ए. की कुल सीटों की संख्या 275 से 305 के बीच में रह सकती है।

किशोर ने एक्स पर लिखा ''जो लोग चुनावों के बारे में एवं देश के सामाजिक -राजनीतिक मुद्दों के बारे में समझ रखते हैं उनमें एक विश्वसनीय शख्सियत हैं, योगेन्द्र यादव, उन्होंने वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों का ''अन्तिम अनुमानित आंकलन'' साझा किया है।

योगेन्द्र जी के अनुसार, भाजपा इन चुनावों में 240-260 सीटों पर अपनी विजय दर्ज कर सकती है तथा इन चुनावों में एन.डी.ए. के सहयोगी दल 35-45 सीट तक जीत सकते हैं। इसका मतलब भाजपा/ एन.डी.ए. को 275-305 तक सीटें प्राप्त हो सकती हैं। देश में सरकार का गठन करने के लिए कुल 272 लोकसभा सीटों की जरुरत है और वर्तमान समाप्त हो रही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **पर प्रशांत किशोर ने यह भी कहा कि, भाजपा के सहयोगी दल 34 सीटों पर जीतेंगे, जिससे एन.डी.ए. का फाइनल आंकड़ा 275 व 305 सीटों के बीच रहेगा और भाजपा सरकार बनायेगी।**
- **इस नये आकलन से पहले प्रशांत किशोर ने एक चैनल को दिये इन्टरव्यू में कहा था कि, मोदी सरकार के खिलाफ जमीन पर खास संगठित असंतोष नहीं है, थोड़ी बहुत नाराज़गी हो सकती है, जिस के कारण भाजपा 370 का महत्वकांक्षी लक्ष्य नहीं पा सकेगी।**
- **योगेन्द्र यादव के अनुसार कांग्रेस 85-100 सीटों पर जीत सकती है तथा इण्डिया ब्लॉक, जो भाजपा के विजय रथ को रोकने की आशा करता है, 120-135 तक सीमित रह जायेगा।**
- **अमेरिकी सैफॉलजिस्ट ईअन ब्रैमर का कहना है, भाजपा 295-315 सीटें जीतेगी।**
- **गत चुनाव में भाजपा ने 303 सीटें जीती थीं, पर, अब 370 सीटें जीतने के लिये उसे तमिलनाडू, केरल, बंगाल व तेलंगाना में भारी सफलता हासिल करनी होगी।**

पूरे देश में सबसे गर्म रहा फलौदी, पारा 50 डिग्री पहुँचा

बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री, जैसलमेर में 48 डिग्री, बीकानेर में 47.2 डिग्री, चूरू में 47 डिग्री, जोधपुर में 46.9 डिग्री दर्ज किया गया

नई दिल्ली, 25 मई। उत्तर भारत के कई राज्यों में गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में गर्मी से जनता बेहाल है। मौसम विभाग की मानें तो राजस्थान में पारा 50 तक पहुंच गया है। वहीं गुजरात और महाराष्ट्र के कई जिलों में पारा 45 के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, राजस्थान में के फलौदी 50 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे गर्म स्थान दर्ज किया गया। बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री, जैसलमेर में 48 डिग्री, बीकानेर में 47.2 डिग्री, चूरू में 47 डिग्री, जोधपुर में 46.9 डिग्री, गंगानगर में 46.5 डिग्री, कोटा में 46.3 डिग्री और राजधानी जयपुर में 43.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

पश्चिम मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की स्थिति

- **कोटा में अधिकतम तापमान 46.3 डिग्री और राजधानी जयपुर में 43.8 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया।**
- **दिल्ली में नजफगढ़ सहित कई शहरों में तापमान 47 डिग्री सैल्सियस के आस-पास दर्ज किया गया।**

बनी हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, हरियाणा-चंडीगढ़ दिल्ली और विदर्भ में लू की स्थिति बनी रही। गुजरात क्षेत्र में 15 मई से और हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली और राजस्थान में 17 मई से लू की स्थिति बनी हुई है।

लोग बेसब्री से मॉनसून की बारिश का इंतजार कर रहे हैं। मॉनसून की स्थिति की बात करें तो दक्षिण-पश्चिम मॉनसून आज 25 मई को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा। उम्मीद है कि मॉनसून 31 मई तक देश में प्रवेश कर जाएगा।

उत्तर भारत के अन्य राज्यों की बात करें तो हरियाणा के साथ-साथ राजधानी दिल्ली में भी लोगों को भीषण गर्मी की मार झेलनी पड़ रही है। हरियाणा के हिसार में पारा 44.8 डिग्री तो वहीं नरनौल में 45 डिग्री दर्ज किया गया। राजधानी दिल्ली में पारा 47 के करीब पहुंच गया है। दिल्ली के नजफगढ़ में 46.8, आर्यनगर में44.8, पालम में 44.6 और सफदरजंग में 43.4 रहा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जालोर में भीषण गर्मी, तीन मरे

जालोर, 25 मई (कासं) जालोर में शनिवार को गर्मी व लू के प्रभाव से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक पुरुष व दो महिलाए हैं। जालोर में लू व गर्मी से अब तक ग्यारह लोगों की मौत हो चुकी है।

बताया जाता है कि जुबैदा बानू (75 वर्ष) पत्नी, हीरे खां, जो लाल

- **मरने वालों में दो महिलाएं व एक पुरूष है, जालोर में गर्मी व लू से अब तक 11 मौतें हो चुकी हैं।**

पोल में रहती थी, की तबियत घर में ही खराब हो गई थी फिर उसे राजकीय चिकित्सालय लाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया गया।

वहीं गीतादेवी (37) पत्नी उमाराम मेघवाल निवासी तीखी व जालोर शहर के वेरा भीमावाला लाल भाकरी निवासी 75 वर्षीय सूंगाराम पुत्र कस्तूरा राम की लू के कारण तबियत बिगड़ गई तो परिजन राजकीय अस्पताल लेकर आये। जहां ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने उन्हें 24 मई को सुबह भर्ती किया गया और 25 मई को उपचार के दौरान मौत हो गई।

चुनाव आयोग ने मतदान के पांचों चरण के टोटल मतों का आंकड़ा रिलीज़ किया

चुनाव आयोग द्वारा जारी प्रेस नोट के अनुसार, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा था कि, वह चुनाव आयोग को ये आंकड़े जारी करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 25 मई। चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट के कल के निर्णय के बाद लोकसभा चुनाव के अब तक सम्पन्न पाँच चरणों में डाले गए कुल वोट्स के डेटा सार्वजनिक कर दिए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्णय में कहा था कि चुनाव आयोग को वी.वी.पी.ए.टी. मशीन्स की कुल पर्चियों के हिसाब से वोटिंग प्रतिशत प्रकाशित करने के लिए बाध्य ना किया जाए।

चुनाव आयोग ने दोहराया है कि डाले गए वोट्स के डेटा को कोई भी बदल नहीं सकता है क्योंकि मतदान के दिन सभी प्रत्याशियों के पोलिंग एजेन्ट्स को यह डेटा फॉर्म 17 सी के जरिए शेयर किया जाता है। आयोग का कहना है कि चुनावी उम्मीदवारों के पास डाले गए कुल वोटों का डेटा हमेशा उपलब्ध रहता

- **चुनाव आयोग ने यह भी कहा कि, हर प्रत्याशी के प्रतिनिधि को पहले ही फॉर्म 17 सी के मार्फत से यह जानकारी दी ही जा चुकी है और इससे हर पोलिंग बूथ पर कितने वोट पड़े हैं, आसानी से जाने जा सकते हैं।**
- **चुनाव आयोग के अनुसार किसी भी तरह फॉर्म 17 सी की डीटेल्स में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।**

है और देश की जनता के लिए भी यह वोटर टर्नआउट ऐप पर हमेशा दिखाई देता है। चुनाव आयोग ने अपने एक प्रैस नोट में कहा है कि चुनावी प्रक्रिया को दूषित करने के लिए गलत इरादों के साथ मनगढ़न्त कहानियाँ बनाई जा रही हैं।

इसके अनुसार, इसलिए आयोग ने डाले गए कुल वोटों के डेटा के फॉर्मेट को और विस्तृत करने का निर्णय लिया जिसमें प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के सभी वोटर्स की संख्या शामिल है और जिसे देश के नागरिक कुल मतदाताओं के वोटिंग प्रतिशत को सप्लाई कर देख सकते है।

वोटों के एकत्रीकरण और संचय की प्रक्रिया कठिन, पारदर्शी और सहभागिता से परिपूर्ण है। चुनाव आयोग और सभी राज्यों के उसके अधिकारी वैधानिकता बरतते हुए डाले गए कुल मतों के डेटा अपने सर्वश्रेष्ठ तरीके से प्रसारित करते रहे हैं। गत 19 अप्रेल से शुरु मतदान के प्रथम चरण से डाले गए कुल वोटों की जानकारी सार्वजनिक करने की पूरी कवायद सटीक, सुसंगत, त्रुटिरहित और चुनावी कानूनों के अनुरूप रही है। आयोग ने आमजन और प्रत्येक राजनीतिक पार्टी को डाले गए कुल वोटों की गणना और उन्हें जारी करने तथा फॉर्म 17 सी की निगरानी व उपयोग की विस्तृत प्रक्रिया के बारे में बताया है।

बेहतर समझ के लिए इस प्रक्रिया को एक-एक करके संक्षेप में समझाया गया है।

1. चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की लिस्ट को अंतिम रूप दिए जाने के बाद मतदाताओं की अंतिम सूची उम्मीदवारों को दी जाती है।

2. सभी 543 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में उम्मीदवारों के अधिकृत एजेंटों के पास फॉर्म 17 सी होगा, करीब 10.5 लाख पोलिंग बूथों के लिए प्रत्येक।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'यदि मुझ पर हमला हुआ तो गुलाब चंद कटारिया जिम्मेवार होंगे'

उदयपुर, 25 मई (कासं)। आई.टी.सी. ममैंटोज़ मामले में कपिल सुराणा की 23 मई को हुई प्रैस वार्ता का जवाब देने के लिए एक दिन जेल में रहकर आए भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह झाला ने प्रैस कॉन्फ्रैंस कर वरिष्ठ भाजपा नेता गुलाब चंद कटारिया पर गंभीर आरोप लगाए। ज्ञातव्य है कि झाला को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया था।

झाला ने कहा कि ''मैं आदिवासियों का हक दिला कर रहूंगा। पूरा राजपूत समाज हमारे साथ है। सबने निर्णय किया है कि आंदोलन की तारीख तय करके उदयपुर कलेक्टरी की तरफ कूच करेंगे। भंवरलाल, प्रेमसिंह का मुकदमा दर्ज होना चाहिए। अगर नहीं ऐसा किया जाता है तो पांच दिन तक आंदोलन करेंगे, कलेक्ट्री पर धरना लगेगा। लॉ एंड ऑर्डर के लिए प्रशासन जिम्मेदार है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाकिस्तानी युवती के जाल में फंसकर बीकानेर का अशोक बन गया अबूबकर

हिन्दू नेता उपदेश राणा की हत्या के लिए एक करोड़ रू. की सुपारी भी ली

बीकानेर, 25 मई (निस)। हिन्दू संगठनों के नेताओं की हत्या का षड्यंत्र रचने के मामले में सूरत क्राइम ब्रांच ने बीकानेर से पकड़े गए अशोक उर्फ अबूबकर को अदालत में पेश किया। अदालत ने 7 दिन का रिमांड दिया है।

क्राइम ब्रांच से प्राप्त जानकारी के अनुसार बीकानेर के विश्वकर्मा गेट इलाके में रहने वाला अशोक सुथार (27) ने कला संकाय में स्नातक किया है। पढ़ाई के बाद उसने बीकानेर में एचआर कंप्यूटर इंस्टीट्यूट खोला था, जहां वह छात्रों को टाइपिंग सिखाता था। दो साल पूर्व दिल्ली में उसे ग्राफिक डिज़ाइनर की नौकरी मिली। उसी दौरान वह पाकिस्तान के तारिक जमाल और जाकिर नाईक के वीडियो देखकर इस्लाम की तरफ आकर्षित हुआ।

सोशल मीडिया के जरिए उसकी पाकिस्तान की करीब दस युवतियों इकरा रियाज, रमोना, अलीना, हाफिजा, अदीना, ताहिरा, माहि, हनिया, यमीमा, मंतसा, फरहीन के साथ दोस्ती हुई। वह उनके साथ चैटिंग करता था। इसके अलावा भी वह पाकिस्तान के कई लोगों के संपर्क में था। उनमें से एक से उसने अपने लिए काम मांगा। इस पर उसने उसे मौलवी सुहैल का नंबर दिया। सुहैल ने उसे एक करोड़ रुपए में हिन्दू नेता उपदेश राणा की हत्या की सुपारी दी। दोनों के बीच मौलवी के वॉट्सएप नंबर पर चैटिंग भी हुई थी। मौलवी ने उसे उपदेश राणा का फोटो भेजा था। उसके इस काम को अंजाम देने के लिए अशोक मौलवी से संपर्क करने का प्रयास कर रहा था, लेकिन संपर्क नहीं हुआ।

- **पैसा लेकर पाकिस्तान जाकर इकरा से शादी करना चाहता था अशोक सुथार।**
- **बीकानेर में कम्प्यूटर इन्स्टिट्यूट चलाने वाले अशोक सुथार की दिल्ली में ग्राफिक डिज़ाइनर के पद पर नियुक्ति हुई थी, वहीं वह सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी युवतियों के संपर्क में आया था।**
- **इन्हीं में से एक इकरा से उसे प्रेम हो गया, इकरा के झांसे में आकर उसने ऑनलाइन ही धर्म परिवर्तन किया तथा चरमपंथी संगठनों से जुड़ गया।**
- **गुजरात क्राइम ब्रांच को उपदेश राणा की हत्या की साजिश की जांच के दौरान अशोक के बारे में पता लगा। अदालत ने अशोक को 7 दिन के रिमांड पर पुलिस को सौंपा है।**

क्राइम ब्रांच अशोक के अन्य संपर्कों के बारे में पूछताछ में जुटी है। क्राइम ब्रांच ने उपदेश राणा की हत्या की साजिश के आरोप में मौलवी सुहैल को गिरफ्तार किया था। उसके बाद बिहार से मोहमद अली व महाराष्ट्र से शकील को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ के बाद क्राइम ब्रांच ने राजस्थान के बीकानेर से अशोक सुथार उर्फ अबूबकर को पकड़ा। ऑनलाइन चैटिंग के दौरान इकरा के साथ उसके प्रेम संबंध बन गए। इकरा ने उससे शादी के लिए इस्लाम धर्म अपनाने करने की शर्त रखी। इस पर उसने हाफिज़ा (कुरान शिक्षक) से कुरान के बारे में ऑनलाइन जानकारी ली और पाकिस्तान के किसी मुती जमशेद से संपर्क कर ऑनलाइन इस्लाम धर्म अपनाया। जमशेद ने उसे लगभग 25 बार कलमा पढ़वाया और फिर उसे अशोक की जगह मोहम्मद अबूबकर कादरी के रूप में इस्लामी नाम दिया गया।

पुलिस ने बताया कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आई.एस.आई. व उसके बनाए आतंकी संगठनों से जुड़ी महिलाओं के निशाने पर आम लोग भी हैं। वे सेना व महत्वपूर्ण पदों पर तैनात अधिकारियों के साथ व आम लोगों को भी सोशल मीडिया के जरिए हनीट्रैप में फंसा रहे हैं। सूरत क्राइम ब्रांच के पुलिस निरीक्षक के.आई. मोदी के अनुसार बीकानेर से पकड़े गए अशोक उर्फ अबूबकर के मामले में कुछ ऐसा ही सामने आया है। वह भी किसी इकरा के प्रेमजाल में फंसा। इकरा ने भावनात्मक रूप से उस पर काबू पाने के बाद उसे शादी का प्रस्ताव दिया। साथ ही धर्म परिवर्तन की शर्त रखी।

ब्रेन वॉश की पूरी प्रक्रिया के दौरान इकरा लगातार उसके संपर्क में रही। जब वह अबूबकर बन गया, तो उसे हिन्दू नेताओं की हत्या की साजिश में शामिल किया गया। अबूबकर ने उपदेश राणा की हत्या के लिए उसे एक करोड़ रुपए देने की बात की थी। इन रुपयों का उपयोग कर वह इकरा तक पहुंचकर उससे शादी करने के सपने देख रहा था।

ब्रेन डेड मरीज अंगदान कर तीन लोगों को दे गया नई जिंदगी

एक्सीडेंट में ब्रेन डेड होने के बाद गुजरात निवासी तेजस के अंगों को परिजनों ने दूसरे मरीजों को दान किया

जयपुर। गुजरात का ब्रेन डेड हुआ व्यक्ति तीन लोगों को नई जिंदगी दे गया। शहर के प्रताप नगर स्थित नारायणा हॉस्पिटल में शनिवार को राज्य का 59वां अंगदान किया गया। ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर और दोनों किडनी एसएमएस हॉस्पिटल और नारायणा

- **एसएमएस मेडिकल कॉलेज में लिवर और एक किडनी का जबकि नारायणा अस्पताल में दूसरी किडनी का ट्रांसप्लांट हुआ**

हॉस्पिटल में भर्ती तीन मरीजों को लगाई गई।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि पिछले दो महीने से ट्रांसप्लांट से जुड़ी गतिविधि नहीं हो सकी, लेकिन अभी राज्य सरकार के निर्देशानुसार चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह

खींवसर एवं अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह द्वारा गठित की गई नई कमेटी के बाद अब वापस से एसएमएस मेडिकल कॉलेज के ट्रांसप्लांट प्रोग्राम शुरू हो गया है। इसी कड़ी के शुक्रवार को दो मरीजों को ब्रेन डेड व्यक्ति के अंग प्रत्यारोपित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि गुजरात निवासी 44 साल के तेजस उपेन्द्र कुमार का 21 मई को एक्सीडेंट हो गया था। इसके बाद उनको इलाज के लिए नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान वह ब्रेन डेड हो गए।

बारह घंटे चली ट्रांसप्लांट प्रक्रिया

लिवर ट्रांसप्लांट करने वाले सीनियर हेपेटोबिलियरी सर्जन डॉ. दिनेश भारती ने बताया कि ब्रेन डेड व्यक्ति का लिवर 44 वर्षीया महिला को लगाया गया है। नारायणा अस्पताल में व्यक्ति के ब्रेन डेड होने के बाद सोटो के पदाधिकारियों ने उसके परिजनों की काउंसिलिंग की। परिजनों से अंगदान की सहमति प्राप्त होने के बाद शाम 5 बजे से व्यक्ति के अंगों को रिट्रीव करने की प्रक्रिया चली। शाम सवा आठ बजे अंग एसएमएस में पहुंचे और सुबह साढ़े छह बजे तक लिवर ट्रांसप्लांट की प्रक्रिया पूरी हुई।

32 वर्षीय मरीज को लगी किडनी

किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के एचओडी डॉ. नचिकेत व्यास ने बताया कि किडनी कोटा निवासी एक 32 वर्षीय पुरुष को लगाई गई है, जो काफी समय से किडनी फेलियर की समस्या से जूझ रहा था। ट्रांसप्लांट के बाद किडनी अच्छे से काम कर रही है और घंटे 600 एमएल तक यूरीन बना रही है।

हार्ट नहीं आ सका काम

डॉक्टरों के मुताबिक तेजस को इलाज के दौरान उसको दो बार सीपीआर दिया गया, ताकि उसको बचाया जा सके। ब्रेन डेड होने और सीपीआर करने के बाद हार्ट को ट्रांसप्लांट किया जाना संभव नहीं था। ट्रांसप्लांट के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई। एसएमएस में लिवर ट्रांसप्लांट का ये दूसरा केस है।

कांग्रेस एक डूबता जहाज : राजेन्द्र राठौड़

जयपुर। विधानसभा में पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि गहलोत साहब, कांग्रेस एक डूबता जहाज है जिसमें कोई भी राजनीतिक नेता सवार होकर अपने भविष्य को दांव पर नहीं लगाना चाहता। आप जिन नेताओं को "नॉन परफॉर्मिंग असेट" बता रहे हैं, कल तक वो आपकी ही पार्टी के लिए परफॉर्मिंग असेट हुआ करते थे। राठौड़ ने कहा कि जितिन प्रसाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, अमरिंदर सिंह, गौरव वल्लभ, आचार्य प्रमोद कृष्णम एवं अशोक चव्हाण जैसे दर्जनों वरिष्ठ नेताओं को आपकी पार्टी ने दरकिनार किया। इन नेताओं की वर्षों की तपस्या और मेहनत पर परिवारवाद हावी रहा। इन्हें भाजपा में वो सम्मान मिला, जिसके वे हकदार थे। राठौड़ ने कहा कि 4 जून का इंतजार कीजिये, मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि लोकसभा चुनाव 2024 के परिणामों के बाद सबसे बड़े "नॉन परफॉर्मिंग असेट" और लाइबिलिटी का तमगा आपकी पार्टी कांग्रेस और युवराज राहुल गांधी को ही मिलेगा।

हीटवेव प्रबंधन में लापरवाही पर 12 अफसरों को नोटिस जारी

एस.एम.एस अस्पताल में अति. अधीक्षक व चिकित्सा प्रभारी अधिकारी विद्युत और यांत्रिकी डॉ. गिरीश चौहान सहित चार लोगों को नोटिस जारी

जयपुर। राज्य सरकार ने हीटवेव प्रबंधन को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी करने के बावजूद चिकित्सा संस्थानों में समुचित प्रबंध नहीं करने पर सख्त एक्शन लिया है। अस्पतालों में हीटवेव प्रबंधन में खामियों को लेकर चिकित्सा महाविद्यालयों से सम्बद्ध अस्पतालों के 12 अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि भारत सरकार ने इस बार अत्यधिक गर्मी रहने एवं हीटवेव का अलर्ट जारी किया था। इसके क्रम में प्रदेशभर के चिकित्सा संस्थानों को आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के

- **जयपुर के जनाना अस्पताल के अधीक्षक को भी कारण बताओ नोटिस दिया गया है।**

निर्देश दिए गए थे, लेकिन इसके बाद भी कुछ चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव प्रबंधन को लेकर कमियां पाई गईं। इन अस्पतालों में कूलर, पंखे, एसी, वाटर कूलर सहित अन्य व्यवस्थाएं सुचारू नहीं पाई जाने पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर 3 दिवस में स्पष्टीकरण मांगा गया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में हीटवेव से बचाव के समुचित प्रबंध नहीं पाए जाने पर अतिरिक्त अधीक्षक एवं चिकित्सा प्रभारी अधिकारी विद्युत एवं यांत्रिकी डॉ. गिरीश चौहान, सहायक अभियंता सिविल मोनिका सैनी व अंजू माथुर, सहायक अभियंता इलेक्ट्रिकल सुनील कुमार मीणा तथा अस्पताल अभियंता रवि प्रकाश चौधरी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

इसी प्रकार सीकर मेडिकल कॉलेज के एसके हॉस्पिटल, अजमेर मेडिकल कॉलेज के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल, पाली के बांगड अस्पताल, बीकानेर के जनाना अस्पताल, कोटा के एमबीएस अस्पताल, भरतपुर के जनाना अस्पताल एवं जयपुर के जनाना अस्पताल के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

प्रदेश में लू-तापघात से अब तक कोई मौत नहीं होना बताया ए.सी.एस. शुभ्रा सिंह ने

- **केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में अभी तक हीट स्ट्रोक से एक भी मौत प्रमाणित नहीं हुई है।**
- **विभाग द्वारा प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही डेथ ऑडिट की जा रही है।**
- **कोटा और जयपुर में एक-एक मौत लू-तापघात से संदिग्ध श्रेणी में मानी गई थी, डेथ ऑडिट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इन दोनों मौत को भी हीट स्ट्रोक के कारण नहीं होना बताया है।**

जयपुर। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने कहा कि प्रदेश में अब तक लू-तापघात से एक भी व्यक्ति की मौत होना सामने नहीं आया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा चिकित्सा संस्थानों में आने वाले सभी रोगियों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही अस्पतालों में लू-तापघात से संदिग्ध एवं कन्फर्म्ड मृत्यु की रिपोर्टिंग के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। डेथ ऑडिट कमेटी द्वारा केन्द्र सरकार के प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुसार जांच के बाद ही हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों की जानकारी उपलब्ध कराई जाती है। इस प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में फिलहाल एक भी मौत हीट स्ट्रोक के कारण रिपोर्ट नहीं हुई है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने शनिवार को मुख्य सचिव द्वारा विभिन्न विभागों के साथ आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस में बताया कि प्रदेश में गत एक मार्च से 25 मई को सुबह 10 बजे तक चिकित्सा संस्थानों में आपातकालीन स्थिति में करीब 82 हजार रोगी आए। इनमें से 2243 रोगी हीट स्ट्रोक के थे।

उन्होंने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार प्रदेश में अभी तक हीट स्ट्रोक से एक भी मौत प्रमाणित नहीं हुई है। विभाग द्वारा प्रोटोकॉल में निर्धारित मानकों के अनुरूप ही डेथ ऑडिट की जा रही है। कोटा और जयपुर में एक-एक मौत लू-तापघात से संदिग्ध श्रेणी में मानी गई थी, डेथ ऑडिट कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में इन दोनों मौत को भी हीट स्ट्रोक के कारण नहीं होना पाया है।

सिंह ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा हीट स्ट्रोक से होने वाली मौतों की जांच के लिए निर्धारित पैरामीटर की जानकारी सभी चिकित्सा संस्थानों को दी है। साथ ही लू-ताप से होने वाली मौतों की सूचना आईएचआईपी पोर्टल पर इन्द्राज करने के निर्देश भी दिए हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में लू-तापघात की स्थिति से निपटने के लिए चिकित्सा संस्थानों में दवा, जांच एवं उपचार आदि के समुचित प्रबंध किए गए हैं। लू से पीड़ित रोगियों के लिए अलग से वार्ड बनाए गए हैं। लू प्रबंधन एवं मौसमी बीमारियों की राज्य, जोनल, जिला एवं खण्ड स्तर से प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। मौसमी बीमारियों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए नवाचार करते हुए ओडीके एप के माध्यम से रिपोर्टिंग की जा रही है।

निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश माथुर ने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से 24 घंटे कंट्रोल रूम संचालित किया गया है। चिकित्सा संस्थानों को तात्कालिक आवश्यकताओं जैसे पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर आदि के लिए आरएमआरएस में उपलब्ध फंड का युक्तिसंगत उपयोग करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर प्रदेश में लू प्रबंधन एवं मौसमी बीमारियों को लेकर 27 एवं 28 मई को उच्च स्तरीय बैठक में समीक्षा करेंगे।

36-एसएमएस अस्पताल में दुरूस्त हुईं व्यवस्थाएं

सवाई मानसिंह अस्पताल में हीटवेव प्रबंधन के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। हीटवेव के मरीजों के लिए अलग से बैड आरक्षित किए गए हैं। इमरजेंसी आईसीयू में भी 6 बैड आरक्षित किए गए हैं। मरीजों की सुविधा के लिए चरक भवन, ट्रोमा वार्ड, इमरजेंसी सहित अन्य स्थानों पर 35 नए डेजर्ट कूलर लगाए गए हैं। चिकित्सालय में 40 वाटर कूलर संचालित हैं। इनकी नियमित साफ-सफाई एवं सर्विस की जा रही है। विभिन्न आईसीयू में एसी एवं एयर कूलिंग प्लांटस को सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। पंजीकरण कक्ष से ओपीडी भवन तक छाया के लिए ग्रीन नेट लगाया गया है। हीटवेव के मरीजों के उपचार के लिए आईस पैक उपलब्ध करवाये गए हैं।

सम्मान समारोह आयोजित

जयपुर, (का.सं.)। कृष्णा गार्डन में दिगम्बर जैन महासमिति सांगानेर संभाग एवं प्रताप नगर सेक्टर 3 के संयुक्त तत्वाधान में आज संभाग स्तरीय पुरस्कार एव सम्मान समारोह आयोजित हुआ। 15 मई से 24 मई तक राजस्थान अंचल, समस्त संभाग एवं महिला अंचल के संयुक्त तत्वावधान में संचालित दस दिवसीय संस्कार शिक्षण शिविर में प्रतापनगर सेक्टर 3 में छह कक्षाएं संचालित हुई। संस्कार सरोवर भाग 1,2,3,4, छहढाला और तत्वार्थसूत्र में 108 शिविरार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। सभी कक्षाओं की 24 मई को प्रात: काल परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को सम्मानित एवं पुरस्कार वितरण किए गए। साथ ही शिविर शिक्षकों को भी सम्मानित किया गया। सांगानेर संभाग के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन मलैया ने बताया कि इस अवसर पर महासमिति के राष्ट्रीय महामंत्री सुरेन्द्र कुमार पाण्डया, राजस्थान अंचल के

अध्यक्ष अनिल कुमार जैन, महासचिव महावीर बाकलीवाल , कार्याध्यक्ष डॉ णमोकार जैन, उपाध्यक्ष डॉ मोहन लाल मणि, कोषाध्यक्ष, रमेश चंद्र जैन, मंत्री महावीर चांदवाड, संभाग के परामर्शक प्रेमचंद बड़जात्या, सांगानेर संभाग कार्याध्यक्ष डॉ भाग चंद जैन , महामंत्री डा.अरविन्दकुमार जैन आदि की सम्माननीय उपस्थिति रही।

भागचंद जैन ने बताया कि इकाई के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार झांझरी ने बताया कि इस कार्यक्रम के चित्र अनावरण कर्ता चांददेवी अजमेरा एवं महावीर प्रसाद जैन, मधुबाला देवी जैन थीं। द्वीप प्रज्ज्वलन कर्ता पदमचन्दजी शीलादेवी जैन अलवर वाले थे। मुख्य अतिथि एवं पुरस्कार वितरण कर्ता मधु जैन परिवार रहे।

बिजली शिकायतों के समाधान के बाद सत्यापन के निर्देश

जयपुर, (का.सं.)। प्रदेश में हीटवेव के बढते प्रभाव को देखते हुए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के निर्देशानुसार विद्युत आपूर्ति व अन्य तकनीकी शिकायतों के त्वरित निस्तारण के लिए केन्द्रीकृत कॉल सेन्टर के साथ ही सर्किल स्तर पर स्थापित कन्ट्रोल रुम पर उपभोक्ताओं की शिकायतों को दर्ज कराने व उनके समाधान की व्यवस्था की हुई है। इन पर दर्ज शिकायतों का त्वरित निस्तारण भी किया जा रहा है।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ऊर्जा आलोक ने शिकायत के समाधान के उपरान्त यथा संभव सम्बन्धित उपभोक्ता से शिकायत के समाधान का सत्यापन भी किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी और कार्य में लापरवाही बरतने वाले कार्मिक के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

पेपर लीक प्रकरण में आरोपी को निर्दोष मानने का प्रार्थना पत्र खारिज

मजिस्ट्रेट ने माना कि पत्रावली में साक्ष्य मौजूद हैं, इसलिये प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट, महानगर द्वितीय ने पुलिस उप निरीक्षक भर्ती-2021 पेपर लीक और फर्जीवाडे से जुडे मामले में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे हरिओम पाटीदार को निर्दोष मानने के लिए एसओजी की ओर से पेश प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि एफएसएल जांच के अलावा पत्रावली में अन्य साक्ष्य भी मौजूद हैं। ऐसे में प्रकरण के इस स्तर पर एसओजी का यह यह प्रार्थना पत्र स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सीआरपीसी की धारा 169 के तहत पेश प्रार्थना पत्र में एसओजी की ओर से कहा गया कि एफएसएल जांच में हरिओम पाटीदार के खिलाफ साक्ष्य नहीं आई है। ऐसे में उसे रिहा किया जाए। गौरतलब है कि प्रकरण में एसओजी ने गत 14 अप्रैल को हरिओम पाटीदार को गिरफ्तार किया था। वह तब से ही न्यायिक अभिरक्षा में चल रहा है। प्रकरण में एसओजी अब तक भूपेन्द्र सारण सहित कई आरोपियों के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश कर चुकी है। इनमें छह महिलाएं भी शामिल हैं। वहीं करीब पांच दर्जन से अधिक के खिलाफ जांच लंबित रखी गई है। प्रकरण में एसओजी ने माना है कि आरोपियों ने एक संगठित गिरोह बनाकर सुनियोजित तरीके से आपराधिक षड्यंत्र रहते हुए एसआई भर्ती-2021 के पेपर लीक किए थे और उनका आगे बेचान किया था। वहीं परीक्षा में डमी अभ्यर्थी भी बैठाए गए थे। प्रकरण में अब तक एक आरोपी चंचल कुमारी को जमानत मिल चुकी है। पूर्व में सीएमएम कोर्ट ने प्रकरण के 12 आरोपियों की अवैध हिरासत मानते हुए उन्हें सशर्त रिहा करने को कहा था, लेकिन बाद में इस आदेश को हाईकोर्ट कोर्ट ने रद्द कर डीजीपी को जांच करने को कहा था। हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ अब मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।

मानव अंग व उत्तक प्रत्यारोपण के लिए सलाहकार समिति गठित

जयपुर। राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर मानव अंग एवं प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत समुचित प्राधिकारी की सहायता एवं सलाह के लिए सलाहकार समिति का गठन किया है।

चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव इस समिति के चेयरपर्सन तथा चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सदस्य सचिव होंगे। समिति में लॉ एंड लीगल अफेयर विभाग के संयुक्त सचिव, एसएमएस मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशिलिटी ब्लॉक के अधीक्षक डॉ. विनय मल्होत्रा, न्यूरोसर्जरी के सीनियर प्रोफेसर डॉ. मनीष अग्रवाल, सेवानिवृत्त आरएएस अधिकारी ओपी गुप्ता, कोटा की डॉ. नील प्रभा नाहर, मोहन फाउण्डेशन चेन्नई के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. सुनील श्रॉफ एवं कांवटिया अस्पताल जयपुर के प्रिंसिपल स्पेशलिस्ट डॉ. दिनेश शर्मा सदस्य होंगे। कमेटी का कार्यकाल

- **चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव समिति के चेयरपर्सन तथा चिकित्सा शिक्षा आयुक्त सदस्य सचिव होंगे**

दो वर्ष का होगा एवं इसका प्रशासनिक विभाग चिकित्सा शिक्षा विभाग (ग्रुप-1) होगा। ऑथराइजेशन कमेटी के गठन के बाद अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण को लेकर प्रदेश में फिर से मजबूती के साथ कार्य प्रारंभ हो गया है। अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभ्रा सिंह ने बताया कि राज्य सरकार अंगदान एवं अंग प्रत्यारोपण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित है। विभाग के प्रयासों से कमेटियों के गठन के बाद प्रदेश में अंगदान एवं प्रत्यारोपण का सिलसिला फिर शुरू हो गया है।

हरियाणा के जागरूक मतदाताओं का आभार : पूनिया

जयपुर। भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष व हरियाणा के चुनाव प्रभारी सतीश पूनिया ने कहा कि संपन्नता, उन्नित एवं विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर हरियाणा राज्य के जागरूक मतदाताओं का लोकसभा चुनाव में भागीदारी निभाने पर हार्दिक आभार एवं अभिनंदन।

पूनिया ने कहा कि मुझे विश्वास और उम्मीद है कि विश्व के लोकप्रिय नेता नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने से लेकर आगामी विधानसभा चुनाव में भी भाजपा की डबल इंजन सरकार बनाने का संकल्प हरियाणा की जनता ने ले लिया है। हरियाणा के परिश्रमी कार्यकर्ताओं, मतदाताओं, किसानों, जवानों, खिलाड़ियों और माता-बहनों का जो स्नेह एवं आशीर्वाद मिला, उससे मुझे बहुत ऊर्जा और ताकत मिली।

नाम परिवर्तन

मै नगेन्द्र भूषण अपना नाम बदल कर नगेन्द्र भूषण गुप्ता पुत्र राम कृपाल गुप्ता निवासी52/43,शिप्रा पथ, मानसरोवर जयपुर राजस्थान रख रहा हूँ मुझे अब नगेन्द्र भूषण गुप्ता नाम से ही जाना जावे।

I, Amardeep Brother of No. 22058417M Rank SEP Jaydeep R/o Vill. Sunbarsa Bhatpur, Post Bakewar, Tehsil Bharthana, Dist Etawah, (U.P.) has changed my name and DOB from Amardeep to Amar Deep and 16.12.2003 to 06.12.2003 for all future purpose. vide affidavit dated 12.04.2024 before court Jaipur District.

कार्यालय उपायुक्त मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(नई विधानसभा के पास, लालकोठी, जयपुर)
क्रमांक:- एफ()/न.नि.ज.ग्रेटर/मा.न.जोन/2024/ दिनांक: 25.5.2024
सार्वजनिक सूचना- सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण जयपुर द्वारा श्री कैलाश चन्द सोगानी पुत्र श्री मांगीलाल को क्षेत्रफल 259.06 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था, मूल आंवटी श्री कैलाश चन्द सोगानी पुत्र श्री मांगीलाल की दिनांक 16.05.2007 को मृत्यु होने के पश्चात जीवित वारिसानों द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र दिनांक 22.11.2011 को श्री नरेश सोगानी पुत्र स्व. श्री कैलाश चन्द सोगानी के पक्ष में सम्पादित किया गया है। श्री प्रदीप साहू पुत्र श्री मदन लाल साहू द्वारा नाम हस्तान्तरण हेतु भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का आवेदन प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र के साथ प्रस्तुत किये गये रजिस्टर्ड पट्टा विलेख, रजिस्टर्ड हकत्याग व विक्रय पत्र एवं अन्य दस्तावेजो की छायाप्रति के आधार पर भूखण्ड सं. 321-ए, माधव गृह निर्माण सहकारी समिति योजना हिम्मत नगर, जयपुर का नाम हस्तान्तरण नगर निगम ग्रेटर जयपुर द्वारा श्री प्रदीप साहू पुत्र श्री मदन लाल साहू के पक्ष में किया जाना है। इस नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपति हो तो 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, मालवीय नगर जोन नगर निगम ग्रेटर) में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित समयावधि की समाप्ति के बाद, नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, मालवीय नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर जयपुर

तीये की बैठक

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे प्रिय **Prof. (Dr.) K. S. Gupta** (भूतपूर्व विभागाध्यक्ष रसायन विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय) 1- क- 14, जवाहर नगर, जयपुर का दिनांक 24.05.2024 को निधन हो गया है। तीये की बैठक दिनांक 26.05.2024 को सांय 5.00 से 6:00 बजे साईं बाबा मंदिर, सर्वानन्द पार्क, सिन्धी कॉलोनी, जवाहर नगर, जयपुर, रखी गई है।
शोकाकुल- श्रीमती माया गुप्ता (पत्नी), रिचा- संदीप, प्रीति- आलोक, रितु (Ex.En PHED)- राजीव(अतिरिक्त श्रम आयुक्त), इति- संजय (पुत्री एवं दामाद) एवं समस्त परिवारजन।
मो.- 9928381204

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

अमृत पर्यावरण महोत्सव 8 अगस्त को

जयपुर। प्रदेशभर में वृक्षारोपण का सघन अभियान आयोजित करने की योजना बनाई जा रही है। योजना के अनुसार एक साथ एक ही दिन में पूरे प्रदेश में करोड़ों की संख्या में पौधे लगाने का कार्यक्रम है। जयपुर में आयोजित पर्यावरणविदों की बैठक में इस अभियान के लिये चर्चा कर निर्णय लिये गये।

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि साल दर साल गर्मी की भीषणता बढ़ती जा रही है। तापमान में बढ़ोतरी का मुख्य कारण वृक्षों की कमी होना है, एक अनुमान के मुताबित वर्तमान में सर्वाधिक तापमान वाले विश्व के 15 शहरों में से 07 शहर अकेले राजस्थान से है। यह हम सभी के लिये खतरे की घण्टी है, यदि बढते तापमान को रोकना है तो हमें अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना होगा। आंकडों के अनुसार राजस्थान में वर्तमान में मात्र 4.87 प्रतिशत ही जमीन पर वृक्षारोपण हो रखा है, अत: राजस्थान प्रदेश में सघन वृक्षारोपण की अत्यन्त आवश्यकता है, ताकि मरूधरा की पहचान वाली वीर भूमि राजस्थान को हरीभरी वसुन्धरा में परिवर्तित किया सके। बैठक में अभियान की तारीख 8 अगस्त तय की गई है इस दिन "अमृत पर्यावरण महोत्सव" के नाम से प्रदेशभर में एक साथ एक ही दिन करोंड़ों पौधे लगाये जायेंगे।

मतगणना केन्द्रों पर कूलर, पानी और मेडिकल की समुचित व्यवस्था होगी : प्रवीण गुप्ता

जयपुर, (का.सं.)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव - 2024 के दौरान राज्य में 25 लोकसभा क्षेत्रों और बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के मतों की गिनती की प्रक्रिया और मतगणना केंद्र की व्यवस्था के बारे में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने मतगणना की तैयारियों के विषय में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

गुप्ता ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए सभी 29 मतगणना केन्द्रों पर कूलिंग की समुचित व्यवस्था और पूरे मतगणना स्थल पर बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि मतगणना कार्मिकों और काउंटिंग एजेंट्स की सुविधा के लिए प्रत्येक मतगणना कक्ष में शीतल पेयजल, मेडिकल किट तथा कूलर की व्यवस्था की जाए। सभी मतगणना केन्द्रों पर मीडिया सेंटर में मीडियाकर्मियों के लिए भी कूलिंग की समुचित व्यवस्था की जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिए कि

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने लोकसभा आम चुनाव के दौरान राज्य में 25 लोकसभा क्षेत्रों और बागीदौरा विधानसभा उपचुनाव के मतों की गिनती की प्रक्रिया और मतगणना केंद्र की व्यवस्था के बारे में शनिवार को जिला निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

अभ्यर्थियों एवं राजनैतिक दलों के ओर से नामित मतगणना एजेंट्स की सूचियां 31 मई शाम 5 बजे तक प्राप्त कर लें। संबंधित रिटर्निंग अधिकारी भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एजेंट्स की योग्यता की जांच कर सूचियों को अंतिम रूप दें। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जिला निर्वाचन अधिकारियों, पुलिस आयुक्त एवं पुलिस अधीक्षकों को मतगणना केंद्र में सुरक्षा मापदंडों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि मतगणना के दिन को

- **मतगणना की तैयारियों को लेकर जिला निर्वाचन अधिकारियों को दिए निर्देश**

पूरे राज्य में ड्राइ डे घोषित किया गया है।

गुप्ता ने कहा कि मतगणना से पहले सभी सीयू, वीवीपैट मशीनों और संबंधित दस्तावेजों को स्ट्रॉन्ग रूम से लेकर काउंटिंग हॉल तक लाने और मतगणना पश्चात वापस स्ट्रॉन्ग रूम तक ले जाने की कार्यवाही की निर्बाध सीसीटीवी कवरेज सुनिश्चित की जाए। इस अवधि की सीसीटीवी कवरेज उम्मीदवार अथवा उनके एजेंट मतगणना हॉल में टीवी/मॉनिटर पर देख सकेंगे। काउंटिंग हॉल में संपूर्ण मतगणना प्रक्रिया की 360 डिग्री सीसीटीवी कैमरा या वीडियोग्राफी से मय दिनांक और समय की मोहर के साथ कवरेज की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में, ईवीएम या मतपत्रों पर प्रदर्शित वास्तविक वोटों की वीडियो रिकॉर्डिंग नहीं की जाए।

खोया पाया

मेरे आवास संख्या 6/269 मालवीय नगर जयपुर के मकान का कब्जा के संबंध में जारी कब्जा पत्र एवं अदेय प्रमाण पत्र कहीं खो गये हैं। यदि किसी को मिले तो निम्न नम्बरों पर सूचित करें। मो.-9829341375

मेरे प्लॉट नं. 58, राधास्वामी नगर, मानसरोवर, जयपुर के समस्त मूल कागजात तथा पट्टा कहीं खो गये है, जो शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड द्वारा आवंटित किया गया है। मिलने पर सूचित करें:- अंकित जैन- 9929587745

I Sunita Singh W/o Shailendra Singh declare that I have lost my original property document allotment cum demand letter of P.No. 381, Rohini Nagar, phase- 1, avas Yojana letter no F-38(381) JDA Zone-11/ Rohini/2005/3779,date 24/04/2006. If found inform me 9783211111

जलदाय विभाग के नि:शुल्क पेयजल टैंकर को 700 से 1200 रुपए में अवैध तरीके से बेच रहे ड्राईवर

जलदाय विभाग ने इन 'अमृत के सौदागरों' की कारगुजारी पकड़ी तो सरकारी टैंकर से पानी बेचने वाले 4 ड्राइवरों के खिलाफ करधनी थाने में एफ.आई.आर. दर्ज कराई

-कार्यालय संवाददाता-

नि:शुल्क पानी के टैंकर बेचने वाले इन ड्राईवर्स के खिलाफ जलदाय विभाग ने एफ.आई.आर. दर्ज करायी।

- **कुछ ड्राईवर इतने शातिर हैं कि अपनी बदमाशी छिपाने के लिए लोगों को निःशुल्क पेयजल बुकिंग पर आधा टैंकर पानी ही पहुंचा रहे, शेष 3 हजार लीटर पानी बाजार में चोरी छिपे बेच रहे हैं।**

जयपुर । जलदाय विभाग भले ही राजधानी जयपुर में लोगों को नि:शुल्क पानी के टैंकर मुहैया करवाता है, लेकिन टैंकर चालक 'अमृत के सौदागर' बनकर मुफ्त के इस पानी को बाजार में चोरीछिपे 700 से 1200 रु. में बेच रहे हैं। जब लोगों ने जलदाय इंजीनियर्स के पास इन ड्राईवर्स के वीडियो और अवैध वसूली के सबूत पेश किए तो अधिकारी जागे। इसके बाद शनिवार को सरकारी टैंकर से पानी बेचने वाले 4 ड्राइवरों के खिलाफ करधनी थाने मे एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अतिरिक्त मुख्य अभियंता जयपुर (द्वितीय) अमिताभ शर्मा ने बताया कि विभाग को नि:शुल्क टैंकर की एवज में पैसे की मांग करने की शिकायत प्राप्त हो रही थी, जिस पर अधीक्षण अभियंता (उत्तर) के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि संबंधित टैंकर ड्राइवर लक्ष्मण, नारायण शर्मा, वीरेंद्र गुर्जर एवं हिम्मत सिंह के विरुद्ध करधनी थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

सूत्रों की मानें तो जलदाय विभाग ने आमजन तक नि:शुल्क पेयजल सप्लाई में पारदर्शिता लाने के लिए भले ही ऑनलाइन बुकिंग और वन टाइम पासवर्ड (ओ.टी.पी.) जैसा सिस्टम लागू कर रखा है, लेकिन यह टैंकर ड्राईवर पूरे सिस्टम को चकमा देकर नि:शुल्क पेयजल को बाजार में अवैध तरीके से बेचकर 700 से 1200 रुपए वसूलने में जुटे हैं।

कुछ ड्राईवर्स इतने शातिर है कि अपनी कारगुजारी छिपाने के लिए पेयजल बुकिंग के बाद लोगों को आधा टैंकर (करीब 3 हजार लीटर पानी) ही पहुंचा रहे हैं, जबकि शेष पानी के आधे टैंकर को अन्य लोगों को बेच रहे हैं। यह पूरा खेल गर्मी के मौसम में पेयजल की त्राहि-त्राहि के बीच खेला जा रहा है।

चूंकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से लेकर मुख्य सचिव डॉ. सुधांश पंत और जलदाय विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने आमजन को भीषण गर्मी के इस मौसम में आमजन को राहत देने के लिए पेयजल सप्लाई सुचारू रखने के निर्देश दे रखे हैं, लेकिन जलदाय विभाग में पनपा हुआ टैंकर माफिया लगातार अवैध वसूली करने में जुटा है।

किराया मांगने पर छात्रों ने ऑटो चालक से मारपीट कर हाथ तोड़ा

आक्रोशित ऑटो चालकों ने रास्ता जाम कर हंगामा किया

राजस्थान यूनिवर्सिटी मोड पर ऑटो रिक्शा चालक के साथ मारपीट करने वाले छात्रों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर अन्य ड्राईवर्स ने भी विरोध-प्रदर्शन किया।

जयपुर । गांधी नगर थाना इलाके में यूनिवर्सिटी मोड के पास शुक्रवार देर रात किराया मांगने की बात को लेकर हॉस्टल के छात्रों ने ऑटो चालक से मारपीट कर उसका हाथ तोड़ दिया। लाठी और डंडों से पीटने के बाद उसे सड़क पर पटक दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को एस.एम.एस. अस्पताल भिजवाया, जहां उसके हाथ में फ्रैक्चर है और मारपीट में हाथ-पैरों में चोट आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि झालाना निवासी हंसराज शर्मा शुक्रवार को गौरव टावर से रात को सवारी लेकर झालाना आ रहा था। यूनिवर्सिटी मोड पर तीन लड़कों के उतरने के बाद उसने पैसे मांगे। इस पर उन्होंने अपने साथियों को बुला लिया और उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उसके ऑटो के कांच तोड़ दिए।

हंसराज ने बताया कि ऑटो रिक्शा के कांच तोड़ने के बाद वह उसे हॉस्टल में ले गए वहां भी छात्रों ने उसके साथ मारपीट की। हंसराज ने बताया कि हाथ टूटने से वह अपने परिवार का गुजारा कैसे चलाएगा। ऑटो चलाकर ही वह अपने परिवार का पेट भरता है।

घटना से गुस्साए ऑटो चालकों ने अपने वाहनों को यूनिवर्सिटी मोड के पास किनारे पर लगा दिया। इन लोगों की मांग थी कि पुलिस मारपीट करने वाले हॉस्टल के छात्रों को गिरफ्तार करे। ऑटो चालक रोहित ने बताया कि 13 मई को जीटी से छात्र बैठे थे। जब उनसे किराया मांगा तो उन्होंने उसके साथ मारपीट कर दी। ऑटो चालक मंजूर ने बताया कि शुक्रवार को हॉस्टल के छात्रों से किराए के पैसे मांगे तो वह गाली गलौच कर बिना किराए दिए हुए चले गए। आए दिन हॉस्टल के छात्र उनके साथ मारपीट करते है।

महिलाओं की चेन लूटने वालों का निकाला जुलूस

जयपुर । पुलिस ने महिलाओं से चेन और पर्स लूटने वाले दो लूटेरों को शनिवार दोपहर गिरफ्तार किया। विद्याधर नगर थाना पुलिस और ने 4 किलोमीटर पीछा कर दोनों बदमाशों को पकड़ा है। इस दौरान पहाड़ियों में गिरने से दोनों बदमाशों के पैर टूट गए। इसके बाद पुलिस ने दोनों लूटेरों को पकड़ लिया। इसके बाद 4 किलोमीटर तक पैदल जुलूस निकाला। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने 12 से ज्यादा लूट की वारदात करना स्वीकार किया है।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पिछले 2 महीने से जयपुर नॉर्थ में लूट की वारदात हो रही थी। इसको लेकर सिटी स्पेशल टीम (सीएसटी) को लगाया गया था। 50 से अधिक फुटेजों को खंगाल कर पुलिस टीम ने चेन-पर्स लूटने वाले कासिम (24) और राजकुमार (25) की पहचान की। शनिवार दोपहर मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर दोनों बदमाशों को रोका। पुलिस को देखकर दोनों बदमाश भाग निकले। पुलिस ने बताया कि पुलिस टीम ने दोनों बदमाशों का पीछा किया। दोनों बदमाश करीब 4 किलोमीटर दूर विद्याधर नगर में पहाड़ियों पर चढ़कर भागने लगे। पहाड़ियों पर गड्ढे में गिरने से दोनों बदमाशों के पैर में चोट आई। चोटिल होने पर दोनों बदमाशों को पकड़ लिया। दोनों बदमाशों के पैर में चोट लगने पर हॉस्पिटल में इलाज करवाया गया है।

मेनारी क्लब में नशा करते 50 युवक-युवतियों को पकड़ा

जयपुर । आदर्श नगर इलाके में होटल रमाडा स्थित मेनारी क्लब में शुक्रवार देर रात तक नशा और पार्टी कर रहे 13 लड़कियों और 37 लड़कों को पुलिस ने छापेमारी कर पकड़ा। इनमें 3 होटल का स्टाफ भी शामिल है। होटल में लेटनाइट पार्टीज को लेकर पुलिस को शिकायत मिल रही थी। रात 2.30 बजे सीएसटी की टीम को पुलिस कमिश्नर ने मौके पर भेज कर तस्दीक करवाई। इसके बाद करीब 15 थानों की पुलिस को मौके पर भेज कर दबिश दी गई।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि शुक्रवार देर रात 11 बजे के बाद सिटी में नाइट क्लब चालू नहीं रखना है। बावजूद इसके देर रात तक होटल में क्लब और शराब पार्टी चलने की सूचना मिली थी। इस पर पहले सिटी स्पेशल टीम (सीएसटी) को मौके पर भेजकर सत्यापन कराया। जानकारी सही पाए जाने पर रात ढाई बजे पुलिस ने होटल में रेड की, जो सुबह साढे 4 बजे तक चली। पुलिस लाइन और प्रोटोकॉल के अधिकारियों को देर रात मौके पर भेज कर सभी को डिटेन कर आदर्श नगर थाने लेकर आए। थाने पर सभी 13 लड़कियों के कोटपा एक्ट (नियम के विरुद्ध सिगरेट, हुक्के का इस्तेमाल करना) में चालान काटे गए। फिर छोड दिया गया। 37 युवकों को अभी भी शांतिभंग में थाने पर रखा हुआ है। आदर्श नगर थाना इलाके में स्थित होटल के मेनारी क्लब के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। होटल में रात 2.30 बजे तक डिस्को चल रहा था। मौके पर टीम गई तो देखा की युवक और युवतियों को शराब परोसी जा रही थी। खुले में खाने-पीने वाली जगह पर बैठ कर हुक्का भी परोसा जा रहा था, जबकि इसके लिए अलग से स्मोक जोन होना चाहिए।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि ऑपरेशन एसीपी प्रोटोकॉल प्रदीप यादव और एडिशनल डीसीपी प्रोटोकॉल रणवीर मीणा के सुपरविजन में किया गया। इस ऑपरेशन में जयपुर सिटी के कुल 15 थानों की पुलिस को मौके पर बुलाया गया। लाइन से भी फोर्स को बुलाया गया था। लोकल थाना आदर्श नगर को इसकी जानकारी नहीं दी गई। कार्रवाई होने के बाद आदर्श नगर थाना पुलिस को जानकारी दी गई। कमिश्नर के आदेशानुसार डिस्को, पब, बार रात 11 बजे तक चल सकते हैं। अगर इस के बाद कोई भी संचालन करता है तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रमाडा के खिलाफ पुलिस को शिकायत मिली थी। इसके बाद कार्रवाई की गई। सीआई आदर्श नगर सुभाष चद्र ने बताया कि रात को 100 से अधिक पुलिसकर्मियों ने होटल में घुसकर 50 युवक और युवतियों को पकडा। 37 युवकों को 151 में गिरफ्तार किया। इनमें तीन वेटर भी शामिल हैं। होटल को चारों तरफ से घेरा गया, फिर करीब 40 पुलिसकर्मियो का जाब्ता अंदर गया। गश्त और नाकेबंदी कर रही 15 थानों की गाडियों को मौके पर बुलाया गया। पुलिस लाइन से एक बस भी बुलाई गई।

आमजन की सक्रिय भागीदारी से रुकेगा भ्रष्टाचार : मेहरडा

जयपुर । भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) के महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने कहा कि आमजन की सक्रिय भागीदारी से ही भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रिश्वत मांगने वालों की शिकायत एसीबी के हैल्पलाइन नंबर 1064 और वाट्सएप नंबर 9413502834 पर की जा सकती है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, भ्रष्टाचार रोकने के लिए जीरो टोलरेंस नीति पर काम कर रहा है। हैल्पलाइन नंबर पर सप्ताह के 7 दिन 24 घंटे शिकायत दर्ज होती है।

डॉ. मेहरड़ा ने राजस्थान के सभी लोगों से अपील की है कि भ्रष्टाचार रोकने के लिए इन दोनों नंबरों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। एसीबी, प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेकर काम करती है और परिवादी की गोपनीयता बनाये रखते हुए तुरंत उचित कार्रवाई की जाती है। आमजन इस हैल्पलाइन पर रिश्वत की मांग, आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग के मामलों की शिकायत कर सकते हैं।

'नौतपा' के बीच जयपुर में कई जगहों पर हुई बूंदाबांदी, गर्मी के साथ उमस भी सताने लगी

मौसम विभाग ने शनिवार को सिरोही, उदयपुर, दौसा और जयपुर में हल्की बारिश की संभावना जताई थी

- **मौसम विभाग की मानें तो 29 मई तक तीव्र हीटवेव का असर रहेगा। शनिवार को फलौदी में तापमान 50 डिग्री पर पहुंचा, वहीं 20 से ज्यादा जिलों में 44 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।**

जयपुर । राजस्थान में 'नौतपा' शुरू हो गया। पहले दिन ही भीषण गर्मी और सूर्यदेव की तीखी किरणों ने लोगों को तपा कर रख दिया। भीषण गर्मी और लू जानलेवा बनी हुई है। वहीं, मौसम विभाग ने शनिवार को सिरोही, उदयपुर, दौसा और जयपुर में तेज हवा के साथ हल्की होने की संभावना जताई है। वहीं जयपुर में दोपहर बाद अचानक मौसम बदला और आसमान में बादल छा गए। शाम चार बजे बाद तेज आंधी चली और शहर के कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हुई। इससे लोगों को भीषण गर्मी से हल्की राहत मिली।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि अगले तीन दिन राज्य के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान में 1-2 डिग्री सेल्सियस बढ़ोतरी होने की संभावना है। राज्य में चल रहे हीटवेव से तीव्र हीटवेव तथा ऊष्णरात्रि का दौर आगामी तीन-चार दिन जारी रहने की प्रबल संभावना है। इसके बाद 29 मई से पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में और 30 मई से पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस गिरावट होने की संभावना है। जून के प्रथम सप्ताह में राज्य के ज्यादातर भागों में अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास दर्ज होने की संभावना है।

बीते 24 घंटे में प्रदेश में लू ने जमकर कोहराम मचाया। फलौदी में दिन में पारा 50 डिग्री के करीब जा पहुंचा। वहीं प्रदेश के अन्य जिलों में भी दिन में धूप की तपन से लोग बेहाल रहे। गर्मी के प्रकोप के चलते सूर्यास्त के बाद भी जयपुर समेत कई जिलों में लोग गर्म हवा के थपेड़ों से बेहाल रहे। दिन में भीषण गर्मी के तीखे तेवरों के चलते सड़कों पर लोगों की आवाजाही कम रहने पर सन्नाटा पसरने लगा है तो दूसरी तरफ गर्मी से राहत दिलाने में कूलर और पंखे भी अब नाकाफी साबित हो गए हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक शनिवार को फलौदी में अधिकतम तापमान 50 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जो सामान्य से 6.9 डिग्री सेल्सियस अधिक था और प्रदेश में फलौदी सबसे गर्म स्थान रहा। प्रदेश में 20 से अधिक स्थानों पर अधिकतम तापमान 44 से लेकर 50 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ। इसी तरह बाड़मेर में अधिकतम तापमान 48.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो सामान्य से 6.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहा जबकि जैसलमेर में अधिकतम तापमान सामान्य से 5.4 डिग्री अधिकता के साथ 48 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा बीकानेर में अधिकतम तापमान 47.2, चुरू में 47, जोधपुर शहर एवं जालोर में 46.9, फतेहपुर में 46.7, कोटा में 46.3, पिलानी में 46.2 एवं वनस्थली में 45.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया जो सामान्य से दो डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को फलौदी में अधिकतम तापमान 49 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मुख्य सचिव के निर्देश के बाद आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 6461 जगह निरीक्षण कर सैनेटरी नैपकिन वितरण व्यवस्था जांची

जयपुर । महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव डॉ. मोहन लाल यादव ने बताया कि शनिवार को प्रदेशभर के आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 6461 जगह औचक निरीक्षण कर उडान योजना के तहत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था की जांच की गई।

मुख्य सचिव सुधांश पंत के निर्देशों पर शनिवार को सभी जिलों के उप निदेशक, सीडीपीओ तथा महिला पर्यवेक्षक व महिला सुपरवाइजर निर्देशित किया गया था कि राज्य के सभी जिलों में 25 मई को 5-5 आंगनबाड़ी केंद्रों का अवलोकन कर सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया जाए। डॉ. मोहनलाल यादव ने बताया कि शनिवार को राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर 6461 औचक निरीक्षण कर उडान योजना के अंतर्गत सैनेटरी नेपकिन वितरण व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया गया।जिसमें समेकित बाल विकास सेवाएं निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक पोषाहार के द्वारा पांच, उपनिदेशक आईईसी के द्वारा पांच, जेपीसी-4 के द्वारा पांच तथा जिलों में कार्यरत उपनिदेशकों के द्वारा 185, सीडीपीओ के द्वारा 692, महिला पर्यावेक्षकों के द्वारा 4693 तथा अन्य के द्वारा 47 आंगनबाडी केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया एवं कुल 5637 आंगनबाड़ी केंद्रों का औचक निरीक्षण भौतिक सत्यापन किया गया है। जिसकी रिपोर्ट शनिवार को ही दे दी गई है। शासन सचिव ने बताया कि इसीप्रकार महिला अधिकारिता निदेशालय की ओर से भी शनिवार को उपनिदेशको एवं सहायक निदेशकों, संरक्षण अधिकारी व सभी महिला सुपरवाईजर द्वारा जिला स्तर पर विभिन्न आंगनबाडी केन्द्रो व अन्य केन्द्रो का औचक निरिक्षण किया गया। जिसमें उपनिदेशको एवं सहायक निदेशकों द्वारा 143, संरक्षण अधिकारी द्वारा 52 व महिला सुपरवाईजर द्वारा 619 तथा कुल 824 केंद्रों का निरीक्षण किया गया। डॉ. मोहन लाल यादव ने बताया कि आज किये गए कुल 6461 औचक निरीक्षण में जहां-जहां अनियमितता की रिपोर्ट प्राप्त हुई है, वहां आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ता, महिला पर्यवेक्षक अथवा अन्य अधिकारियों-कार्मिकों पर कार्रवाई होगी।

स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक का स्थापना दिवस आज

जयपुर । स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक, मिलाप नगर जयपुर 26 मई को अपना 30वां स्थापना दिवस मना रहा है। इस अवसर पर ब्लड बैंक परिसर में 'करेंगे रक्त दान, देंगे जीवन दान' थीम पर वृहद रक्तदान शिविर का आयोजन होगा। शिविर में ब्लड बैंक से जुड़े कार्यकर्ता, मित्र और उनके परिवारजन रक्त दान करेंगे। ब्लड बैंक के मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ. एस एस अग्रवाल ने कहा कि अब हम रक्त की एक यूनिट से इसके तीनों कम्पोनेंट के करीब 20 तरह के प्रोडक्ट बनाते हैं, जिनको मरीज की जरूरत अनुसार दिया जाता है, जिससे रोगी को तुरंत लाभ मिले।

सार-समाचार

पेंट एंड प्ले समर आर्ट वर्कशॉप शुरू

जयपुर । श्याम नगर, श्याम पथ स्थित 'रंग एंड कूंची' में शनिवार से समर आर्ट वर्कशॉप पेंट एंड प्ले की शुरुआत हुई। निदेशक कविता राठौड़ ने बताया कि इस वर्कशॉप का आयोजन दो चरणों में किया जा रहा है। इसमें पाँच-पाँच एक्टिविटी रखी गयी है। पहले चरण का आयोजन 25 से 30 मई तक तथा दूसरा चरण 3 से 8 जून 2024 तक होगा। वर्कशॉप में 6 से 15 साल के आयु वर्ग के बच्चों को क्रिएटिविटी के साथ प्रॉडक्ट्स तैयार करवाये जाएंगे, जो होम डेकॉर में काम आएंगे।

विष्णु टांक को स्वामी विवेकानंद पुरस्कार

जयपुर । मैराथन दौड़ में वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर विष्णु टांक को स्वामी विवेकानंद वर्चुअल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। टांक पिछले 7 वर्षों से कई मैराथन दौड़ में भाग ले चुके है। इनके नाम कई अवॉर्ड और कई पुरस्कार शामिल है। विष्णु टांक कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मैराथन में भाग ले चुके है। जिससे इन्हें कई विश्व रिकॉर्ड धारक का खिताब मिल चूका है। उन्होंने लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स, इंटरनेशनल बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स और वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड जैसे प्रसिद्ध संगठनों से चार रिकॉर्ड धारक खिताब हासिल किए हैं। अब तक 140 हाफ वर्चुअल मैराथन पूरी करके दौड़ने का जुनून जारी है। विष्णु टांक मोटिवेशन स्पीकर के रूप में लोगों को स्वस्थ रहने के लिए जागरूक करते है। सभी को दौड़ने के लिए जागरूक करते हैं। इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए शक्ति फिल्म प्रोडक्शन ने स्वामी विवेकानंद राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 के वर्चुअल आयोजन के लिए विष्णु टाक को ब्रांड एम्बेस्डर नियुक्त किया है। प्रोड्यूसर अंबालिका शास्त्री ने विष्णु टांक को ब्रांड एंबेसडर नियुक्त होने पर बधाई देते हुए सम्मानित किया।

'सनातन से बच्चों को करवा रहे रूबरू'

जयपुर । स्वाध्याय पीठ गुरुकुल द्वारा सनातन संस्कृति के रक्षार्थ ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में "वेद संस्कृत और संस्कृति की रक्षा हो" विषय पर बच्चों को नि:शुल्क 17 मई से 12 जून तक शिक्षित किया जा रहा है। शिविर प्रतिदिन एवर शाइन स्कूल ब्रह्मपुरी में प्रात: 8 से 10 बजे तक चल रहा है। शनिवार को जयपुर हैरिटेज की महापौर मुनीश गुर्जर ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने इस अवसर प़र बच्चों को सनातन धर्म की जानकारी एवं स्वच्छता का संदेश दिया। इस अवसर पर पारीक महिला परिषद ने 5100 रु. गुरुकुल को भेट में दी। कार्यक्रम में स्वाध्याय पीठ गुरु कुल के अध्यक्ष आचार्य पंडित योगेश पारीक ने सभी अभिभावकों का आव्हान किया कि सनातन धर्म की शिक्षा के लिए अपने बच्चों को शिविर में जरूर भेजे, जिससे बच्चों को अपने धर्म की जानकारी मिल सके एवं भावी पीढ़ी देश के नवनिर्माण में सहयोग कर सके।

पूर्व कलेक्टर के साथ धोखाधड़ी

जयपुर । जयपुर के पूर्व जिला कलेक्टर रहे रिटायर्ड आईएएस अंतर सिंह नेहरा ने मानसरोवर थाने में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। 2 युवकों ने नेहरा से मकान किराए पर लेने के लिए बात की और फिर एग्रीमेंट बनवाने के बहाने 55 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। धोखाधड़ी का पता चलने पर नेहरा ने साइबर क्राइम से जुड़ी हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई और उसके आधार पर थाना मानसरोवर में आरोपी परमिंदर सिंह और रचित अग्रवाल नाम के युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है और जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार अंतर सिंह नेहरा ने 24 मई को मामला दर्ज करवाया कि जिस मकान में वो रह रहे हैं, उस मकान का एक एरिया किराया पर देने के लिए उन्होंने अखबार में विज्ञापन दिया था। इसके बाद एक युवक ने फोन किया। उनसे अपना नाम परमिंदर सिंह बताते हुए मकान को किराया पर लेने के फोन पर बातचीत की। उसने एक्सिस बैंक के बड़े अधिकारी रचित अग्रवाल के नाम पर मकान किराया पर लेने की बात कही। इसके बाद किराए का एग्रीमेंट के नाम पर अंतर सिंह नेहरा से 55 हजार रुपए ट्रांसफर करवा लिए। जब राशि ट्रांसफर करने के बाद अंतर नेहरा को धोखाधड़ी का मामला लगा तो उन्होंने साइबर क्राइम से जुड़ी हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई और उसके आधार पर थाना मानसरोवर में आरोपी परमिंदर सिंह व रचित अग्रवाल नाम के युवकों के खिलाफ शिकायत दर्ज की।

युवक पर कार चढ़ाने वाला गिरफ्तार

जयपुर । सांगानेर सदर थाना पुलिस ने मारपीट कर युवक पर कार चढाने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी (साउथ) दिगंत आनंद ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी राजेश यादव (28) धोलीवालों की ढाणी गोविन्दपुरा सांगानेर का रहने वाला है। पुलिस ने उसके कब्जे से मारपीट करने के लिए काम में लिया गया पाइप बरामद कर लिया। आरोपी सरेराह मारपीट कर गुण्डागर्दी में नाम कमाना चाहता है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में मारपीट व चोरी के प्रकरण दर्ज होकर चालान हो चुके है। पुलिस ने बताया कि प्रताप नगर निवासी अमित शर्मा ने रिपोर्ट दी। उसका भाई जय शर्मा 26 अप्रेल को रात 11 बजे अपने ससुर से मिलकर मानसरोवर से घर वाटिका रोड पर आ रहा था। जब वह मीना चौक वाटिका रोड पर पहुंचा तो एक कार सवार व्यक्ति ने उसे हाथ देकर रोका और गाडी से उतरकर उसके साथ लोहे के पाइप से मारपीट कर घायल कर दिया और उसके उपर कार को चढा दिया। लोगों की आवाज सुनकर आरोपी कार लेकर भाग गया। थानाप्रभारी पूनम चौधरी ने बताया कि घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए गए। इसमें एक कार चालक पीड़ित जय शर्मा पर जानलेवा हमला करते हुए कार को चढाकर उसके उपर से कार ले जाता दिखाई दे रहा था। पुलिस ने आरोपी राजेश को गिरफ्तार कर कार बरामद कर ली। इस मामले के खुलासे में कांस्टेबल राजेश चौधरी की अहम भूमिका रही।

सहकार मार्ग पर भिड़े कई वाहन

जयपुर । राजधानी जयपुर के सहकार मार्ग पर करीब दोपहर 2 बजे सड़क हादसा हो गया। हादसा इतना भयानक था कि आपस में कई वाहन भिड़ गए। गनीमत रही कि हादसे के वक्त किसी को चोट नहीं आई। यह हादसा एक कार के अचानक ब्रेक लगाने की वजह से घटित हुआ। हादसे में कई कारें क्षतिग्रस्त हुई। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जा रहा है कि करीब दोपहर 2 बजे बाइस गोदाम से सहकार मार्ग होते हुए कार टोंक रोड की तरफ जा रही थी कि अचानक एक कार चालक ने सहकार मार्ग पर ब्रेक लगा दिया। फिर पीछे से आ रही एक के बाद एक गाडियां आपस में टकरा गई। हादसे में कई कारें क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे की आवाज सुनकर लोगों की भीड लग गई। सहकार मार्ग पर हादसे की शिकार हुई गाड़ियों की वजह से जाम लग गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात बहाल करवाया।

नाहरगढ़ पर सफाई अभियान आज

जयपुर। हैरिटेज निगम प्रशासन रविवार को नाहरगढ़ पर सफाई अभियान चलायेगा। आयुक्त अभिषेक सुराणा के निर्देश पर स्वच्छता प्रहरी जुटेंगे और सुबह 6 से 9 बजे तक सफाई की जायेगी। इस दौरान निगम के सभी अधिकारी भी श्रमदान करेंगे। सफाई अभियान में श्रमदान करने वाले लोगों के लिए हैरिटेज नगर निगम प्रशासन ने बस की सुविधा रखी है। जलमहल से नाहरगढ़ सनराइज प्वाइंट तक आवागमन के लिए बस उपलब्ध रहेंगी।

Blueberry Cheesecake Day

The origins of the *cheesecake* can be traced back as far as Ancient Greece, when the first recipes for this cake were put into writing. In the centuries that followed, the dessert would undergo countless changes until it developed into what we know (and love) it to be today. As different countries embraced this dish, and differing ingredients were more easily available, regional varieties came to be. Different combinations of cheese would often be used, depending on the particular location, but the love of the *cheesecake* 'itself' was certainly universal!

#CAREER TRANSITIONS

You Need New Skills to Make a Career Pivot

You must set aside a significant amount of time for self-directed learning, formal training, or even a second job to gain the skills for the big leap.

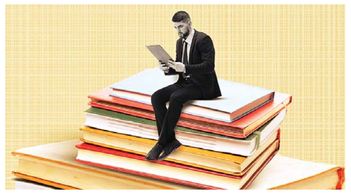

Sometimes, you don't just want a new job, you want a radical career change. Perhaps, you've been in finance and now, want to be an acupuncturist, you're a marketer, eager to lead a start-up, or you're an educator, looking to shift into catering and event planning.

In these situations, it's going to take more than listening to a few webinars to build the knowledge or experience that you need to get for where you want to go. You must set aside a significant amount of time for self-directed learning, formal training, or even a second job to gain the skills for the big leap. This is not easy, but it is possible.

Accept the Time Commitment

At the onset, it's important to recognize that between taking care of your personal life, your main job, and this specific skill-building work, you likely won't have time for much else. For a major career change to work, you need to be willing to cut back in other areas. That may look like limiting optional items like keeping up on your favourite TV shows. At times, you may need to scale back on essential activities. For example, maybe, you can still go for runs, but training for a *marathon* is out of the picture. Perhaps, you can still get an acceptable amount of sleep at night, throughout the week, but sleeping in, on the weekends, is no longer in the cards. Or maybe, you make sure to have quality time with your family everyday, but need to go to class or work on learning, once the kids are in bed.

Pick Your Focus

Before you put in a lot of time, make sure you know where that time counts. If you must do a formal program to legally practice in your new profession, put your extra time into the prerequisite courses and applications and then, once you're accepted, the required coursework. Don't spend lots of time on self-directed learning where you're not getting credit for what you're doing. The opposite is true, if a formal program isn't necessary. You might be significantly delaying your success by going back to school, when you could be taking advantage of other ways to acquire skills and gain experience already at your fingertips.

Layer in Learning

One of the best ways to find time for independent learning is by layering it onto activities that you're already doing throughout your day. For example, if you need to listen to course material, do that while walking or driving to work. If you need to read, do it during a commute, if you take public transportation or use an app on your phone, that will read the text to you, while you're walking.

Designate Time

Finding slices of time, already in your workday, will help you get a lot done. But if you have a great deal of material to get through, or mandated coursework you need to complete, you'll also need to designate time to immerse yourself in the learning. A formal education program can be helpful for this, if they have live class times, when you're expected to show up or attend virtually. This helps to force the issue and make your learning consistent.

LOOKING BACK ON GARM HAWA

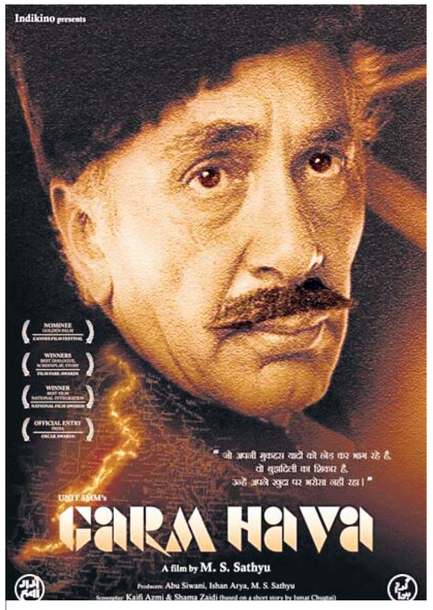

Garm Hawa poster.

Garm Hawa on Partition.

The film's release became a hurdle. The Mumbai office of the *Central Board of Film Certification* rejected the film, citing its potential to stir up communal trouble. Sathyu approached PM Indira Gandhi through his contacts. Indira Gandhi ordered the film to be released without any cuts. But even she could not ensure a smooth theatrical release. "N.N. Sippy took up the film's distribution, but he backed out when we showed the film at a festival ahead of its release," Sathyu says. "I eventually approached a friend in Karnataka, who owned a distribution company and a chain of cinemas, and he released the film first in Bangalore."

#MOVIES

Dr. Shoma A. Chatterji
Film scholar, journalist & author

Fifty years ago, a historic event happened in Indian cinema. M.S. Sathyu's *Garm Hawa* was released. Garm Hawa was the first film to deal with the human consequences, resulting from the 1947 partition of India, after India gained political independence in 1947. This action, ordered by British Lord Mountbatten, split India into religious coalitions, with India remaining 'Hindu' and the new country of Pakistan serving as a refuge for 'Muslims.' Is 'refuge' the right word for Muslims, who did not wish to leave? Would they be accepted, socially and economically, by the original residents of the newly formed 'Pakistan?'

By conservative estimates, anywhere upward of half-a-million lost their lives due to the 'fateful event of 1947,' when someone decided to draw the *Radcliffe line*. Over 70,000 women were raped and about 12 million people fled their homes. Nearly 500,000 deaths must have taken place, a figure that Ian Stevens points out, is equal to the number of casualties sustained by the entire British army during the six years of WW II. Many of these casualties took place as part of a 'mass exodus,' in which Hindus frantically made their way to India and Muslims to Pakistan. It is difficult to tell where entertainment ends and the political element begins and vice versa. Does a director use entertainment to cushion his political statement? Or does a filmmaker make a pretentious attempt to spout something covertly 'political' to add one more dimension to his entertainment factor?

Garm Hawa has remained one of the immortal classics on the 'Partition of India.' And it almost never got made and even after it was made, we might never had had the opportunity of watching it. M.S. Sathyu, who was, by then, known in theatre and film circles for his production design, art direction, submitted a script to the Film Finance Corporation (which later became the National Film Development Corporation). The script, submitted by him to the FFC, was rejected, so, he handed in another one. A story about a Muslim family that chooses to stay back in India after Partition in 1947, but gets uprooted from within, in the process.

Even by the standards of financial budgets of films, made in the 1970s, Garm Hawa was made practically on a shoe-string budget of Rs.10 lakh, of which the erstwhile FFC provided a loan of Rs.2.5 lakhs and Sathyu borrowed Rs.7.5 lakhs from his friends. He persuaded most of his cast and crew to work, promising payment whenever able, and since he had many friends in the Indian People's Theatre Association and the Progressive Writers' Union, everyone came forward to help. Even, cinematographer Ishan Arya, who made his debut with this film, came forward to join in the production with some money that he had earned from his ad films and theatre work. Sathyu managed to borrow a second-hand *Arriflex* camera from his friend, Homi Sethna. The story was jointly written by Kaifi Azmi and Sathyu's wife, but the root of it lay in a short story by the feisty writer, Ismat Chughtai.

M.S. Sathyu.

A scene from *Garm Hawa*.

One distinctive feature of the film is that this is the last film to bring members of IPTA and PWA together, in the making of Garm Hawa, both in front and behind the camera. Young and veteran actors, from the IPTA, came forth to act in the film from Delhi, Bombay and Agra. Farooq Sheikh, who played the younger son of the protagonist, Saleem Mirza, and made his debut with this film, was a young actor with IPTA. A.K. Hangal, who plays Saleem Mirza's friend, was of the IPTA, and so was Shaukat Azmi. Sheikh, who was 24, at the time, was promised a remuneration of Rs. 750, which he was finally paid, in full, 15 years later. Balraj Sahni, who portrayed the protagonist, was also a known Leftist and the only star of the film. He was paid the highest sum, Rs. 5000. Everyone, who mattered, were known to be staunch leftists. So, they believed in the strong *Leftist ideology* of people's faith in their homeland that came first and the belief that no one, of any faith or community, should be forced to leave the country, if one wanted to stay back.

> One distinctive feature of the film is that this is the last film to bring members of IPTA and PWA together, in the making of *Garm Hawa*, both in front and behind the camera. Young and veteran actors, from the IPTA, came forth to act in the film from Delhi, Bombay and Agra. A.K. Hangal was of the IPTA.

Shama Zaidi, Sathyu's wife, a noted screenplay writer of several Shyam Benegal films, based the script on a conversation that she had with *Ismat Chughtai*, the Urdu novelist, who had written extensively on 'Partition.' Chughtai shared with Sathyu and Zaidi accounts of her family members, including an uncle, who worked at a railway station and watched Muslim families gradually leave India, in hopeful search of a better welcome across the border. The couple showed the script to Kaifi Azmi, who wrote the dialogue and added to the screenplay his experience of working with shoe-manufacturing workers in Kanpur.

There is the added element of a love story woven into this political narrative, which adds greater pathos to the story and takes it to its dramatic climax. The filmmaker's imaginative creation of use of light and framing added another dimension to the characters and their struggles. Salim is rendered helpless by the forces of this shift in attitude and in the sensitive and volatile political environment. His own brother leaves for Pakistan with his family.

Mirza stubbornly refuses to cross over to the other side because he considers 'India' to be his home. This decision gradually tears apart his family. A prospective son-in-law migrates to Pakistan, while business suffers because lenders don't want to advance money to Muslim traders, who may up and leave without repaying their debts. His daughter, Amina, decides to marry a suitor, but has her heart broken a second time, when he too migrates. The Mirzas lose the mansion in which they have lived for generations. His dying mother, pining for the old *haveli*, is carried there before it is sold/ demolished, to take a last look. But Salim Mirza is plagued by self-doubt. Should he have left in 1947 itself? Where is home, and what does it mean to be a 'Muslim in India?' The movie's original title was *Wahaan*.

The film's release became a hurdle. The Mumbai office of the *Central Board of Film Certification* rejected the film, citing its potential to stir up communal trouble. Sathyu approached PM Indira Gandhi through his contacts. Indira Gandhi ordered the film to be released without any cuts. But even she could not ensure a smooth theatrical release. "N.N. Sippy took up the film's distribution, but he backed out when we showed the film at a festival ahead of its release," Sathyu says. "I eventually approached a friend in Karnataka, who owned a distribution company and a chain of cinemas, and he released the film first in Bangalore." Only then did other distributors step in to ensure that movie-goers saw for themselves the tragedy of a Muslim family that opts for 'India over Pakistan.' The *Shiv Sena*, rising in power at the time, wished to watch the film and this was followed by other vested political groups too. "We found that we were holding more private screenings for free for different groups than we could expect to earn from the ticket sales of the film," said Sathyu in an interview.

Garm Hawa had an acting cast drawn mainly from the IPTA. The main role of Salim Mirza was portrayed by the great Balraj Sahni. Shaukat Azmi, wife of Kaifi Azmi, played his helpless wife. The very young, Farookh Sheikh, made his film debut as Mirza's obedient son, who fails to get a job after the Partition because he is a Muslim in a country, now divided according to religious identities of the major slice of the population, inhabiting each divided segment of the country, namely, India and Pakistan. Gita Kak portrayed the tragic role of the Mirza's daughter, Amina, who commits suicide, when even her second beau decides to migrate to Pakistan with his family. Jalal Agha portrayed her second lover, who she is betrothed to, but who decides to leave her to go to the newly-born 'Pakistan.' A.K. Hangal had a beautiful cameo as Mirza's Hindu friend. The film was shot entirely on location in Agra and one beautiful romantic sequence was shot within the vistas of the famous *Masjid*, there.

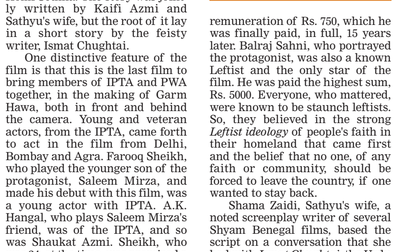

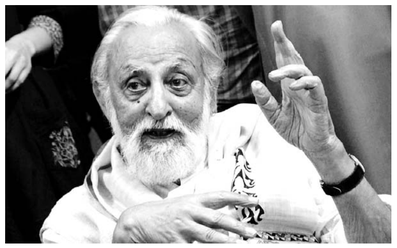

M.S. Sathyu remains the *oldest living filmmaker* in India, who will celebrate his 91st birthday in July, this year.

rajeshsharma1049@gmail.com

Jalal Agha, Gita Siddharth in *Garm Hawa*.

A scene from *Garm Hawa*.

#DISCOVERY ALERT

Mini-Neptune in Double Star System is a Planetary Puzzle

The longer a planet's orbital period, the more likely it is to host a satellite

A planet that could resemble a smaller version of our own *Neptune*, orbits one of two Sun-like stars, that also orbit each other. The planet dwells in the 'habitable zone,' with a potentially moderate temperature, and poses a challenge to prevailing ideas of planet formation.

Key Facts

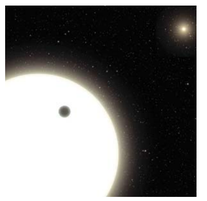

Astronomers once imagined that our solar system, with its middle-aged, quiet Sun hosting small, rocky planets in closer orbits and gas giants farther out, might be typical, even run-of-the-mill. But so far, in an era of increasingly powerful planet-hunting technology, it's turning out to be anything but. Other planetary systems can look very different, if not downright weird (or are we the weird ones?). A system called TOI-4633 seems truly strange, a mysterious type of planet known as a 'mini-Neptune' traces an Earth-like, 272-day orbit around one of two stars locked in their own orbital embrace. But the stellar orbits, and those of the mini-Neptune and a possible sibling planet, are raising questions about how planetary systems form, and whether such arrangements can remain stable over time.

Details

Among the thousands of exoplanets, planets beyond our solar system, confirmed in our galaxy so far, most were detected using the 'transit' method, measuring the tiny dip in starlight as a planet crosses the face of its star. And most of these transit detections involve planets with short orbits, their 'years,' once around the star, lasting a few days or weeks.

So, the detection of planet *TOI-4633 c* was a welcome departure. That isn't only because its 272-day orbit places it in fairly exclusive company, 175 transiting planets found so far with years longer than 100 days, and only 40 over 250 days. The planet, detected using *TESS* (the Transiting Exoplanet Survey Satellite), also orbits in the habitable zone, the distance from a star that could allow liquid water to form on a planetary surface. For planet c, of course, that's almost certainly not the case. It, most likely, has a large, dense atmosphere, perhaps, similar to Neptune's, that would rule out surface water. A moon might be one way around this. The longer a planet's orbital period, the more likely it is to host a satellite. So, it isn't difficult to imagine a potentially habitable moon, a la the fictional Pandora. The brightness of this system could make it a likely target in the continuing search for such 'exomoons.'

The list of puzzling properties for this system continues. Measurements, using a second detection method, revealed a possible sibling planet with a 34-day orbit. This one does not, from Earth's perspective, cross the face of its star, so, its potential presence was revealed by 'radial velocity.' The light, coming from a star, shifts slightly to and fro as the gravity of an orbiting planet tugs it one way, then another. Follow-up investigations will be needed to confirm that the *sibling planet*, suggested by radial velocity measurements, is really there.

Further investigation of this system also could prove important for understanding 'binary star systems,' or pairs of stars that orbit each other. A companion star, in this case, orbits the primary star in just 230 years, allowing them to approach each other closely by interstellar standards. The stars' oval-shaped mutual orbit and close approach, along with a transiting planet on a long orbit around one of the stars, make this a standout system, one that will allow scientists to test their ideas about how planetary systems form and whether such unusual orbital configurations can manage to keep themselves stable, over billions of years.

Fun Facts

Planet TOI-4633 c was discovered by 15 'citizen scientists,' who pored over TESS data as part of the Planet Hunters TESS citizen science project. Some 40,000 such volunteers regularly inspect 'light curves,' lines that trace the amount of light coming from a star and that dip downward during a planet crossing, then, curve back up when the crossing is finished. Scientists, investigating the system, also got an assist from more than a century ago, archival data, that was part of the Washington Double Star Catalog, maintained by the U.S. Naval Observatory, and was gathered between 1905 and 2011.

The Discoverers

An international team, led by astrophysicist Nora L. Eisner of the Flatiron Institute in New York, published the study, "*Planet Hunters TESS. V. A Planetary System Around a Binary Star, Including a Mini-Neptune in the Habitable Zone,*" in *The Astronomical Journal* on April 30, 2024.

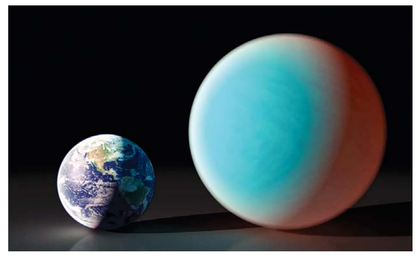

THE WALL

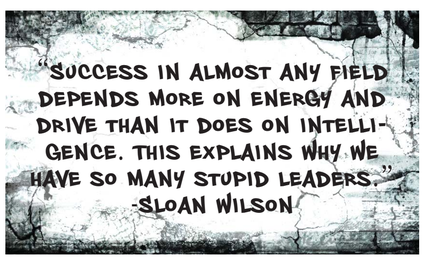

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

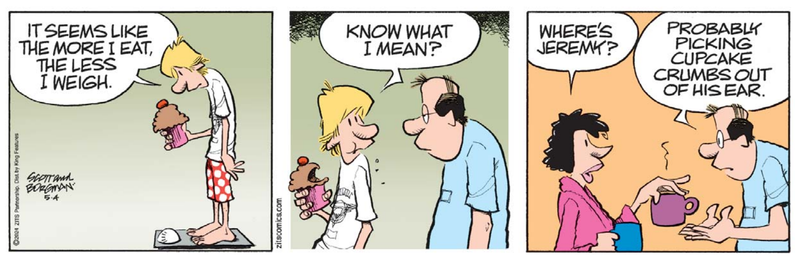

पेट्रोल पंप पर हुई फायरिंग के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया

आरोपी पर एसपी ऑफिस से दस हजार का इनाम घोषित था

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड में पेट्रोल पंप पर लूटपाट के इरादे से की गई फायरिंग के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था। इस मामले में पुलिस दो आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है।

एसपी सुजीत शंकर के निर्देश पर एएसपी राकेश राजोरा और पुलिस उपाधीक्षक अरविंद के सुपरविजन में इन दिनों जिले में अभियान चलाकर वांछित और इनामी बदमाशों की धरपकड़ कर रही है। इसी कड़ी में वजीरपुर थाना प्रभारी विजय सिंह छोंकर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने पेट्रोल पंप पर फायरिंग के लूट के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा निवासी निठार को गिरफ्तार किया है। छोंकर ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिलने पर नाकाबंदी करवाई और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन रूपा नाकेबंदी को तोड़कर भाग गया, लेकिन खेडला मोड़ पर बदमाश को आखिरकार पीछाकर दबोच लिया।

9 अप्रैल को की थी फायरिंग :- गौरतलब है कि 9 अप्रैल को रूपा उर्फ रूपसिंह मीणा निवासी निठार ने अपने साथियों के साथ मिलकर श्रीराम फिलिंग स्टेशन वजीरपुर में फांयरिंग और लूट की वारदात को अंजाम दिया था। फायरिंग में सेल्समैन श्रवण पुत्र अशोक निवासी हाथीपुरा को पेट में गोली लगी। वहीं, दूसरे सेल्समैन कालेखान ने बचाव का प्रयास किया तो उसके सिर पर बंदूक के बट से हमला कर बदमाश मौके से फरार हो गए। गंभीर घायल श्रवण को प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रेफर कर दिया गया। सूचना पर पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर घटना स्थल पर पहुंचे थे और घटना की जानकारी ली थी। घटना की जानकारी लेकर पुलिस अधीक्षक ने एएसपी व पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में कई टीमों का गठन कर आरोपियों की धरपकड़ शुरू की जिसमें दो आरोपी पुलिस पूर्व में ही पकड़ चुकी थी।

पुलिस ने लूट के आरोपी को गिरफ्तार किया।

- **दो आरोपी पहले ही पुलिस गिरफ्त में आ चुके हैं**

वजीरपुर थाना पुलिस ने घटना के 24 घंटे में ही लूट में शामिल रूपा उर्फ रूप सिंह मीणा गैंग के दो सक्रिय बदमाशों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोनू सिह पुत्र विजय सिंह और योगेश पुत्र वीरसिंह, निवासी मोहनपुर, थाना कुडगांव, जिला करौली को गिरफ्तार किया है। जबकि गैंग का मुखिया रूप सिंह उर्फ रूपा मीणा पुलिस की भनक लगने के कारण मौके से फरार हो गया। हालांकि पुलिस ने आरोपी के ठिकानों पर दबिश दी, लेकिन आरोपी पकड़ से बाहर रहा। आखिरकार शनिवार को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नाकेबंदी कर लूट के मुख्य आरोपी रूप सिंह उर्फ रूपा को गिरफ्तार कर लिया।

रोडवेज बस पलटी, दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल

डूंगरपुर रोडवेज की बस उदयपुर से डूंगरपुर आ रही थी, सदर थाना क्षेत्र के निकट हादसा हुआ

डूंगरपुर, (निसं)। सदर थाना क्षेत्र में उदयपुर रोड पर वागदरी गांव के पास एक रोडवेज बस बेकाबू होकर पलट गई। हादसे ने बस में सवार दो दर्जन लोग घायल हो गए। डूंगरपुर रोडवेज की बस उदयपुर से डूंगरपुर आ रही थी। हादसे के बाद मौके पर हाहाकार मच गया। घायलों को एंबुलेंस के जरिए डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए और भर्ती कर इलाज शुरू किया।

डूंगरपुर रोडवेज की एक बस शनिवार शाम के समय उदयपुर से डूंगरपुर को तरफ आ रही थी। इसी दौरान वागदरी के पास बस बेकाबू होकर पलट गई। घटना के समय बस सवारियों से खचाखच भरी हुई थी। बस पलटने से बैठी सवारियों को हाथ, पैर, सिर ओर शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई। मौके पर चीख पुकार मच गई। रोड से गुजर रहे लोगों ने रोककर बस से घायलों को बाहर निकाला।

इसके बाद एंबुलेंस से डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। यहां मेडिकल कॉलेज अस्पताल के अधीक्षक डॉ. महेंद्र डामोर के साथ डॉक्टरों की टीम ने घायलों को जांच के बाद भर्ती कर इलाज शुरू कर दिया है। वहीं सूचना पर एडीएम नीरज मिश्र और डिप्टी राजकुमार राजौरा जिला अस्पताल पहुंचे और कुशलकेम पूछी।

डूंगरपुर के सदर थाना क्षेत्र में वागदरी गांव के पास रोडवेज बस बेकाबू होकर पलट गई।

शराब ठेके पर रूपए मांगने पर हिस्ट्रीशीटर ने फायर किया

हिस्ट्रीशीटर के ठिकानों पर दबिश दे रही है पुलिस

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी के बबाई में शराब ठेके पर रात को हिस्ट्रीशीटर द्वारा देशी कट्टे से फायर करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए हिस्ट्रीशीटर के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

एसपी प्रवीण कुमार नायक ने बताया कि देर रात को ढाणी बैचावाली तन प्रतापपुरा निवासी हिस्ट्रीशीटर भैरू उर्फ भैरिया पुत्र कैलाश चंद अपने साथियों के साथ बबाई बाइपास पर बने शराब ठेके पर पहुंचा। इस दौरान उसने सैल्स मेन से शराब मांगी। जब सैल्समेन ने रूपए देने के लिए कहा तो उसने देशी कट्टा निकाल कर हवाई फायर कर दिया। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस दौरान बबाई थानाधिकारी सरदारमल यादव मय जाब्ते के मौके पर पहुंचे तथा घटना के बारे में जानकारी जुटाई। इस दौरान फायरिंग की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी प्रवीण कुमार नायक ने बबाई थानाधिकारी सरदारमल यादव व डीएसटी प्रभारी सरदार मल चौधरी के नेतृत्व में टीम गठित कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि अभी वारदात में शामिल दो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे गहनता से पूछताछ की जा रही है। वारदात में शामिल अन्य आरोपियों की धरपकड़ को लेकर उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है तथा उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर वारदात का खुलासा किया जाएगा। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देशी कट्टा भी बरामद करने की बात सामने आई है। आरोपी भैरू उर्फ भैरिया बबाई थाने का हिस्ट्रीशीटर है। जिसके खिलाफ खेतड़ी, बबाई, खेतड़ी नगर सहित अन्य थानो में मारपीट, आर्म्स एक्ट, जानलेवा हमला करने सहित करीब 30 मामले दर्ज है। घटना के बाद डीएसपी जुल्फीकार अली ने भी बबाई थाने में पंहुच कर घटना के बारे में जानकारी जुटाई। थानाधिकारी सरदारमल यादव ने बताया कि मामले की गंभीरता से देखते हुए एफएसएल की टीम को भी मौके पर बुलाया गया है।

- **गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे**

न्यायालय के फैसले के बावजूद नगर परिषद नहीं हटा रही अतिक्रमण

नगर परिषद अपना रही टालमटोल रवैया, कोर्ट के आदेश के बावजूद गठित की जांच कमेटी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना के दशहरा मेला मैदान के पास सरकारी भूमि पर कब्जा कर बनाई गई छह दुकानों के बहुचर्चित मामले में नगर परिषद कार्रवाई करने की बजाय टालमटोल रवैया अपना रही है।

नगर परिषद ने इस मामले की जांच के लिए एक कमेटी का गठन किया है, जो इन दुकानों के स्वामित्व और कोर्ट के फैसले की समीक्षा करेगी। नगर परिषद द्वारा इस कमेटी गठन के बाद अब नगर परिषद की मंशा पर ही सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि जब सिविल कोर्ट स्पष्ट रूप से नगर परिषद के पक्ष में फैसला दे चुका है और अतिक्रमियों की याचिका को खारिज कर चुका है। नगर परिषद के तत्कालीन आयुक्त स्वयं कोर्ट में अपने बयान में दुकानों की इस भूमि को नगर परिषद की भूमि बता चुके हैं। इसके बावजूद अब नगर परिषद द्वारा इस मामले की जांच के लिए कमेटी का गठन किया जाना कोर्ट के फैसले पर ही सवाल खड़े करता है।

जानकारों की माने तो जब कोर्ट इस प्रकरण में स्पष्ट रूप से अपना फैसला दे चुका है, तो फिर दुकानों के स्वामित्व और कोर्ट के फैसले की समीक्षा के नाम पर कमेटी गठन का क्या औचित्य है। जानकार मानते हैं कि नगर परिषद ऐसा करके स्वयं को कोर्ट के ऊपर समझने लगी है और उसके अधिकारियों की भूमिका पर संदेह होने लगा है, क्योंकि कोर्ट का फैसला हुए नौ महीने बीत चुके हैं, लेकिन अब तक नगर परिषद ने दुकानों को अतिक्रमण मुक्त करने की कोई कार्रवाई नहीं की, ना ही अतिक्रमियों को नोटिस दिया। उल्टे अब कोर्ट के फैसले की समीक्षा के नाम पर निर्णय पर ही सवाल उठा रही है, जो सीधे तौर पर न्यायालय की अवमानना के तौर पर भी समझा जा सकता है।

कोर्ट के निर्णय के बाद यह उम्मीद जताई जा रही थी कि नगर परिषद इस भूमि को अतिक्रमण मुक्त करेगी और इन दुकानों पर बुलडोजर चलाएगी। मगर चुनाव और आचार संहिता के कारण नगर परिषद ने तब कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में अब नगर परिषद पर दुकानों के मालिकों के साथ मिलीभगत के आरोप लगने लगे, लेकिन जब मीडिया ने मामले को उठाया और सभापति और आयुक्त से जानकारी लेनी चाही, तो उन्होंने मामले में चुप्पी साध ली है। स्थिति यह है कि आयुक्त तो पत्रकारों के बात करना भी मुनासिब नहीं समझते।

यह था मामला :- राठी कॉम्पलेक्स के पीछे, दशहरा मेला मैदान के पास कुछ सालों पूर्व अवैध रूप से दुकानों का निर्माण कर लिया गया था। इस पर 15 नवंबर 2017 को नगर पालिका ने एक आम सूचना जारी करते हुए इन दुकानों को सरकारी भूमि पर अतिक्रमण माना था। साथ ही कार्रवाई करने की चेतावनी दी थी। बाद में यह मामला न्यायालय में चला गया। कोर्ट में नगर परिषद ने बताया कि उक्त भूमि नगर परिषद के अधीन रही है। यह जमीन कभी भी किसी की भी निजी संपत्ति नहीं रही, ना ही कभी नगर परिषद ने इस जमीन की सेलडीड जारी की और ना ही नामांतरण किया है। नगर परिषद ने इस भूमि को सार्वजनिक रास्ता बताते हुए यहां दुकानों के निर्माण को अवैध रूप से कब्जा बताया था।

इस मामले को लेकर दुकानों के निर्माणकर्ता भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार का कोई प्रमाणित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए। उन्हें इस भूमि पर हक अधिकार और स्वामित्व किस प्रकार प्राप्त हुआ? यह साबित करने में भी असफल रहे।

कोर्ट में तत्कालीन नगर परिषद के आयुक्त रोहित कुमार ने भी यह स्वीकार किया कि यह भूमि नगर परिषद की है। इस पर न्यायालय ने 28 अगस्त 2023 को नगर परिषद के पक्ष में फैसला सुनाते अतिक्रमियों की याचिका को खारिज कर दिया और उक्त दुकानों की भूमि को नगर परिषद की ही भूमि माना है।

कम वोल्टेज से परेशान लोगों ने एईएन ऑफिस का घेराव किया

बीकानेर, (निसं)। सर्वोदय बस्ती से सैकड़ों की संख्या में पुरुष और महिलाओं ने मुक्ता प्रसाद स्थित एईएन ऑफिस का घेराव किया, क्योंकि बार-बार शिकायत करने के बावजूद वोल्टेज की समस्या का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। सर्वोदय बस्ती में मीरा दातार दरगाह के आसपास पंडित जी पेट्रोल पंप के सामने वाली गली तथा हरे चारे की टाल के पीछे के एरिया में कई स्थानों पर हमेशा वोल्टेज काम आता है। जिसके कारण कूलर और पंखे नहीं चल पाते हैं।

पिछले 1 महीने से भयंकर गर्मी होने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं किया गया है। बिजली कंपनी के अधिकारियों को बार-बार सूचित करने के बावजूद भी कोई असर नहीं हुआ तो मोहल्लेवासी इकट्ठा होकर पार्षद लक्ष्मी देवी के पास पहुंचे। पार्षद प्रतिनिधि ने कंपनी के अधिकारियों से बात की तथा इसे दुरुस्त करने के लिए 3 दिन का समय दिया। तीन दिन बीत जाने के बाद कंपनी का इंजीनियर मौके पर जाकर मौहल्ले वालों से जमीन की डिमांड करता है। कहता है कि आप जमीन उपलब्ध कराओ हम ट्रांसफार्मर लगा देंगे, अगर आप जमीन उपलब्ध नहीं करवाओगे तो इसी तरीके से परेशान होते रहोगे, हमारे पास कोई उपाय नहीं है। इस बात से आक्रोशित होकर आज सभी मोहल्ले वासियों ने ऑफिस का घेराव किया। प्रदर्शन करने वालों में सुभाष स्वामी के साथ महफूज अली ,देवी लाल, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद उस्मान, खेमाराम मेघवाल, चांदनी, गुलशन, पार्वती सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

युवक की सूखे नाले में लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी में एक कच्ची झोपड़ी के पास युवक की सूखे नाले में लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। एएसआई साबिर मोहम्मद ने बताया कि थाना क्षेत्र की पटेल नगर कॉलोनी के निकट नाले में एक युवक की लाश मिलने की सूचना पर जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे तो सूखे हुए नाले में एक युवक जिसकी पहचान भैरू (22) पिता विजय बंजारा के रूप में हुई। प्रारंभिक जांच में पता चला कि मृतक युवक शराब पीने का आदि था और आशंका जताई जा रही है कि अत्यधिक शराब के सेवन के कारण उसकी मौत हुई है। फिलहाल पुलिस ने मृतक के शव को एमजी हॉस्पिटल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा कर परिजनों को सूचना दी है।

झूलते हुए तारों को सही करने के दौरान बड़ा हादसा टला

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा शहर के पोश इलाके काशीपुरी क्षेत्र के माधव उद्यान में शनिवार को भयंकर हादसा हुआ। पार्क में झूलते हुए तारों को सही करने के दौरान 11000 वोल्ट की लाइन से शॉर्ट सर्किट से मौत के शिकार होते-होते बच गया।

राजस्थान जन मंच के अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि काशीपुरी क्षेत्र के माधव उद्यान में पार्क के अंदर बिजली के झूलते हुए लटकते हुए तारों को सही करने के दौरान लोहे का खंबा 11000 लाइन पर जा गिरा, जिससे धमाके के साथ लाइन ठीक कर रहे रोहित जोशी भयंकर बिजली करंट का शिकार हो गया और बिजली करंट के कारण अचेत हो गया। वहीं पार्क में प्रात: भ्रमण के दौरान घूम रहे काशीपुरीवासियों मे हड़कंप मच गया। तुरंत रोहित जोशी को महात्मा गांधी अस्पताल में इमरजेंसी वार्ड में भर्ती कराया गया। सही समय पर इलाज मिलने के कारण मौत के शिकार होने से बच गया, अब वह सुरक्षित है।

राजस्थान जन मंच अध्यक्ष कैलाश सोनी ने बताया कि इसकी सूचना तुरंत नगर परिषद सभापति राकेश पाठक को दी। उसी समय राकेश पाठक और नगर परिषद अधिशाषी अभियंता सूर्य प्रकाश संचेती घटनास्थल पर आए और तुरंत बिजली निगम के अधिकारियों को फोन कर बिजली के तारों को सही कराया। पार्क में हो रही विभिन्न समस्याओं को तुरंत सही करने के निर्देश नगर परिषद के अधिकारियों को देकर मौके पर कर्मचारियों को बुलाया।

पानी नहीं मिलने पर प्रदर्शन

भीलवाड़ा, (निसं)। हताड़ गांव में चंबल का पानी नहीं मिलने पर महिलाओं ने प्रदर्शन किया। आसींद के हताड़ गांव में महिलाओं ने बताया कि लगभग 150 परिवार गांव में निवास करते हैं लेकिन 20 मकान को छोड़कर बाकी किसी के भी घर में 5 महीने हो गए कनेक्शन हुए लेकिन चंबल का पानी नहीं पहुंचा है। वहीं महिलाओं ने बताया कि यहां से 6 से 7 किलोमीटर दूर से पानी लेकर आते हैं। निजी टैंकर मंगवाकर घरों में पानी डलवाते हैं। पशुओं के लिए टाका बना रखी है लेकिन टाका में ग्रामीण पैसा एकत्रित कर कर पशुओं के लिए पानी डलवाते हैं। वहीं रोजाना 1000 रूपए प्रति पानी के टैंकर गांव में आते है। महिलाओं ने बताया कि अनेक बार चंबल विभाग एवं प्रशासन को अवगत करा चुके हैं।

दुकानदार की नृशंस हत्या मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

संगरिया, (निसं)। गांव किशनपुरा उत्तराधा में वृद्ध दुकानदार की नृशंस हत्या मामले में नामजद दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर पुलिस रिमांड पर लिया है। थानाधिकारी धर्मपालसिंह ने बताया कि शक के आधार पर राउंडअप किए युवकों में से वार्ड एक गांव किशनपुरा उतराधा युवक सोनू (21) पुत्र जगदीश उर्फ जग्गा बावरी तथा इन्द्राज उर्फ गगन (21) पुत्र हंसराज मेघवाल को हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। जिनसे गहन पूछताछ जारी है।

थाना प्रभारी ने बताया कि गुरुवार सुबह हत्याकांड की जानकारी मिलते ही पुलिस जाबता लेकर मौके पर पहुंचे। डीवाईएसपी करणसिंह और एडिशनल एसपी प्यारेलाल घटनास्थल पर आए, वस्तुस्थिति जानी। पूछताछ व फोटोग्राफी करवाने के साथ हनुमानगढ़ से एमओबी व मोबाईल फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए।

श्रीगंगानगर डॉग स्क्वॉयड दल से श्वान जानू ने मृतक और आरोपियों के पैरों के निशान सूंघकर पुलिस दल को हत्यारों के घर तक पहुंचाया। मुखबिर तंत्र सक्रिय कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने इन्द्रप्रकाश के सिर व मुंह पर कुल्हाड़ी तथा सब्बल से ताबड़तोड़ वार किए। जिससे चेहरा पहचानना मुश्किल हो गया। पूछताछ में सामने आया कि कुछ दिन पूर्व मृतक दुकानदार के पास नशे में धुत्त आरोपी सामान लेने दुकान पर आए थे। तब दुकानदार ने उन्हें ऐसी हालात में दुकान पर आने से मना किया था।

मां के दोस्त ने ही कर दी मासूम बेटे की हत्या

कोटा, (निसं)। शहर के विज्ञान नगर थाना इलाके में ढाई साल के मासूम बालक की हत्या उसकी मां के ही दोस्त ने कर दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। यह प्रकरण घटना के एक माह बाद उस समय सामने आया जब आरोपी ने बालक की मां को उसकी हत्या करते हुए का वीडियो भेजा। इसके बाद महिला ने इस प्रकरण में कार्रवाई शुरू की। इससे पहले बालक की मौत एक्सीडेंट में होना माना जा रहा था। पुलिस ने दफनाए गए स्थान से बालक के शव को बाहर निकालकर उसका पोस्टमार्टम करवाया। अब पुलिस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है।

पुलिस उप अधीक्षक (एसटी एससी सेल कोटा शहर) हरिराम सोनी ने बताया कि खुशबू मेहरा नाम की एक महिला ने अपने ढाई वर्षीय बेटे अंश मेहरा की हत्या का प्रकरण दर्ज करवाया है। इस मामले में आरोपी 32 वर्षीय राहुल पारीक को गिरफ्तार किया गया है। राहुल महिला खुशबू का दोस्त बताया जा रहा है। उप अधीक्षक सोनी ने बताया कि यह घटनाक्रम 15 अप्रैल को हुआ था। महिला ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि वह अपने परिवार के साथ अस्पताल में बालक को दिखाने गई थी। अस्पताल के बाहर से ही उसका दोस्त राहुल पारीक बच्चे को लेकर अपनी दुकान पर चला गया। थोड़ी देर बाद उसने खुशबू को फोन किया कि बच्चे का एक्सीडेंट हो गया। उसे जेके लोन अस्पताल में भर्ती कराया है। इस पर महिला खुशबू अपने परिवार के साथ अस्पताल पहुंची और राहुल की बातों में आकर बच्चे की एक्सीडेंट में ही मौत मानकर उसे ले गए। बच्चे की लाश को रात भर घर पर रखा और अगले दिन सुबह 16 अप्रैल को दफना दिया था। उसका पोस्टमार्टम नहीं करवाया था। क्योंकि राहुल ने बताया था कि एक्सीडेंट बच्चे का हो गया था।

महिला की रिपोर्ट के अनुसार राहुल ने घटना के 12 दिन के बाद मृत बालक के कुछ वीडियो और स्क्रीनशॉट उसे भेजे। उसमें आरोपी राहुल पारीक ढाई वर्षीय बालक अंश का गला दबाते हुए नजर आ रहा था। साथ ही पीट भी रहा था। घटना के अनुसार आरोपी ने बालक का गला दबाया और उसे जोर से जमीन पर दे मारा जिससे उसकी मौत हो गई। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने बालक के शव को श्मशान से निकाल लिया है। इस दौरान एसडीएम लाडपुरा मनीषा तिवारी, मेडिकल कॉलेज में फॉरेंसिक मेडिसिन के एचओडी डॉ. अशोक मूंदड़ा भी मौके पर मौजूद रहे। बच्चे के नमूने एफएसएल भेजे जाएंगे। पुलिस उपाधीक्षक सोनी ने बताया कि मृतक बालक की आरोपी राहुल से क्या दुश्मनी हो सकती है। यह समझ से परे हैं। अभी तक कोई विवाद भी सामने नहीं आया है। बच्चे को मारने का कोई कारण सामने नहीं आया है। ऐसे में अब इस बात की जांच की जाएगी कि बच्चे की मां और आरोपी राहुल के बीच संबंध कैसे थे।

आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द राहत मिलेगी

जलकुम्भी पर नियंत्रण के परिणाम सामने आने लगे, 16 प्रतिशत क्षेत्र में जलकुम्भी बची है

अजमेर, (कासं)। आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द ही राहत मिलने वाली है। प्रशासन द्वारा सम्मिलित रूप से किए गए प्रयासों के परिणाम अब नजर आने लगे हैं। अब जलकुम्भी के मात्र 16 प्रतिशत क्षेत्र तक सीमित होने से आनासागर खुलकर सांस लेने लगा है।

जिला कलेक्टर डॉ. भारती दीक्षित ने बताया कि आनासागर झील से जलकुंभी निकालने का अभियान गत 20 मार्च से अनवरत चल रहा है। इससे लगभग 11 हजार 250 डंपर जलकुंभी का झील से बाहर निकासी की गई है। वर्तमान समय में इस अभियान के अन्तर्गत रीजनल कॉलेज चौपाटी एसटीपी के पीछे तीन पोकलेन एवं होटल लेक हेवन के पीछे डिवीडिंग मशीन कार्यरत है। उन्होंने बताया कि नगर निगम आयुक्त देशल दान के निर्देशन में लगातार कार्य किया गया। नगर निगम की पूरी टीम ने समर्पित भाव से कार्य किया। इसके परिणाम स्वरूप वर्तमान में जलकुम्भी का क्षेत्राफल बहुत कम हो गया है। इसको अन्य स्थानों पर फैलने से रोकने के लिए कोटा से विशेष प्रकार का 2800 फीट लम्बा जाल मंगवाकर एसटीपी के पीछे से रीजनल कॉलेज चैपाटी तक जलकुम्भी को लॉकिंग किया गया है। इससे हवा के दवाब के कारण जलकुम्भी का फैलाव स्थिर रहेगा। हवा के झोंकों से जलकुम्भी अन्यत्रा छितरी हुई अवस्था में कम से कम होगी।

आनासागर झील को जलकुम्भी से जल्द ही राहत मिलने वाली है।

उन्होंने बताया कि झील में ऑक्सीजन स्तर बढ़ाने के लिए जगह-जगह एरिएटर एवं फव्वारे स्थापित किए जा रहे हैं। इन एरिएटर तथा फव्वारों से वायुमण्डलीय ऑक्सीजन जल में घुलनशील होकर ऑक्सीजन का स्तर बढ़ाएगी। यह जलीय जन्तुओं के लिए प्राणदायक होगी। घुलनशील ऑक्सीजन का स्तर बढ़ने से पानी से आने वाली दुर्गन्ध से भी राहत मिलेगी। गर्मी के मौसम में तेज धूप के कारण जलीय शैवालों की कॉलोनी तेजी से बढ़कर जल को दुर्गन्धित कर सकती है। अब ऐसा नहीं होने से चैपाटी का आनन्द लिया जा सकेगा।

उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा गठित नगर निगम की विशेष टास्क फोर्स टीम द्वारा भीषण गर्मी में भी दिन-रात किए गए अथक प्रयासों के कारण झील का अधिकांश भाग जलकुम्भी मुक्त हो गया है। सागर विहार कॉलोनी, झीमॉल के पीछे, पुरानी चैपाटी, रामप्रसाद घाट तथा लव कुश उद्यान ट्राम्बे के आसपास से टापू के आगे लगभग पूर्ण रूप से साफ है। झील का कुल क्षेत्राफल 776 एकड़ (3.14 वर्ग किलोमीटर) है। इसमें से मात्रा 0.53 वर्ग किलोमीटर में ही जलकुम्भी बची है। यह सम्पूर्ण झील का मात्र 16.87 प्रतिशत है।

उन्होंने बताया कि झील में जलकुंभी का फैलाव वर्तमान में रीजनल कॉलेज चौपाटी के आसपास तक सीमित हो गया है। इसे शीघ्र ही नियंत्राण में लेकर बाहर निकालने की कार्रवाई की जा रही है। इस कार्य की ड्रोन फोटोग्राफी करवाई जा रही है। सीसीटीवी कैमरे से भी मॉनिटरिंग की जा रही है। आगामी दिनों में राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट नागपुर एवं राष्ट्रीय बॉटेनिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट लखनऊ की टीम झील से जलकुंभी के नियंत्रण एवं स्थाई समाधान के लिए अजमेर आ रही है। यह टीम निरीक्षण के पश्चात विस्तृत कार्य योजना तैयार कर रिपोर्ट तैयार करेगी।

नौतपा शुरु, फलोदी में 50, बीकानेर में 48, पाली में 47 डिग्री पहुंचा पारा

भीषण गर्मी ने आम आदमी को झकझोरा, पशु-पक्षी बेहाल, अस्पतालों में मरीज बढ़े

जोधपुर/बीकानेर, (कासं)। प्रदेश सहित पूरा मारवाड़ भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले दस दिनों से लगातार पारा चढ़ता जा रहा है। पांच दिनों से पारा 45 डिग्री से पार चल रहा है। शुक्रवार को पारा 47.6 डिग्री को पार कर गया। इधर शनिवार से नौतपा लगने से नौ दिन तक सूर्यदेव और रौद्र रूप दिखा सकते हैं। वहीं बीकानेर में शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया, जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। फलोदी रहा सबसे गर्म स्थल

वहीं फलोदी शहर देश का सबसे गर्म शहर रहा। फलोदी में शानिवार को तापमान 50 डिग्री दर्ज किया गया। गर्मी के मौसम में इस बार आग बरसाती तेज गर्मी व तपीश ने सारे रिकॉर्ड तोड दिये। शानिवार को प्रदेश में फलोदी शहर मे गर्मी का प्रकोप तेज देखा गया। तेज गर्मी के चलते दिनभर गर्म हवा के साथ लू की लपेटे चलती रही। जिससे सडकें सुनी नजर आई। फलोदी में सर्वाधिक 50 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

■ शनिवार को सूर्यदेव का चंद्र के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश होने के साथ नौतपा शुरु

जोधपुर में भीषण गर्मी ने आम आदमी के साथ पशु-पक्षियों को झकझोर कर रख दिया है। दिन तो दिन रात में भी चैन नसीब नहीं हो रहा है। शनिवार को सूर्यदेव का चंद्र के नक्षत्र रोहिणी में प्रवेश होने के साथ नौ तपा लग गया है। ऐसे में अब सूर्य की किरणें सीधी तौर पर धरती से टकराएगी। जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ने के प्रबल आसार बने हैं। मौमस विभाग ने आगामी चार पांच-दिनों तक गर्मी के तेवर इसी तरह बने रहने की चेतावनी जाहिर की है।

भीषण गर्मी के बीच हीट स्ट्रोक के मरीज भी बढ़ गए हैं। अस्पतालों में हीट स्ट्रोक से प्रभावित काफी लोग रोजाना पहुंच रहे हैं। मुख्य चिकित्सालयों में हालांकि गर्मी से निपटने के जतन युद्ध स्तर पर है मगर वे भी बेपटरी साबित हो रहे हैं। अस्पतालों में पंखे कूलर तक खराब होने से मरीजों को बेजा समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

भीषण गर्मी को देखते हुए संभागीय आयुक्त बीएल मेहरा ने बताया कि जोधपुर, फलोदी, जैसलमेर बालोतरा में पारा 48 पार चल रहा है। फलोदी में पारा 50 डिग्री हो गया है। जैसलमेर-बाड़मेर में भी 48 हो रखा है। संभाग के जिला अस्पतालों में सारी सुविधाएं कर रखी है। दवाइयों की भी व्यवस्था कर रखी है। संभागीय आयुक्त ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में छाया पानी की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत के माध्यम से पानी छाया की व्यवस्था की गई है। बालोतरा के नाहटा अस्पताल में भी दस बेड की व्यवस्था की गई है। सुबह के समय में काम करने वाले श्रमिक साढ़े दस बजे तक काम खत्म कर जा सकते हैं। उनके द्वारा जिला अस्पतालों का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची गई है।

इधर भीषण गर्मी को देखते हुए रेलवे अस्पताल अलर्ट मोड पर है। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि भीषण गर्मी के साथ लू की आशंका के मद्देनजर रेलवे अस्पताल में रेलकर्मचारियों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए विशेष बंदोबस्त किए गए हैं। तापमापी के निरंतर चढ़ते पारे को देखते हुए रेलवे अस्पताल में गर्मी अथवा हीटवेव के आने वाले रोगियों लिए विभिन्न एसी वार्डों में कुल 16 बेड रिजर्व रखने, ऐसे रोगियों के उपचार में काम आने वाली आवश्यक दवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ आवश्यक जांच उपकरणों की क्रियाशीलता व आपातकालीन सेवाओं को भी अलर्ट मोड पर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

पाली में पारा बढ़ने से लोग बेहाल

पाली, (नि.सं.)। जेठ माह के चलते गर्मी के तेवर और तीखे हो रहे हैं। सुबह नौ बजे ही सूर्य देव प्रचंड रूप ले लेते हैं।

मौसम विभाग के अनुसार नौतपा शुरू हो रहा है, जिसमें 47 डिग्री से 50 डिग्री तक पारा चढ़ेगा। ऐसे में घर से बाहर नहीं निकले मुंह और सिर पर गिला कपड़ा बांधकर के रखें। तापक्रम 45 से 47 डिग्री पहुंच गया। नौतपा के चलते 9 दिन तक भयंकर गर्मी पड़ेगी। ऐसे में शहरवासी अपना शरीर का मुंह डक बाहर निकल रहे हैं, पानी का ज्यादा उपयोग करें। शीतल पर मिल्क रोज, आमरस, लस्सी पी कर प्यास बुझा रहे हैं। ऐसे में बार-बार बिजली की कटौती भारी पड़ रही है। अभी गर्मी से छुटकारा मिलने वाला नहीं है चिकित्सकों के अनुसार बिना कार्य धूप में नहीं निकले।

बीकानेर में तापमान बढ़ने से गर्मी के तेवर तीखे रहे

नगर निगम ने गर्मी को देखते हुए दोपहर में सड़कों पर पानी का छिड़काव किया

बीकानेर, (निसं)। बीकानेर में शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया, जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान में तो एक डिग्री सेल्सियस की कमी आई थी, लेकिन न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हो गई।

कई दिनों से चल रही लू एवं तेज धूप का असर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भीषण तपिश से जनजीवन प्रभावित हो रहा है। हालांकि, नगर निगम गर्मी को देखते हुए दोपहर के समय सड़कों पर पानी का छिड़काव करवा रहा है, लेकिन यह कारगर साबित नहीं हो पा रहा है। शुक्रवार को भी मौसम में कोई खास बदलाव नहीं हुआ। हमेशा की तरह दिन निकलने के साथ ही गर्मी के तेवर तीखे रहे। सूर्य अंगारे बरसाता नजर आया। नतीजे में लू भी पीछे नहीं रही और प्रचंड वेग से जनजीवन को प्रभावित किया। हालांकि गुरुवार के मुकाबले शुक्रवार को अधिकतम तापमान में मामूली गिरावट दर्ज की गई, लेकिन तेज धूप एवं लू के सामने इसका कोई असर नजर नहीं आया।

मौसम विभाग के अनुमान के अनुसार 25 मई से नौतपा भी अपने रौद्र रूप में सामने आया। इस दौरान तापमान 47 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रह सकता है। अब तक अधिकतम तापमान 46 डिग्री पार कर चुका है। तेज गर्मी की वजह से बिजली की ट्रिपिंग भी तेज होने लगी है। इससे एसी एवं कूलर चलने में भी मुश्किल होने लगी है। शनिवार को अधिकतम तापमान 48 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया। जबकि शुक्रवार को यहीं तापमान 46 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। अधिकतम तापमान में तो एक डिग्री सेल्सियस की कमी आई थी, लेकिन न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की बढ़ोतरी हो गई। न्यूनतम तापमान एक दिन पहले 30.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो एक दिन बाद रात 31.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बढ़ते तापमान की वजह से दोपहर के समय जरूरी काम वाले लोग ही बाहर निकल रहे हैं।

भीषण गर्मी से 2 युवकों की मौत

मदनगंज-किशनगढ़, (निसं)। किशनगढ़ में भीषण गर्मी का कहर जारी रहा। गर्मी से ट्रक ड्राइवर व पावरलूम श्रमिक की मौत हो गई।

तेज गर्मी और लू लगने से ट्रक ड्राइवर कोटडी, भीलवाड़ा निवासी 49 वर्षीय किशन वैष्णव की मृत्यु हो गई। अस्पताल के चिकत्सकों ने इसकी जान बचाने के लिए सार्थक प्रयास किये, किंतु प्रयास विफल हो गये। प्रचंड गर्मी की चपेट में आने से पावरलूम मजदूर बृजबिहार कॉलोनी निवासी राजेश सिंह ने जेएलएन अस्पताल अजमेर में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। इसके अलावा मदनेश गौ शाला के पास रेल्वे ट्रेक पर ट्रेन की चपेट में आने से बिहार निवासी 35 वर्षीय कन्हैया गंभीर रूप से घायल हो गया। इसे मार्बल सिटी हॉस्पिटल में भर्ती कराया है।

बरसात होने से गर्मी से लोगों को राहत मिली

एक माह से तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा है

निवाई में बरसात होने के बाद सड़कों पर पानी भर गया।

निवाई/चाकसू, (निसं)। शनिवार की शाम अचानक हुई बरसात से भीषण गर्मी से लोगों को कुछ राहत मिली है। करीब एक माह से भीषण गर्मी का दौर चल रहा है। एक माह से लगातार तापमान 45 से 46 डिग्री सेल्सियस पर चल रहा है। जिसकी वजह से घरों में लगे हुए ऐसी व कुलर पंखे भी फेल हो गए हैं।

सुबह से दोपहर तक भीषण गर्मी पड़ी लेकिन दोपहर बाद अचानक आकाश में बादल छा गए और शाम को करीब 6 बजे अचानक बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ ही देर में बूंदाबांदी तेज बारिश में बदल गई और सड़कों पर पानी बहने लगा। तेज बरसात का दौर करीब 10 मिनट तक चला जिससे कुछ समय के लिए लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। तेज बारिश थमने के बाद करीब 15 मिनट तक बूंदाबांदी होती रही। इसी प्रकार गांव गुंसी में शनिवार को दोपहर बाद तेज आंधी चली। इसके बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई जो कुछ देर के लिए लगातार चलती रही। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली।

चाकसू में नौतपा में तेज हवा के साथ बारिश हुई :- चाकसू में शनिवार को नौतपा के साथ ही शाम को कस्बे में तेज हवा के साथ बारिश हुई। थोड़ी देर हुई बारिश से बिजली की आंख मिचोली शुरू हो गई जिससे भीषण गर्मी लोगों को भारी उमस का सामना करना पड़ा। ऐसे में लोग बिना कार्य के घर से बाहर नहीं निकल रहे हैं। तेज धूप होने के कारण बाजार में लोगों की चहल पहल काफी कम रही। शाम को सूर्य अस्त होने के बाद ही हवा चलने से लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिली। आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के साथ ही कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी बारिश के बाद कुछ तापमान में कमी हुई।

पीला ढाबा गांव में जल जीवन मिशन योजना में घोटाला

ग्रामीण बूंद-बूंद को तरसे, आरोप है कि बोरिंग की उचित खुदाई नहीं की गई, टंकी में दरारें आईं

अलवर, (निसं)। प्रधानमंत्री की जल जीवन योजना अलवर जिले के जलदाय विभाग के अधिकारियों और ठेकेदारों के लिए लूट का बाजार साबित हो रही है। जिले में अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में प्रस्तावित इस योजना में भारी गोलमाल किया गया है। टंकी से लेकर पाइप तक में घटिया सामग्री का उपयोग हुआ है। योजना के अंतर्गत काटे गए बोरिंग पांच से छह सौ फीट तक खोदे गए हैं जिसके कारण योजना पूर्ण होने से पहले ही अनेकों बोरिंग सूख चुके हैं।

ढाकपुरी पंचायत समिति के पीला ढाबा के ग्रामीणों प्रदर्शन किया।

अलवर ग्रामीण विधानसभा की ढाकपुरी पंचायत समिति के पीला ढाबा ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर आरोप लगाया है कि इस योजना को पूरा कर दिया गया है लेकिन यहां पेयजल सप्लाई नहीं हो पा रही है जिस कारण लोगों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना के तहत बनी टंकी में दरारे हैं जिस कारण इसे भरा नहीं जा रहा है, घटिया पाइप डाले गए हैं। यही नहीं यहां लगे बोरिंग ने भी एक साल में ही पानी उठाना बंद कर दिया है क्योंकि यह बोर उचित गहराई तक नहीं किए गये हैं और इनमें लगी मोटर भी कम पावर की है। ग्रामीणों ने ठेकेदार पर आरोप भी लगाया है कि उन्होंने पाईप डालने के लिए खोदी सड़क को अभी तक नहीं भरा है जिससे हर समय दुर्घटना का भय बना रहता है।

सुनीता राजेश यादव-सरपंच ढाकपुरी का कहना है कि विभाग ने और ठेकेदार ने अभी तक इस योजना को ग्राम पंचायत की वीडब्लूएससी समिति को सुपुर्द नहीं किया है और इसमें अनेकों खामिया हैं जिसके लिए अनेकों बार अधिकारियों से शिकायत की गई लेकिन उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। गर्मियों के मौसम में ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

दिव्यांक त्यागी एक्सईएन पीएचईडी का कहना है कि हमने योजना को पूरा कर दिया है पिछले एक साल से गांव में पानी की सप्लाई की जा रही है ग्राम पंचायत की वीडब्लूएससी समिति इसका चार्ज ले नहीं रही है ग्रामीण मनमर्जी से पानी चलाते हैं गर्मी में बोर में पानी की समस्या आगई होगी अगर ठेकेदार के कार्य में कोई कमी है तो उसे पूरा करवाया जाएगा एवं इसकी जांच कराई जाएगी।

भूमि विवाद की पुरानी रंजिश में युवक की हत्या

सिंचाई का बहाना कर बुलवाया और हत्या कर दी

हनुमानगढ़, (निसं)। भूमि विवाद की पुरानी रंजिश में युवक की हत्या को लेकर सदर थाने में तीन जनों के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया। युवक का शव चक 21 एलएलडब्लूयू, जंडावाली में मिला। उसे खेत में पानी लगाने का बहाना कर घटना स्थल पर बुलाया गया था। पुलिस ने मृतक के पिता की रिपोर्ट के आधार पर तीन जनों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार लालचंद लुहार पुत्र कानाराम लुहार निवासी वार्ड 59, सुरेशिया, जंक्शन ने रिपोर्ट दी कि वह अपने परिवार के साथ दिहाड़ी-मजदूरी कर गुजर बसर करता है। गुरुवार दोपहर करीब दो बजे बग्गी नामक व्यक्ति उसके पुत्र श्यामसुन्दर (25) को बुलाने आया। वह बातचीत कर पुत्र को अपने साथ ले गया। जाने से पहले श्यामसुन्दर ने बताया कि उसे खुशीराम, अंग्रेज, महेशी आदि अपने खेत चक 21 एलएलडब्लूयू, जंडावाली में पानी लगाने के लिए बुला रहे हैं। इसके बाद वह अपने साथ सीताराम व मांडिया को लेकर अपनी बाइक पर सवार होकर खेत में पानी लगाने के लिए चला गया। मगर वह रात्रि को घर नहीं आया। सुबह उसे पता चला कि उसके पुत्र की हत्या कर दी गई है। इस सूचना पर वह टाउन स्थित राजकीय जिला चिकित्सालय पहुंचा तो श्यामसुन्दर का शव मोर्चरी कक्ष में पड़ा था।

मृतक के पिता लालचंद ने आरोप लगाया कि खुशीराम, अंग्रेज, महेशी आदि ने साजिश रचकर उसके पुत्र की हत्या की है। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर हत्या के आरोप में नामजद मुकदमा दर्ज किया है। भूमि विवाद को लेकर हत्या करने की बात सामने आई है। दोनों पक्षों में काफी समय से जमीन का विवाद चल रहा है। पुलिस हत्या के कारणों की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। मामले की जांच सदर थाना प्रभारी एसआई लाल बहादुर कर रहे हैं। जिला अस्पताल में मृतक का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाया गया। मृतक के शरीर पर छर्रे आदि लगे हुए मिले। इसके अलावा चोटों के निशान भी पाए गए। सिर में भी गंभीर चोट पाई गई।

चमगादड़ों के मरने की सूचना पर वन व पशुपालन विभाग की टीम पहुंची

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के मेनार गांव में बड़ी संख्या में चमगादड़ों के मरने की सूचना मिलने पर पशुपालन एवं वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

संयुक्त निदेशक डॉ. शरद अरोडा ने बताया कि पशुपालन विभाग के डॉ.नवीन शर्मा एवं प्रभारी पशु चिकित्सालय मोडी मय स्टाफ एवं भींडर के क्षेत्रीय वन अधिकारी कैलाश मेनारिया ने घटनास्थल पर पहुंचकर कार्यवाही प्रारंभ की। कैलाश ने बताया कि दो दिनों में लगभग 500 चमगादड़ों की मृत्यु हुई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त निदेशक डॉ. अरोड़ा ने क्षेत्रीय पशु रोग निदान केन्द्र उदयपुर के उपनिदेशक डॉ.लज्जाराम मीणा एवं वरिष्ठ पशु चिकित्सा अधिकारी को मौके पर भेजकर मृत्यु का कारण पता करने के निर्देश दिए। प्रथम दृष्ट्या मृत्यु का कारण हीट स्ट्रोक होना पाया गया। परन्तु एक साथ बड़ी संख्या में चमगादड़ों की मृत्यु होने से चार चमगादड़ों का सैम्पल राष्ट्रीय उच्च पशुरोग संस्थान भोपाल को भिजवा दिया गया है। पशुपालन विभाग डॉ. नवीन शर्मा के नेतृत्व एक टीम का गठन किया गया एवं यह टीम घटनास्थल पर रहकर आगे की कार्यवाही करेगी। वन विभाग के उप वन संरक्षक अजय चितौड़ा ने मौके पहुंचकर आवश्यक जानकारी ली एवं उचित दिशा-निर्देश प्रदान किये। मृत चमगादड़ों को वैज्ञानिक विधि से दफना दिया गया है।

■ मेनार गांव की घटना, मृत्यु का कारण प्रथम दृष्ट्या हीट स्ट्रोक पाया

दुलर्भ प्रजाति का पहाड़ी उल्लू रेगिस्तान में बेहाल मिला

बीकानेर, (निसं)। वन विभाग की छत्तरगढ़ रेंज में एक दुलर्भ प्रजाति के उल्लू को घायल अवस्था में रेस्क्यू किया गया है। यह इंडियन स्कोप्सऑउल प्रजाति का उल्लू है जो पहाड़ों के निचले इलाकों तथा हिमालय में 2200 मीटर तक की ऊंचाई तक देखने को मिलता है। भारत के साथ नेपाल, पाकिस्तान, श्रीलंका तथा ईरान में बहुत कम संख्या में यह उल्लू बचे हैं। वाइल्डलाइफ एक्सपर्ट तथा वन अधिकारी योगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इस उल्लू के दो मॉर्फ होते हैं भूरा तथा रूफस। इसके सिर के दोनों तरफ कलंगीनुमा गुच्छे तथा चेहरे पर गहरी पंखों की डिस्क से पहचान होती है। इस उल्लू को कौओं ने घायल कर दिया गया था। जिसे वन मंडल छत्तरगढ़ में रेस्क्यू किया गया। यह उल्लू रात्रि समय में मेंढक जैसी आवाज निकालता है। अत्यधिक शर्मिला होने से दिन में देखना दुर्लभ है। अंधविश्वासों के चलते लोग इसका शिकार भी करते है। सामान्यत: रेगिस्तान वनस्पतियों खेतों में बगीचों तथा घनी पत्ते वाले पेड़ों के झुंड में रहना पसंद करता है। इस उल्लू का रंग रूप इस प्रकार का होता है कि यह पेड़ों तथा वनस्पतियों के बीच आसानी से दिखाई नहीं देता है। यह एक मांसाहारी जीव है जो मुख्यत: कीड़े मकोड़े टिड्डे, कीट-पतंगे, तितलियां, छोटी चिडिया, छिपकली, चूहे आदि खाता है।

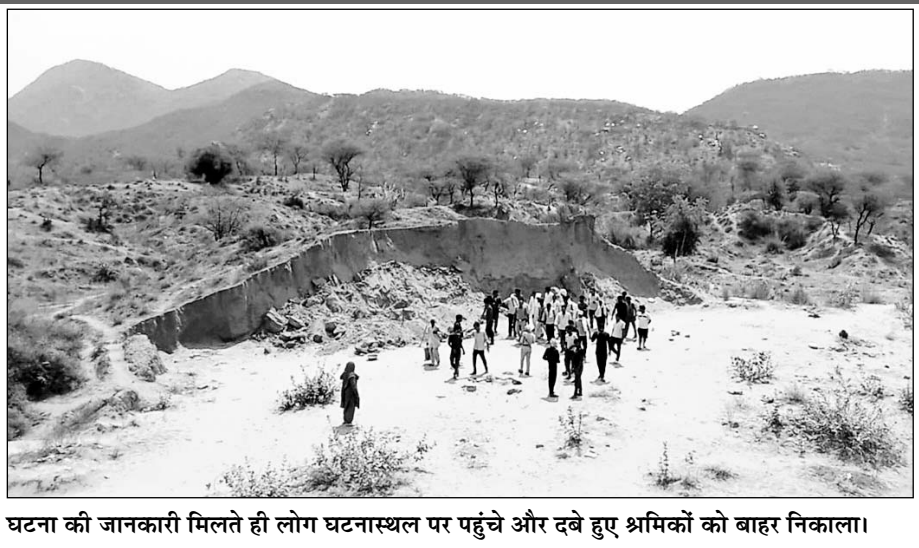

काम करने के दौरान मिट्टी का टीला ढहने से कई मजदूर दबे, एक मनरेगा श्रमिक की मौत

मनरेगा कार्यों के दौरान मिट्टी का ढावा (टीला) गिर जाने से सात-आठ मजदूर दब गए थे, मौके पर 65 मजूदर काम कर रहे थे

पाटन, (निसं)। डाबला थानांतर्गत ग्राम पंचायत बिहार में चल रहे मनरेगा कार्यों के दौरान मिट्टी का ढावा (टीला) गिर जाने से सात-आठ मजदूर दब गए, जिसमें सभी मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, परंतु बुधराम यादव (75) पुत्र सावंत राम यादव निवासी शिमली बिहार की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। हालांकि मृतक बुधराम यादव की उम्र आधार कार्ड के अनुसार 60 वर्ष है परंतु परिवार के लोगों ने बताया कि वास्तविक उम्र 75 साल से अधिक है।

जानकारी के अनुसार मनरेगा के तहत मिट्टी खुदाई का काम चल रहा था। जिसमें लगभग 65 मजदूर कार्य कर रहे थे। अचानक मिट्टी का ढावा टूटकर गिर गया, जिसमें महिलाएं एवं पुरुष जिनकी संख्या लगभग सात आठ बताई गई वे दब गए, मौके पर हाहाकार मच गया। घटना की जानकारी मिलते ही लोग घटनास्थल पर पहुंचे तथा तुरंत दबे हुए श्रमिकों को बाहर निकलने लगे तथा इन सभी श्रमिकों को चिकित्सालय ले जाया गया परंतु बुधराम यादव ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। बाद में मृतक का पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही लोग घटनास्थल पर पहुंचे और दबे हुए श्रमिकों को बाहर निकाला।

घटनास्थल पर पहुंचे अधिकारी :- ग्राम विकास अधिकारी कृष्ण कुमार मीणा ने बताया कि बिहार ग्राम पंचायत में मनरेगा का कार्य चल रहा था, जिसमें 65 श्रमिक कार्य पर लगे हुए थे। मौके पर श्रमिकों के लिए मेडिकल की व्यवस्था, ठंडे पानी की व्यवस्था सुचारू रूप से लगी हुई थी। अचानक मिट्टी का ढावा टूटकर गिर गया। सूचना मिलते ही डाबला थाना अधिकारी महेंद्र कुमार मीणा मय पुलिस जाप्ता पहुंचकर श्रमिकों को बाहर निकाला गया। बुधराम यादव को जब बाहर निकाला गया तो वह बेहोशी की हालत में था। अस्पताल ले जाते वक्त रास्ते में ही बुधराम यादव ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही मौके पर पाटन पंचायत समिति के विकास अधिकारी रामचंद्र सैनी, पंचायत समिति प्रधान सुवालाल सैनी, बीसीएमओ डॉ. गजानंद सैनी, ग्राम पंचायत सरपंच अर्चना देवी, सरपंच प्रतिनिधि सत्यवीर यादव सहित सैकड़ों लोग मौके पर पहुंचे।

■ मृतक की उम्र आधार कार्ड के अनुसार 60 वर्ष है परंतु परिवार के लोगों ने बताया कि वास्तविक उम्र 75 साल से अधिक है

किशोरी ने फांसी लगाई

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के पुर थाना क्षेत्र में कक्षा 9 में पढ़ने वाली एक किशोरी ने बीमारी के चलते पेपर नहीं दे पाने पर आहत होकर फांसी लगा आत्महत्या कर ली।

पुर थाना हेड कांस्टेबल कन्हाराम ने बताया कि आटून गांव में रहने वाले पंचायत समिति सदस्य नंदलाल माली की पौत्री लीला माली कक्षा 9 की छात्रा थी, पेपर के दौरान वो बीमारी के चलते परीक्षा नहीं दे पाई थी, जिसके कारण विगत कुछ दिनों से वो परेशान चल रही थी। डिप्रेशन के चलते उसने आज अपने ही कमरे में साफी का फंदा बना के फांसी लगा ली। गांव के सरपंच लादुलाल जाट की सूचना पर पुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में शव को फंदे से उतार कर एमजी हॉस्पिटल पहुंचाया, जहां किशोरी के शव का पोस्टमार्टम करा शव परिजनों के सुपुर्द कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

■ बीमारी के चलते पेपर नहीं दिया था

कृषि अनुसंधान केन्द्र
(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)
दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327001
मो. 8112207969, 9414389929 Mail ID: zdr_arsb@yahoo.com, Visit us : www.mpuat.ac.in
क्रमांक : एफ ( )/कृअके/स्टोर/2024/2644-51 दिनांक 25.05.2024

आम फलों की नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता हैं कि इस केन्द्र के बोरवट फार्म एवं फल अनुसंधान केन्द्र, जलदाय विभाग के पिछे, बांसवाड़ा पर लगभग 329 (259 पेड़ बोरवट फार्म के एवं 70 पेड़ फल अनुसंधान के) आम के फलित पेड़ों (दशहरी, केसर, लगड़ा, मल्लिका, आम्रपाली, बोम्बे ग्रीन, चोसा एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दि. 08/06/2024 को प्रात: 11.00 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अत: इच्छुक क्रेता समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग लेवें। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रू. 12,000/- नगद जमा करवानी होगी साथ ही बोली दाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तो की सहमति रू. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा एक ब्लेंक चैक (खाली चैक) धरोहर राशि के साथ जमा करावें। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति के नाम होगी उसे बोली की राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा करवाने के पश्चात ही बगीचे में प्रवेश वांछित होगा। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एवं बगीचों के अवलोकन हेतु कार्यालय समय (प्रात: 07.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक) में सम्पर्क कर सकते हैं।

संभागीय निदेशक अनुसंधान

संक्षिप्त

सैनी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

कोटपूतली, (निसं)। कस्बे के नागाजी की गौर निवासी सामाजिक कार्यकर्ता एड. जयप्रकाश सैनी उर्फ जेपी कोटिया को उनकी उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं व मानवता के लिए गांधी पीस फाउण्डेशन नेपाल की ओर से डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की गई है। आपको बता दें कि एड. जयप्रकाश सैनी अखिल भारतीय मालव महासभा के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, राष्ट्रीय फुले ब्रिगेड के प्रदेश सलाहकार, भारतीय समता समाज के प्रदेशाध्यक्ष है। फाउण्डेशन द्वारा प्रतिवर्ष विश्व स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को डॉक्टरेट की मानद उपाधि प्रदान की जाती है। जेपी कोटिया का मानद उपाधि के लिए चयन फाउण्डेशन के फाउंडर अध्यक्ष डॉ. लाल बहादुर राणा द्वारा किया गया।

रावणा राजपूत समाज की बैठक

चाकसू, (निसं)। कस्बे में रावणा राजपूत समाज की तहसील स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में समाज के विकास के लिए शिक्षा का बढ़ावा देने को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। समाज की प्रतिभाओं का सम्मान करने सहित मिलजुल कर समाज का विकास करने एवं सामाजिक कार्यों पर विचार विमर्श एवं चर्चा की गई। बैठक में सर्व समिति से रविवार को कस्बे के वार्ड नंबर 25 महाराणा प्रताप कॉलोनी स्थित पार्षद जुगल राजावत के निजी आवास पर मीटिंग आयोजित कर रावणा राजपूत समाज छात्रावास विकास समिति का अध्यक्ष चुनने का सर्व सहमति से निर्णय लिया गया।

आंगनबाडी केंद्रों पर 9 तक अवकाश

दौसा, (निसं)। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने जिले में भीषण गर्मी एवं हीट वेव की स्थिति को देखते हुए आंगनबाडी केंद्रों पर 3 से 6 आयु वर्ष के बच्चों का 27 मई से 9 जून तक अवकाश घोषित किया है।
महिला एवं बाल विकास विभाग के उप निदेशक विजय कुमार ने बताया कि इस अवधि का पूरक पोषाहार होम राशन के रूप में वितरित करवाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवधि में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिकाएं नियम अनुसार केंद्र पर उपस्थित होकर अन्य विभागीय गतिविधियां संचालित करेंगी। उन्होंने बताया कि अगर आवश्यक हुआ तो आगामी समय में भी बच्चों का अवकाश बढाया जा सकता है।

राशन की दुकान को सीज किया

मालपुरा, (निसं)। कलेक्टर के निर्देशों व जिला रसद अधिकारी के आदेशों पर प्रवर्तन विभाग की टीम ने टोडारायसिंह क्षेत्र में राशन की दुकानों का आकस्मिक निरीक्षण कर व्यवस्थाएं जांची जिसमें लतीफ मोहम्मद राशन डीलर की दुकान बंद पाई गई। दूरभाष पर राशन डीलर को उपस्थित होने के निर्देशों के बावजूद मौके पर नहीं पहुंचने तथा दुकान पर अनियमित्ता पाई जाने पर जांच दल ने दुकान को सीज किया।

प्रायोगिक परीक्षा सोमवार को

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय राजकीय एलबीएस पी.जी. महाविधालय में स्नातक विज्ञान विषयों के पार्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय वर्ष नियमित, पूर्व एवं स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षा सोमवार 27 मई को प्रात: 09 बजे से आयोजित होगी। प्राचार्य डॉ. आर. के. सिंह ने बताया कि सभी प्रायोगिक परीक्षार्थी अपने बैच से सम्बंधित जानकारी हेतु महाविधालय का नोटिस बोर्ड देखे। प्रायोगिक परीक्षा में सभी विधार्थियों की उपस्थिति अनिवार्य है।

अस्थाई अतिक्रमण पर कार्रवाई जारी

खाटूश्यामजी, (निसं)। नगरपालिका द्वारा कस्बे के मुख्य दर्शन मार्गों में हाथ ठैले,थोड़ी, रेहड़ी लगाकर अतिक्रमण करने वाले लोगों पर दूसरे दिन भी कार्रवाई की। शनिवार को ईओ अरूण शर्मा के निर्देशन में स्वास्थ्य निरीक्षक वीरेंद्र सिंह चंदेलिया की टीम ने कार्रवाई करते हुए 35 हाथ ठेलों को जब्त किया।

गौवंश के लिये दवाईयां भेंट की

कोटपूतली, (निसं)। भारतीय मजदूर संघ अल्ट्राटेक सीमेंट कार्यकारिणी सदस्य व कार्यकर्ताओं द्वारा शनिवार को ग्राम कुजोता स्थित श्री रघुनाथ गौशाला को गौवंश के लिए दवाईयों का पैकेट उपलब्ध करवाया गया।

नकबजनी की आधा दर्जन वारदातों का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। विराटनगर थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आधा दर्जन की नकबजनी की घटनाओं को अंजाम देने वाले चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। आरोपियों से अन्य

- 26 मोबाइल, एक लैपटॉप, एक सीसीटीवी डीवीआर, 100 मोबाइल डिसप्ले, दो स्मार्ट वॉच बरामद की

मामलों के खुलासे की संभावना है।
कोटपुतली-बहरोड जिला पुलिस-अधीक्षक वंदिता राणा ने बताया कि संपति संबंधी अपराधों की रोकथाम व अपराधियों की धरपकड एवं बरामदगी हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली नेम सिंह के निर्देशन वृत्त अधिकारी विराटनगर रोहित सांखला के सुपरविजन एवं विराटनगर थाना प्रभारी मनोहर लाल के नेतृत्व में टीम का गठन कर टीम द्वारा सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए तकनीकी प्रणाली की सहायता से बदमाश सचिन, बलवीर, विकास उर्फ विक्की, मंजीत को गिरफ्तार किया है।

विराटनगर थाना पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी मनोहर लाल ने बताया कि 23 अप्रेल 2024 को किशोर राम पुत्र गिरधारी लाल निवासी ढाणी शीश वाली तन बियावास ने मामला दर्ज दर्ज करवाया था कि 22 अप्रेल की रात जय दुर्गा मोबाइल जक्शन मोबाइल की दुकान की पीछे की दीवार तोड़कर चोर मोबाइल, सीसीटीवी डीवीआर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए हैं। जिस पर मामला दर्ज कर नकबजनी की वारदात को गंभीरता से लेते हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए तकनीकी प्रणाली की सहायता से बदमाशो की तलाश करते हुए नकबजनी की घटना का पर्दाफाश करते हुए चार जनों को गिरफ्तार कर प्रकरण का माल 26 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक सीसीटीवी डीवीआर, एक कॉबो रिपेयर मशीन, एक रिवर्क स्टेशन मशीन, 100 मोबाइल डिसप्ले,19 लेक्सिबल ग्लास, दो स्मार्ट वॉच बरामद कर घटना में प्रयुक्त एक वाहन मोटरसाइकिल को भी जप्त किया। वहीं अनुसंधान के दौरान मुल्जिमों ने राजकीय श्री राम वरि.उपा.संस्कृत विद्या लय मैड, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मैड सहित अन्य नकबजनी की वारदात करना स्वीकार किया है। जिस संबंध मेंअभियुक्तों से गहनता से अनुसंधान जारी है।

'लू-तापघात से बचाव के लिए व्यवस्थाएं रखें'

दौसा, (निसं)। जिला कलेक्टर देवेन्द्र कुमार ने शुक्रवार देर रात्रि एवं शनिवार को प्रात: जिला चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर चिकित्सालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर ने चिकित्सालय के दवा वितरण केंद्र, टीकाकरण कक्ष, ओपीडी, आईपीडी, मातृ शिशु स्वास्थ्य इकाई भवन एवं लू-तापघात के मरीजों के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं का अवलोकन किया।
उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को जिलेभर में चिकित्सा संस्थानों में लू-तापघात एवं हीटवेव और अन्य मौसमी बीमारियों के मरीजों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं रखने के निर्देश दिए, ताकि मरीजों को अविलंब इलाज उपल्बध हो सके। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अस्पताल में अधिकारी व कार्मिकों की उपस्थिति पंजीका, ड्यूटी के समय सभी कार्मिकों को निर्धारित ड्रेस कोड, साफ-सफाई की व्यवस्था को जांचा। उन्होंने गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए चिकित्सालय में ठंडे पानी, पंखे, कूलर, ए.सी., विद्युत आपूर्ति इत्यादि व्यवस्थाओं को दुरस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि आमजन को हीट वेव एवं मौसमी बीमारियों से कोई समस्या का सामना न करना पड़े। मातृ शिशु स्वास्थ्य इकाई का निरीक्षण करते हुए ऑपरेशन थिएटर को चालू करवाने के निर्देश दिए।

पालिका अध्यक्ष ने महिला नर्सिंग कर्मी पर अभद्रता करने का आरोप लगाया

किशनगढ़ बास, (निसं)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज के लिए पहुंची नगर पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल के साथ लेबर रूम में कार्यरत महिला नर्सिंग कर्मी द्वारा अभद्रता किए जाने का मामला सामने आने पर अस्पताल प्रभारी डॉ अतुल गौड़ ने महिला नर्सिंग कर्मी को नोटिस जारी करते हुए स्पष्टीकरण मांगा। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच पूरी होने तक एपीओ करने की बात कही।
पालिका अध्यक्ष तारामणि सिंघल ने बताया कि सुबह करीब 11 बजे स्वयं को चिकित्सक सुरेश पाटोदिया के पास इलाज के लिए पहुंची थी। चिकित्सक ने पालिका अध्यक्ष को ईसीजी कराने के लिए कहा। इसीजी वार्ड में आधे घंटे तक इंतजार करती रही पर कोई नहीं आया। वार्ड में कर्मचारियों से कहा तो लेबर रूम इंचार्ज महिला नर्सिंग कर्मी रजना ने लेबर रूम में आने के लिए कहा। महिला नर्सिंग कर्मी के कहने पर लेबर

- अस्पताल प्रभारी, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से की शिकायत
- बेड की चादर बदलने की बात पर हुई नोक-झोंक

रूम में पहुंची। वहां बेड की चद्दर गंदी हो रही थी व लेबर रूम से बदबू आ रही थी। चद्दर बदलने के लिए कहा गया। जिस पर नर्सिंग कर्मी नाराज हो गई और गुस्से में बोली ईसीजी करानी है तो इसी बेड पर लेटना पड़ेगा।
चद्दर बदलने से इनकार करने की बात पर पालिका अध्यक्ष और महिला नर्सिंग कर्मी रजना के बीच आपस में तीखी नोकझोंक हो गई। बाद में स्टाफ ने मामला शांत कराया और पालिका अध्यक्ष की अस्पताल वार्ड में ईसीजी की गई । पालिका अध्यक्ष ने अस्पताल प्रभारी डॉ अतुल गौड़ व जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अरविंद गेट व पूर्व विधायक रामहेत यादव को महिला कर्मचारी के व्यवहार को लेकर शिकायत की और कहा जब एक जनप्रतिनिधि के साथ व्यवहार सोभनीए नहीं है तो आम मरीजों के साथ केसा हो सकता है।
जिला चिकित्सा अधिकारी अरविंद गेट से पालिका अध्यक्ष और महिला नर्सिंग कर्मी के बीच हुई कहासुनी को लेकर पूछा गया तो उन्होंने बताया की पालिका अध्यक्ष तारामणि सतीश सिंघल की और से शिकायत की गई है।
महिला जनप्रतिनिधि के साथ नर्सिंग स्वास्थ्य कर्मी द्वारा अभद्रता की गई है तो वह ग़लत है। पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी जांच होने तक महिला स्वास्थ्य कर्मी को एपीओ किया जाएगा। महिला नर्सिंग कर्मी रजना ने कहा कैमरे दिखवा ले सच पता चल जाएगा। मैंने कुछ गलत नहीं कहा।

राजधानी जयपुर के नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में शनिवार शाम को हिप्पोपोटामस (दरियाई घोड़ा) रानी ने बछड़े को जन्म दिया है। बॉयोलॉजिकल पार्क में नया मेहमान आने से यहां के कर्मचारियों और पशु प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। फोटो राष्ट्रदूत

लूट के तीन आरोपी पकड़े

टोंक, (निसं)। थाना कोतवाली क्षेत्र के डाईट रोड पर सूर्य नगर बस्ती में अर्धरात्रि में एक नाबालिग लड़के को पिस्टल की नौक पर उसके हाथ पैर व मुंह बांधकर उसके घर में रखे 20 लाख 40 हजार की नगदी व जेवरात लूट कर ले जाने का मामला हुआ था, जिसकी सूचना 5 मई मध्यरात्रि थाना कोतवाली को दी गई थी।
जिला पुलिस अधीक्षक संजीव नैन ने घटना को गम्भीरता को लेते हुए जांच के आदेश सरिता सिंह अति. पुलिस अधीक्षक, व राजेश विद्यार्थी, वृत्ताधिकारी टोंक के सुपरविजन में थानाधिकारी कोतवाली भवंर लाल वेष्णव को दिया। जिला पुलिस अधीक्षक ने 25 मई को प्रेस वार्ता कर बताया कि घटना से जुडे तीन आरोपी गिरफ्तार किये हैं, जिसमें मुख्य आरोपी पीडित पक्ष अब्दुल हमिद का भांजा आमिर मेव पुत्र वहीद मेव निवासी बाड़ाजैर किला, थाना सदर टोंक के निवास से 17 लाख 19 हजार रुपए बरामद किये। मुख्य आरोपी थाना सदर टोंक का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। साथ ही अन्य दो आरोपियों में समीर नगवी पुत्र अब्दुल सलाम निवासी सआदत मोहल्ला मालपुरा हॉल निवासी परसारामपुरी जल महल जयपुर एवं तीसरा आरोपी मोहम्मद ताहिर पुत्र मो. जहिर निवासी परसारामपुरी जल महल जयपुर है, उक्त दोनों अपराधी मुख्य आरोपी के सहयोगी रहे।
पुलिस अधीक्षक, संजीव नैन ने बताया कि मुख्य आरोपी परिवादी अब्दुल हमीद का भांजा होने के कारण उसका घर में आना जाना बना रहता था, अब्दुल हमीद ने अपनी जमीन को बेचकर जो 19 लाख रूपये घर में रखे थे, उसकी जानकारी भी उसे थी। मुख्य आरोपी ने अपने साथी समीर को जयपुर से बुलाकर स्वयं तो मामा के साथ शादी में चला गया तथा अपने साथियों को रैकी करने के लिए कह गया।

मंदिर से दान पात्र तोड़ रहे युवक को दबोचा

मालपुरा, (निसं)। डिग्गी थाना क्षेत्र के धोली गांव में शनिवार की दोपहर दिन-दहाड़े बाइक सवार एक युवक ने हनुमान मंदिर में घुस दान पात्र तोड़ चोरी का प्रयास किया इस दौरान पहुंचे ग्रामीणों ने युवक को दबोच डिग्गी पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि शनिवार को भीषण गर्मी से बचने के लिये लोग अपने घरों में कैद थे। गांव में पहुंचा एक बाइक सवार युवक दिन-दहाडे बालाजी मंदिर में घुस कर दान पात्र तोड चोरी की वारदात का प्रयास कर रहा था। मंदिर में तोडफोड जैसी आवाजें सुन मंदिर के पास रहने वाले लोगों ने देखा तो युवक दान पात्र तोड रहा था। ग्रामीणों ने मंदिर पहुंच युवक को मंदिर में ही दबोच लिया। सुचना पर पहुंची डिग्गी थाना पुलिस ने युवक को पुलिस सुरक्षा में लेकर डिग्गी थाने पहुंची।

ठगी के आरोपी को जेल भेजा

मालपुरा, (निसं)। महावीर मार्ग में कपड़े का व्यापार करने वाले व्यापारी को मालपुरा थाना पुलिस ने 15 लाख रूपये की ठगी के आरोप में गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जहां से आरोपी को न्यायालय ने जेल भेज दिया।
थानाधिकारी चेनाराम बेडा ने बताया कि मालपुरा निवासी अमरदीप पुत्र विजयकरण भादा ने थाने में दी रिपोर्ट में बताया कि कपडा व्यापारी जितेन्द्र उर्फ जीतू सिंघी से उसने साढे चार लाख रूपये उधार लिये थे। व्यापारी ने रूपये देने के दौरान उससे तीन बैंक चैक गिरवी रखे। रूपयों के लेन-देन के दौरान कपडा व्यापारी ने उसके द्वारा दिये गये एक चैक में 25 लाख रूपये की राशि भरकर बैंक में लगा दिया। मेरे खाते में बैंक बैलेंस नहीं होने से चैक बाउन्स हो गया। बैंक से चैक बाउन्स की सूचना पर वो कपडा व्यापारी के पास पहुंच बिना सूचना के ही बैंक चैक लगाने का उलाहना दिया तो जितेन्द्र सिंघी ने उसके विरूद्ध न्यायालय में भारतीय दण्ड संहिता की धारा 138 के तहत चैक अनादर का मामला दर्ज करवा दिया। न्यायालय में दर्ज मामले में दोनों पक्षों के बीच बैठकर साढे ग्यारह लाख रूपये की राशि का निर्धारण कर लिखित में तीन गवाहों के समक्ष राजीनामा किया गया।
जितेन्द्र के पास रखे गये तीन चैक में से एक के बाउन्स हो जाने के बाद शेष दो चैक वापस मांगे तो एक चैक देकर दूसरा चैक कहीं इधर-उधर रख देने की जानकारी देते हुये ढूंढकर देने की बात कही थी। लेकिन काफि समय बाद भी वो चैक नहीं दिया। उन्नीस अप्रेल को जितेन्द्र ने चैक नम्बर 84 में 15 लाख रूपये की राशि भरकर बैंक में लगा दिया। जो खाते में पर्याप्त राशि के अभाव में बाउन्स हो गया। अमरदीप ने बताया कि मोबाईल पर मिले चैक बाउन्स के मैसेज के बाद बैंक से सम्पर्क किया गया तो जितेन्द्र द्वारा 15 लाख रूपये का चैक लगाने की जानकारी सामने आई।

गर्मी व तेज धूप से ट्रैफिक पुलिस जवान की बिगड़ी तबीयत

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे में दोपहर में अचानक ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मी की तबीयत खराब हो गई जिसे साथी जवानों ने अस्पताल में भर्ती करवाया है।
जानकारी के अनुसार यातायात पुलिस का जवान कैलाशचंद जो कस्बे की यातायात व्यवस्था को सुचारू रूप से बनाए रखने के लिए अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था कि अचानक तैज गर्मी तथा अत्यधिक धूप के कारण उसकी तबीयत बिगड़ गई जिससे बार बार वह पुलिस चौकी में जा रहा था और थोड़ा आराम कर फिर ड्यूटी कर रहा था कि अचानक और अधिक तबीयत बिगड़ने पर उसे उल्टी दस्त की शिकायत हो गई जिससे अन्य साथियों ने मिलकर उसे राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीमाधोपुर में भर्ती करवाया। चिकित्सकों ने जवान कैलाशचंद को आपातकालीन वार्ड में भर्ती कर ईलाज शुरू कर दिया।

साथी जवानों ने अस्पताल में भर्ती कराया।

जवान की तबीयत बिगड़ने का समाचार मिलते ही थानाधिकारी जयसिंह बसेरा भी दलबल के साथ अस्पताल पहुंचे और जवान की कुशलक्षेम जानी। फिलहाल जवान का अस्पताल में ईलाज जारी है।

नवजात बच्ची को संत आश्रम में छोड़ा

बौंली, (निसं)। मां इस मृत्यु लोक में सभी प्राणियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होती है उस मां की क्या मजबूरी रही होगी जिसने अपनी 15 दिन की नवजात बच्ची को रात्रि के समय आश्रम में छोड़कर चली गई।
ग्रामीणों से जानकारी के अनुसार क्षेत्र के झनूण ग्राम पंचायत के भेडोली संत आश्रम पर एक 15 दिन की नवजात के मिलने से ग्रामीण एवं संत सभी हैरान रह गए संत आश्रम पर शुक्रवार रात्रि को 9 बजे बाद लाइट चले जाने पर एक मां 15 दिन की नवजात बच्ची को ब्रह्मलीन संत शिवानंद जी महाराज की मूर्ति के चरणों में एक कपड़े के थेले पर रखकर फरार हो गई संत नित्यानंद जी महाराज एवं ग्रामीणों ने उसकी मां का पूरी रात इंतजार किया एवं नवजात की देखभाल की फिर शनिवार को बौंली पुलिस को सूचना दी गई।
पुलिस ने नवजात को बौंली चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां शिशु रोग विशेषज्ञ एवं चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर हेमंत ने बताया कि नवजात बच्ची स्वस्थ है एवं करीब 15 दिन पूर्व ही उसका जन्म हुआ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सार-समाचार

समर कैंप का उद्घाटन

श्रीमाधोपुर, (निसं)। कस्बे के जीडीएमएल पटवारी पी जी महिला महाविद्यालय में समर कैंप का उद्घाटन हुआ जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. गोपेश सैनी (पूर्व प्रोफेसर राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर)विक्रम शुक्ल (प्राचार्य राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलवाडी खंडेला) विजय लक्ष्मी (पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष) सुमन चौधरी(पूर्व प्रधान पंचायत समिति श्रीमाधोपुर) महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सुमित्रा गुप्ता ने सरस्वती पूजन एवं आतिथ्य सत्कार के पश्चात् समर कैंप के बारे में छात्रों को बताया जिसमें महिलाओं के उत्थान की योगयता वृद्धि हेतु गुर सिखाए। अंग्रेजी स्पोकन क्लासेज , खेलकूद चित्रकला आर्ट एंड क्राफ्ट, नृत्य , हैंडीक्राफ्ट, ब्यूटीपार्लर, सामान्यज्ञान की कक्षाओ, कंप्यूटर से संबंधित जानकारी जैसे एमएस वर्ड, एक्सल फाइल बनाना , आर एस सी आई टी कोर्स के बारे में जानकारी प्रदान दी उपस्थित अतिथियों ने छात्राओं को समय प्रबन्धन , संस्कारवान, आत्मनिर्भर एवं गुर सीखने हेतु समर्पण, तत्परता, जागरुकता , नियमित कक्षा लेने, एवं स्व:मूल्यांकन पर बल दिया। प्राचार्या ने सभी प्रशिक्षक रामावतार बर्रा (कम्प्यूटर) गजेन्द्र स्वामी (आर्ट एण्ड क्राफ्ट) भींव राम मीणा (सामान्यज्ञान) आशुतोष कुमावत (खेल) पूनम योगी (नृत्य) आरती सैनी (मेंहदी, पॉट पेन्टिंग) अनीता मुण्डोतिया (ब्यूटीपार्लर) मंजीता वर्मा (सिलाई) प्रवीण सैनी, कशिश अग्रवाल व संजय बंसल (अंग्रेजी स्पोकन) को रूबरू कराया ।

दो हजार का इनामी आरोपी पकड़ा

दूदू, (निसं)। जिले के अधीन मोजमाबाद पुलिस थाना क्षेत्र के अधीन बोराज गांव में व्यापारी से हफ्ता वसूली करने की मांग के बाद कुल्हाड़ी से वार करने के दर्ज प्रकरण में पुलिस द्वारा कार्रवाई कर 2000 की इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवलाल ने बताया कि 15 मार्च को मोजमाबाद थाने में चंद्र प्रकाश शर्मा ने रिपोर्ट दर्ज कराकर अवगत कराया कि संजय मीणा उर्फ डेविड व धर्मवीर ने मेरी दुकान पर आकर पांच हजार रूपए की हफ्ता वसूली की मांग की नहीं देने पर कुल्हाड़ी से वार किया। इस दौरान मैंने मेरा जीवन बचा लिया पुलिस थाने में दर्ज मामले के बाद उप पुलिस अधीक्षक दीपक खंडेलवाल एवं थाना प्रभारी संजय प्रसाद के नेतृत्व में टीम का गठन कर आरोपी की तलाश शुरू की गई पुलिस ने अपने प्रयासों से आरोपी संजय मीणा उर्फ डेविड धर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया।

शिविर में 175 लोग लाभान्वित हुए

फुलेरा, (निसं)। कस्बे के श्रीरामनगर में संचालित श्रीबालाजी क्लीनिक एवं पंचकर्म सेन्टर पर शनिवार को प्रात: 9 बजे से 12 तक विश्व थायराइड दिवस के उपलक्ष में सरस्वती एजुकेशनल एण्ड कल्चरल रिसर्च सोसायटी के तत्वावधान में निशुल्क जांच एवं दवा वितरण शिविर का आयोजन किया गया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. अविनाश दाधीच ने बताया कि शिविर में 175 लोगों की निशुल्क थायराइड जांच की गई। साथ ही जरूरतमंद लोगों को दवा का निशुल्क वितरण किया गया। इसके अलावा वहीं शिविर में मरीजों को थायराइड का प्राकृतिक तरीकों से उपचार करने का तरीका भी बताया गया। शिविर में विशाल सिंह, रोशन, मयंक शर्मा, कार्तिक कुमावत एवं अखिल कुमावत ने अपनी सेवाएं प्रदान की।

फुलेरा जंक्शन पर जलसेवा सूचारू

फुलेरा, (निसं)। फुलेरा जंक्शन पर दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जलसेवा सूचारू रूप से की जा रही है। दैनिक रेल यात्री संघ एकीकृत के अध्यक्ष अशोक वासदेव ने बताया कि प्रतिदिन प्रात: 9 बजे से शाम 6 बजे तक की जा रही जल सेवा में आरो का ठण्डा पानी पिलाया जा रहा है। उक्त सेवा 12 मई से 23 जून तक अनवरत चलेगी। इसके चलते शिक्षाविद् शक्ति सिंह, प्रेम नारायण कुमावत, मेघा, दुर्गा, राजू जांगिड़, प्रेम चन्द सेन, के के शर्मा, प्रेम चन्द कुमावत, जितेन्द्र जादौन सहित महिला शक्ति में कमला सेन एवं स्काउट के बच्चों द्वारा लम्बे रूट से आ रही ट्रेनों में यात्रियों को ठण्डा जल पिलाया जा रहा है।

अस्थि विसर्जन यात्रा हरिद्वार रवाना

कोटपूतली, (निसं)। मानव कल्याण सेवा समिति द्वारा लावारिश शवों के अन्तिम संस्कार करने के बाद उनकी अस्थि विसर्जन यात्रा शनिवार शाम स्थानीय पुलिस थाना से हरिद्वार के लिये रवाना हुई। यात्रा को डीएसपी राजेन्द्र बुरडक व थानाधिकारी राजेश कुमार शर्मा ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश स्वामी ने बताया कि विगत 24 वर्षो से समिति द्वारा लावारिश शवों का अन्तिम संस्कार किया जा रहा है। जिसके बाद उनकी अस्थियों को विधि-विधान से हरिद्वार माँ गंगा में विसर्जित किया जाता है। इस बार08 लावारिश शवों की अस्थियां विसर्जित की जायेगी। जिसमें 07 पुरूष व 01 महिला की अस्थियां शामिल हैं। यात्रा गाजे-बाजे के साथ रवाना हुई। जिसका जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। वहीं कस्बे के मुख्य चौराहा पर जेसीबी से पुष्पा वर्षा की गई। इस दौरान अध्यक्ष ओमप्रकाश स्वामी, ओमप्रकाश बंसल, शिम्भूदयाल गर्ग, सज्जन सिंह यादव, सुरेश चन्द यादव, बलवीर सिंह शेखावत, सत्यनारायण मिस्त्री, ज्योति स्वामी व तनिषा स्वामी आदि हरिद्वार के लिये रवाना हुये।

दहेज मुक्त शादी का संदेश दिया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के आंटोली गांव में बारात लेकर पहुंचे दुल्हे व उसके पिता ने मिलनी के दौरान वधु पक्ष की ओर से दिये दो लाख दो हजार एक सो एक रूपये लेने से इंकार कर दलित समाज को दहेज मुक्त शादी करने का दिया संदेश। शनिवार को लाम्बाहरिसिंह थाना क्षेत्र के आंटोली गांव में सुवालाल बैरवा की पुत्री मोहिनी की शादी समारोह में आवडा निवासी कानाराम बैरवा बारात लेकर पहुंचे। बारात के पहुंचने पर बैरवा समाज के पंच पटेलों व समाज बंधुओं की उपस्थिति में वधु पक्ष की ओर से वर पक्ष से मिलनी अर्थात दो समधियों के बीच हुई रामा स्यामा में वधु पक्ष के पिता ने दो लाख दो हजार एक सो एक रूपया दिया जिस पर वर पक्ष ने शादी मे किसी प्रकार का कोई दहेज नहीं लेने की बात कहते हुये लडकी क पिता की और से दी गई राशि को लौटा एक रूपया व नारियल शगुन के तौर पर लेकर बैरवा समाज मे एक मिशाल बनते हुये समाज को दहेज मुक्त शादी करने तथा कन्या व कलश को ही सर्वोपरि मानने का संदेश दिया है।

गरीब परिवार के बेटे ने रचा इतिहास

शाहपुरा, (निसं)। कस्बे के जुगल जी का मोहल्ला स्थित श्री कृष्ण विद्या मंदिर सी. सैकंडरी स्कूल का होनहार छात्र जिले में टॉप पर आया। श्री कृष्णा विद्या मंदिर स्कूल शनिवार को निदेशक डॉ.राजेंद्र यादव के मुख्य आतिथ्य में 12 बोर्ड परीक्षा में टॉपर रहे मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया। इस अवसर पर मेधावी विद्यार्थियों का साफा बांधकर तथा प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस दौरान स्कूल के निदेशक डॉ. राजेंद्र ने बताया की छात्र ललित यादव एक गरीब परिवार से हैं। ललित यादव के पिता पेट्रोल पंप पर सेल्समैन का कार्य करते हैं और माता ग्रहणी है। ऐसे में छात्र ललित यादव ने उच्च अंक प्राप्त व जिले में टॉपर कर माता पिता के सपने को साकार किया है।इस दौरान डॉ. राजेंद्र यादव ने जिला जयपुर ग्रामीण के कला वर्ग में टॉप रहे ललित यादव (97.80) से जब पूछा की उसने इतिहास रच दिया तो ललित ने कहा कि उसे पूरा विश्वास था की वह जिले को टॉप करूंगा। इस बात पर समस्त विद्यार्थियों ने लंबे समय तक करतल ध्वनि के साथ ललित का हौसला बुलंद किया।

परिंडे व चुग्गापात्र लगाये

सांभरझील, (निसं)। लगातार बढ़ती गर्मी को ध्यान में रखते हुए पक्षियों के लिए उचित स्थान पर जल व चुग्गा पात्र लगाने के लिए महात्मा फुले ब्रिगेड की तरफ से खेल स्टेडियम, दो खभों की बावड़ी, बालाजी मंदिर परिसर में पक्षियों के लिए इंतजाम किया गया। इनकी ओर से आमजन से अपील भी की गई कि वह भी अपने घरों में उचित स्थान पर पशुओं के लिए पर्याप्त जल चुग्गा पात्र अवश्य रखें ताकि इन बेजुबानों का जीवन सुरक्षित रह सके। इस मौके पर फुलर ब्रिगेड के डालचंद, पुष्कर सैनी, मनोज अजमेरा, रमेश सैनी, महिला प्रकोष्ठ की प्रेम देवी सैनी, रेखा भाटी, जयमला सैनी, मोनिका, ईशा, संजू, रिंकू, सुमित्रा, गुंजन आदि की मौजूदगी रही।

केकेआर ने लीग चरण के मैचों में सनराइजर्स हैदराबाद पर जीत हासिल की है। मुझे पूरा भरोसा है कि केकेआर यहां जीतेगी क्योंकि उसे कुछ दिन का आराम मिल गया है। सनराइजर्स हैदराबाद की मजबूती और कमजोरी को जानने से उसे मदद मिलेगी। - **मैथ्यू हेडन**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, केकेआर की जीत पर भरोसा जताते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

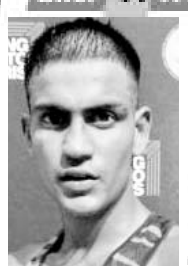

अभिमन्यु लौरा

भारत के अभिमन्यु लौरा ने शनिवार को दूसरे विश्व ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालिफिकेशन टूर्नामेंट 2024 में पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के मुकाबले में बुल्गारिया के क्रिस्टियान निकोलोव को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। आज यहां खेले गये मुकाबले में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा की धीमी शुरुआत रही, जिससे 10 बार के बुल्गारियाई राष्ट्रीय चैंपियन निकोलोव को शुरुआती गति पकड़ने में मदद मिली। हालांकि, 21 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने तुरंत वापसी करते हुए और दूसरे राउंड में आक्रामक हो गए।

क्या आप जानते हैं ?... ऑस्ट्रेलिया के खब्बू स्पिनर फ्लीटवुड स्मिथ ने इंग्लैंड के विरुद्ध 1938 में 37 ओवर में 298 रन पर एक विकेट लिया था। ये आज तक एक टेस्ट पारी में किसी भी गेंदबाज द्वारा दिये गये सबसे ज्यादा रन है।

कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच फाइनल की भिड़ंत आज

केकेआर के पास तीसरी और हैदराबाद के बाद दूसरी बार ट्रॉफी जीतने का मौका

चेन्नई, 25 मई। एक तरफ क्रिकेट के कुशल रणनीतिकार गौतम गंभीर के कोलकाता नाइट राइडर्स और दूसरी तरफ आक्रामक बल्लेबाजी की नयी परिगढने वाले पैट कमिंस के सनराइजर्स हैदराबाद। इंडियन प्रीमियर लीग में इस सत्र का सरताज बनने के लियेआखिरी तिलिस्म पर दोनों बेहतरीन टीमों के बीच रविवार को खिताबी मुकाबले में दर्शकों के लिये रोमांचक क्रिकेट की गारंटी रहेगी। आम तौर पर खेल में मुकाबले कप्तानों और उनकी टीमों के बीच होते हैं लेकिन यह आईपीएल फाइनल दीगर है। इसमें एक तरफ 'कोरबो, लोड़बो, जीतबो' की सोच रखने वाले गंभीर का दिमाग है तो दूसरी तरफ एक ऐसा आस्ट्रेलियाई कप्तान है जिसने टीम को विजेताओं वाले तेवर दिये हैं। केकेआर के कप्तान के रूप में दूसरा आईपीएल फाइनल खेलने जा रहे श्रेयस अय्यर इस महामुकाबले में सहायक भूमिका में नजर आ रहे हैं। एक दशक पहले किसी ने सोचा भी नहीं होगा कि कमिंस छह महीने के भीतर वनडे विश्व कप, विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप और एशेज जीतने वाले कप्तान बनेंगे। अब अगर वह सनराइजर्स को आईपीएल खिताब भी दिला देते हैं तो यह सोने पे सुहागा होगा। सनराइजर्स के सहायक कोच सिमोन हेलमोट ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर में टीम की जीत के बाद कहा था ," वह काफी व्यवहारिक , विनम्र और प्रभावी कप्तान है। उसके पास अलग अलग परिस्थितियों में प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ सारी जानकारियां और आंकड़े रहते हैं।" उन्होंने कहा ," वह टीम बैठकों में समय बर्बाद नहीं करता। हमारी टीम बैठक आज 35 सेकंड की थी लेकिन उसके पास सारी सूचनायें थी।" दोनों टीमों की टक्कर पहले क्वालीफायर में हुई थी जिसमें केकेआर ने सनराजइर्स को उम्दा गेंदबाजी के दम पर हराया था। केकेआर ने पिछली बार चेन्नई में 2012 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल खेला था जिसमें बतौर कप्तान गंभीर ने खिताबी जीत दर्ज की थी। गंभीर की कप्तानी में केकेआर ने फिर 2014 में खिताब जीता और अब वह बतौर मेंटोर भी इसी टीम को खिताब दिलाने की दहलीज पर हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच बनने के सबसे प्रबल दावेदार भी है और आईपीएल खिताब से उनका दावा और

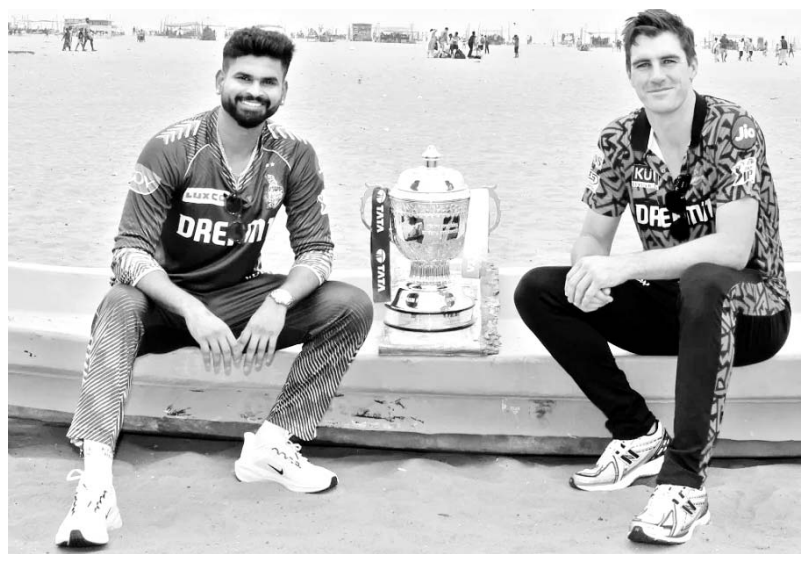

पुख्ता होगा। टीमों की तुलना करें तो केकेआर के पास सुनील नारायण, आंद्रे रसेल, रिंकू सिंह, श्रेयस और वेंकटेश अय्यर जैसे मैच विनर के साथ नीतिश और हर्षित राणा और वरूण चक्रवर्ती जैसा स्पिनर है। दूसरी तरफ सनराइजर्स के लिये घरेलू क्रिकेटर अभिषेक शर्मा और नीतिश रेड्डी के अलावा भुवनेश्वर कुमार, टी नटराजन और जयदेव उनादकट ने अच्छा प्रदर्शन किया है। रॉयल्स को कठिन पिच पर 36 रन से हराने के बाद सनराइजर्स का मनोबल बढा है लेकिन चेपॉक का विकेट वरूण (20 विकेट) और नारायण (16 विकेट) के अनुकूल होगा जो इस सत्र में शानदार फॉर्म में हैं। सनराइजर्स के स्पिनरों अभिषेक और शाहबाज अहमद ने पिछले मैच में अच्छा प्रदर्शन किया। बल्लेबाजी में ट्रेविस हेड और हेनरिच क्लासेन के अलावा अभिषेक, राहुल त्रिपाठी और रेड्डी को रन बनाने होंगे। केकेआर के युवा तेज गेंदबाज हर्षित और वैभव अरोड़ा को हेड के बल्ले को खामोश रखना होगा जो अभी तक 567 रन बना चुके हैं। इस आईपीएल फाइनल में टी20 विश्व कप की भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी नहीं है। केकेआर के रिंकू सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं। इससे साबित होता है कि आईपीएल वे ही टीमें जीतती हैं जिनके खिलाड़ियों के पास कोई 'आरेंज' या 'परपल' कैप नहीं होती बल्कि गंभीर और कमिंस जैसे मार्गदर्शकों से उन्हें विजेताओं वाले तेवर मिलते हैं।

एसआरएच पर केकेआर का पलड़ा भारी

आईपीएल 2024 का फाइनल मुकाबला रविवार यानी के 26 मई को केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। दोनों टीमों के बीच ये खिताबी मुकाबला चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है। कोलकाता ने क्वलीफायर-1 में हैदराबाद को हराकर फाइनल में जगह बनाई जबकि हैदराबाद ने क्वालीफायर-2 में राजस्थान रॉयल्स को 36 रन से हराकर फाइनल में एंट्री की। इसके साथ ही केकेआर के पास तीसरी जबकि हैदराबाद के पास दूसरी बार आईपीएल ट्रॉफी जीतने का मौका होगा। आईपीएल के फाइनल में अबतक दोनों टीमों का प्रदर्शन कैसा रहा एक नजर डालते हैं। आईपीएल के इतिहास में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच अब तक 27 मैच खेले गए हैं। इनमें से कोलकाता की टीम को 18 बार जीत अपने नाम की है जबकि सनराइजर्स हैदराबाद को सिर्फ नौ मुकाबलों में जीत नसीब हुई है। केकेआर ने पिछले आठ मैचों में 6 जीत हासिल की है जबकि महज दो मुकाबले गंवाए हैं।

रॉयल्स की हार के साथ ही हेटमायर ने दिखाया गुस्सा, जुर्माना लगाया

चेन्नई, 25 मई। आईपीएल 2024 के दूसरे क्वालीफायर में राजस्थान रॉयल्स को शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों हार झेलनी पड़ी। इस मैच में रॉयल्स के बल्लेबाज फ्लॉप साबित रहे। इस मैच में शिमरोन हेटमायर ने चार रन नबाए और आउट

हो गए। लेकिन इस दौरान वो काफी गुस्से में थे और उन्होंने मैदान से बाहर जाते हुए अपना गुस्सा स्टम्प पर निकाला। जिसके बाद उन पर भारी जुर्माना लगा। हेटमायर पर आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का दस फीसदी जुर्माना लगाया गया। हेटमायर को अभिषेक शर्मा ने 14वें ओवर में बोल्ड कर दिया। विकेट खोने के बाद हेटमायर काफी निराश थे और उन्होंने गुस्से में स्टंप पर लात मारने की कोशिश की थी। आईपीएल ने एक बयान में कहा कि, राजस्थान रॉयल्स के शिमरोन हेटमायर पर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ दूसरे क्वालीफायर के दौरान आईपीएल की आचार संहित के उल्लंघन के लिए मैच फीस का दस प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसमें कहा गया कि हेटमायर ने आईपीएल की आचार संहिता की धारा 2.2 के तहत लेवल एक का अपराध किया है। उन्होंने अपराध और सजा स्वीकार कर ली है। लेवल एक के अपराध में मैच रैफरी का फैसला अंतिम और सर्वमान्य होता है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में बेल्जियम को हराया

एंटवर्प, 25 मई। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोपीय दौरे पर शनिवार को खेले गये मुकाबले में बेल्जियम को शूटआउट में 4-2 से हराया। आज यहां हुये मुकाबले में निर्धारित समय में स्कोर 2-2 से बराबर होने के बाद हुए शूटआउट में भारतीय जूनियर महिला टीम ने 4-2 से जीत दर्ज की। भारत की ओर कनिका सिवाच ने दो गोल दागे। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने पहले क्वार्टर में तेजी से अपनी फॉर्म हासिल करते हुए खुद को मजबूत किया। भारत को शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे कनिका सिवाच गोल में तब्दील कर बढ़त बनाई। इसके तुरंत बाद कनिका ने उसी क्वार्टर में अपना दूसरा गोल करके स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर और हाफटाइम तक भारत ने अपनी मजबूत स्थिति को बनाये रखा। बेल्जियम को तीसरे क्वार्टर में मौके मिले लेकिन भारतीय रक्षात्मक पंक्ति ने विफल कर दिया। अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम ने अंतत: शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए लगातार दो गोल करते हुए स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद हुये शूटआउट में भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 4-2 से मुकाबला जीत लिया। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का अगला मैच 26 मई को ब्रेडा में जर्मनी होगा।

नॉर्दन यूनाइटेड ने रॉयल एफसी को हराया

नयी दिल्ली, 25 मई। नेहरू स्टेडियम में खेली जा रही डीएसए 'ए' डिवीजन लीग में नॉर्दन यूनाइटेड एफसी ने रॉयल एफसी को 3-1 से पराजित किया। जीत का हीरो थांगजोलीन नेथाम ने दो शानदार गोल दागे। नेथाम ने तीसरे ही मिनट में नॉर्दन यूनाइटेड को बढ़त दिलाने वाला दमदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। उसने 55वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। शानदार खेल के लिए नेथाम को प्लेयर ऑफ द मैच नवाजा गया। तीसरा गोल नामदिंगलेन बेट ने किया। पराजित टीम के लिए सांत्वना गोल प्रीतम सिंह राठौड़ ने किया। राठौड़ का गोल भी दर्शनीय रहा। रविवार 26 मई को एमिटी इंडियन नेशनल का सामना ईमी हीरोज के साथ तथा शाम को वारियर्स का मुकाबला नोएडा एफसी से मुकाबला होगा।

सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी-12 स्पर्धा में भारत को छठा गोल्ड दिलाया

कोबे, 25 मई। सिमरन शर्मा ने महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा में 24 . 95 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर भारत को विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शनिवार को छठा स्वर्ण पदक दिलाया। सिमरन का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 25.16 सेकंड था। डोमिनिका की डारलेनिस डि ला सेवेरिनो को रजत और लोरेन गोम्स डि एगुइयार को कांस्य पदक मिला। टी12 वर्ग में दृष्टिबाधित खिलाड़ी भाग लेते हैं।

भारत के अब छह स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य समेत 15 पदक हो गए हैं।यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले पेरिस में 2023 में भारत ने तीन स्वर्ण, चार रजत और तीन कांस्य पदक जीते थे। इससे पहले भारत को पुरूषों की एफ46 भालाफेंक स्पर्धा में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंथा हेराथ के खिलाफ शिकायत सही साबित होने पर रजत और कांस्य

पदक दिया गया है। पुरूषों के एफ46 भालाफेंक में भारत के रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह तीसरे और चौथे स्थान पर रहे थे लेकिन भारत ने विरोध दर्ज किया था कि हेराथ इस वर्ग में भागीदारी के योग्य नहीं हैं। पैरा खेलों में समान शारीरिक अक्षमता वाले खिलाड़ियों को एक समूह में रखा जाता है ताकि प्रतिस्पर्धा बराबरी की हो। एफ46 वर्ग भुजा में कमी , कमजोर मांसपेशियों वाले या बाहों में गति की निष्क्रिय सीमा वाले एथलीटों के लिए है, जिसमें एथलीट खड़े होकर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

भारतीय पैरालम्पिक समिति के एक अधिकारी ने कहा ," हेराथ एफ46 श्रेणी का था ही नहीं।" भारत के पक्ष में फैसला आने के बाद हेराथ को अयोग्य करार दिया गया। रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया। मुख्य कोच सत्यनारायण ने कहा ," हमने श्रीलंकाई खिलाड़ी के खिलाफ विरोध दर्ज कराया था जो तोक्यो पैरालम्पिक में भी स्वर्ण जीत चुका है। वह इस वर्ग में भाग्य लेने की योग्यता नहीं रखता। अब रिंकू को रजत और अजीत को कांस्य पदक दिया गया है।

स्पिन के खिलाफ हमारे पास विकल्प कम थे : सैमसन

चेन्नई, 25 मई। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने कहा है कि हमारे पास मध्य ओवरों में स्पिन के खिलाफ विकल्पों की कमी थी और यही हम मैच हार गए। सैमसन ने मैच के बाद पत्रकारों से कहा, मुझे लगता है कि हमारे पास मध्य ओवरों में स्पिन के खिलाफ विकल्पों की कमी थी और यहीं पर हम मैच हार गए। बाएं हाथ के स्पिनरों के खिलाफ हमारे पास मध्य ओवरों में तीन-चार दाएं हाथ के बल्लेबाज थे और गेंद रूककर आ रही थी, लेकिन हमें कुछ और विकल्प जैसे रिवर्स स्वीप खेलना था या क्रीज का बेहतर ढंग से इस्तेमाल करना था और उन्होंने वाकई बहुत अच्छी गेंदबाजी की।

उन्होंने कहा, यह पता लगाना वाकई बड़ा मुश्किल है कि कब हम चेन्नई में ओस की उम्मीद कर सकते हैं और कब नहीं। दूसरी पारी में विकेट ने अलग तरह का बर्ताव करना शुरू कर दिया और गेंद टर्न लेने लगी थी। उन्होंने इसका फायदा उठाया और मध्य ओवरों में हमारे दाहिने हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ स्पिनरों को लगा दिया और यहीं पर वह हमारे खिलाफ आगे निकल गए। सैमसन ने कहा, सच कहूं तो हमने इस सत्र ही नहीं पिछले तीन सालों में कई बेहतरीन मैच खेले हैं। मुझे लगता है कि हमने देश के लिए कई कौशल से भरपूर खिलाड़ी दिए हैं। रियान पराग ने इस सत्र बेहतरीन प्रदर्शन किया।

हार्दिक और नताशा के बीच तलाक पर विवाद

मुंबई, 25 मई। मुंबई इंडियंस के कप्तान और टीम इंडिया के उपकप्तान हार्दिक पंड्या के लिए साल 2024 अभी तक अच्छा नहीं रहा है। पहले वर्ल्ड कप के दौरान चोटिल हो कर टूर्नामेंट से बाहर हो जाना। और फिर रोहित शर्मा की जगह आईपीएल 2024 में मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिलने से लगातार हूटिंग और ट्रोल होना। वहीं अब उनकी पर्सनल लाइफ भी चर्चा में आ गई है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो हार्दिक पंड्या और उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक तलाक लेने वाले हैं। फिलहाल, इसे लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं अब कुछ रिपोर्ट्स के मुताबिक, हार्दिक पंड्या की प्रॉपर्टी का 70 प्रतिशत हिस्सा नताशा ले जाएंगी। पंड्या या नताशा की तरफ से तलाक को लेकर किसी भी तरह का जानकारी नहीं दी गई है।

पी.वी. सिंधु मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंची

कुआलालंपुर, 25 मई। भारत की दिग्गज बैडमिंटन स्टार और पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु शनिवार को थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान को हारकर मलेशिया मास्टर्स 2024 बैडमिंटन महिला एकल स्पर्धा के फाइनल में पहुंच गई है। आज यहां एक्सियाटा एरिना में खेले गये मुकाबले में पीवी सिंधु ने सेमीफाइनल में बुसानन ओंगबामरुंगफान को 13-21, 21-16, 21-12 को हराया। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधु ने पहला गेम हारने के बाद थाईलैंड की खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी और एक घंटा 28 मिनट तक चले मुकाबले में जीत दर्ज की।

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु ने शुरुआत में आठ प्वाइंट्स तक लगातार अंकों का आदान-प्रदान किया। इसके बाद थाईलैंड की खिलाड़ी लय बनाते हुए कई प्वाइंट्स हासिल करने में सफल रही। 10-9 के स्कोर के बाद बुसानन ने लगातार पांच प्वाइंट्स लिए। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने वापसी की प्रयास किया लेकिन बुसानन ओंगबामरुंगफान ने पहला गेम 21-13 से जीत लिया। सिंधु ने दूसरे गेम में मजबूत शुरुआत की और एक समय पर 11-9 की बढ़त बना ली। थाईलैंड की खिलाड़ी ने जल्द ही वापसी की लेकिन सिंधु ने लगातार दबाव बनाए रखते हुए गेम को 21-16 से जीत लिया। अंतिम और निर्णायक गेम में, 28 वर्षीय सिंधु ने शुरुआत से ही अपना दबदबा बनाए रखा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अपनी लय को बरकरार रखते हुए इस गेम को 21-12 से जीत लिया और मलेशिया मास्टर्स 2024 बैडमिंटन के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

सिंधु का फाइनल में मुकाबला चीन छठी वरीयता प्राप्त वांग यी मान और दूसरी वरीयता प्राप्त वांग झी यी के बीच दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के विजेता से होगा। उल्लेखनीय है कि सिंधु ने वांग जी यी को हाराकर सिंगापुर ओपन 2022 में अपना आखिरी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीता था।

पाकिस्तान ने टी-20 विश्वकप के लिए 15 सदस्यी टीम का किया ऐलान

कराची, 25 मई। पाकिस्तान ने टी-20 पुरुष विश्वकप के लिए बाबर आजम की अगुवाई में 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यहां जारी बयान में कहा, यह बेहद प्रतिभाशाली और संतुलित टीम है जिसमें युवा और अनुभव का मिश्रण है। ये खिलाड़ी पिछले कुछ समय से एक साथ खेल रहे हैं और अगले महीने के आयोजन के लिए अच्छी तरह से तैयार और व्यवस्थित दिख रहे हैं।

हैरिस रऊफ पूरी तरह से फिट हैं और नेट्स पर अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। पाकिस्तान की टीम इस समय विश्वकप की तैयारी के मद्देनजर इंग्लैंड के साथ द्विपक्षीय श्रृंखला खेल रहा है, द्विपक्षीय श्रृंखला के लिए टीम के अधिकांश खिलाड़ी टी-20 विश्वकप के लिए कैरेबियाई और अमेरिका जाने वाले हैं।

पाकिस्तान को ग्रुप ए में भारत, आयरलैंड, कनाडा और सह-मेजबान अमेरिका के साथ रखा गया है। पाकिस्तान अपना पहला मुकाबला छह जून को डलास में अमेरिका के खिलाफ खेलेंगे। टी-20 विश्वकप के लिए पाकिस्तान टीम में बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सईम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान सदस्य होंगे।

विरोध के बाद एफ 46 स्पर्धा में भारत को मिला रजत और कांस्य पदक

कोबे, 25 मई। विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका के दिनेश प्रियंता हेराथ के खिलाफ दर्ज कराये गये विरोध को सही पाये जाने पर भारत को पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में रजत और कांस्य पदक हासिल हुआ है। शुक्रवार को पुरुषों की एफ46 भाला फेंक फाइनल में भारत के रिंकू हुडा तीसरे और अजीत सिंह चौथे स्थान पर रहे थे। लेकिन भारत द्वारा दूसरे स्थान पर रहे श्रीलंका खिलाडी हेराथ के खिलाफ विरोध दर्ज कराने के बाद हुई जांच में पता चला कि श्रीलंकाई खिलाड़ी इस श्रेणी में प्रतिस्पर्धा करने के लिए अयोग्य थे।

भारतीय पैरालंपिक समिति के एक अधिकारी ने बताया, हेराथ को ठीक से वर्गीकृत नहीं किया गया था और वह एफ 46 श्रेणी की स्पर्धा से संबंधित नहीं थे। फैसला भारत के पक्ष में आया हेराथ को अयोग्य घोषित कर दिया गया। जिसके बाद रिंकू, जो मूल रूप से 62.77 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान से दूसरे स्थान पर अपलोड किया गया। वहीं जबकि अजीत (62.11 मीटर) को कांस्य पदक दिया गया।

आर्चरी वर्ल्ड कप : भारतीय महिला कम्पाउंड टीम ने जीता गोल्ड मेडल

मिक्स्ड टीम को मिला रजत

येचिओन, 25 मई। भारतीय तीरंदाजों का आर्चरी वर्ल्ड कप में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। जहां ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय जोड़ी ने महिला कंपाउंड वर्ग में लगातरा तीसरा गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। वहीं मिश्रित टीम को सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा है। वहीं दुनिया की नंबर वन भारतीय टीम ने तुर्कए की हेजल बुरून, एइसे बेरा सुजेर और बेगम युवा की टीम को 232-226 से हराकर एक इवेंट सेट गंवाए बिना पहला स्थान अपने नाम किया। वहीं एशियाई खेल चैंपियन ज्योति हालांकि, दूसरा गोल्ड नहीं जीत सकी और प्रियांश के साथ कंपाउंड मिश्रित टीम फाइनल में अमरेकि की ओलिविया डी और सायेर सुलिवान की जोड़ी से 155-153 से हार गई।

ज्योति, परनीत और वर्ल्ड चैंपियन अदिति ने वर्ल्ड कप स्वर्ग पदकों की हैट्रिक

लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में वर्ल्ड कप गोल्ड मेडलों की हैट्रिक लगाई। उन्होंने पिछले महीने शंघाई में वर्ल्ड कप के पहले चरण में इटली को हराकर गोल्ड जीता था। वहीं पिछले साल पेरिस में चौथे चरण में भी गोल्ड हासिल किया था। कंपाउंड महिला टीम फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने पहले दौर में सेंटर के पास तीन एक्स के साथ आगाज किया और अगले तीन तीरों पर एक एक अंक ही गंवाया।

6 तीर के दूसरे दौर में भारत ने पांच परफेक्ट 10 और दो एक्स तथा एक 9 के स्कोर के साथ बढ़त चार अंक की कर ली। तीसरे दौर में तुर्कए ने चार 10, एक एक्स लगातार वापसी की पूरी। भारत ने एक बार फिर तीन 10 और एक एक्स के साथ 58 स्कोर करके जीत दर्ज की। दुनिया की टॉप दो टीमों के बीच मुकाबले में अमेरिका ने कंपाउंड मिश्रित टीम वर्ग में शानदार वापसी करके स्वर्ण जीता।

इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 मुकाबले में पाक को 23 रन से हराया

बर्मिंघम, 25 मई। कप्तान जॉस बटलर (87) और विल जैक्स (37) की शानदार बल्लेबाजी और उसके बाद गेंदबाजों के बेहतरीन दम पर इंग्लैंड ने शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 23 रन से हरा दिया है। 184 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट जल्द ही गवां थे। मोहम्मद रिजवान (शून्य) और सईम अयूब (2) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे सकंट के समय कप्तान बाबर आजम और फखर जमान ने पारी को संभाला। बाबर आजम 26 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुये। फखर जमान ने 21 गेंदों में पांच चौके और तीन छक्के लगाते हुये 45 रनों की पारी खेली। शादाब खान (3), आजम खान (11), इफ्तिखार अहमद (23) और इमाद वसीम (22) रन बनाकर आउट हुये। शाहीन शाह अफरीदी (9) रन और मोहम्मद आमिर पांच रन बनाकर आउट हुये। इंग्लैंड के गेंदबाजों ने पाकिस्तान की पूरी टीम को 19.2 ओवर में 160 रन पर समेट कर मुकाबला 23 रन से जीत लिया।

इंग्लैंड की ओर से रीस टॉप्ली को तीन विकेट मिले। मोईन अली और जोफ्रा आर्चर ने दो-दो विकेट लिये। आदिल रशीद, लियम लिविंगस्टन और क्रिस जॉर्डन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले इंग्लैंड ने दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 184 रनों का लक्ष्य दिया। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट (13) का विकेट गवां दिया। उसके बाद कप्तान जॉस बटलर और विल जैक्स ने संभल कर खेलते हुए दूसरे विकेट के लिये 96 रन की साझेदारी की। 11वें ओवर में हारिस रऊफ ने विल जैक्स को शादाब के हाथों कैच आउट करा दिया। जैक्स ने 23 गेंदों में 37 रन बनाये। 15वें ओवर में जॉनी बेयरस्टो 21 रन बनाकर आउट हुये। हैरी ब्रूक (1), मोईन अली (4), क्रिस जॉर्डन (3) रन बनाकर आउट हुये। जॉस बटलर ने 51 गेंदों में आठ चौके और तीन छक्के लगाते हुए सर्वाधिक 87 रन बनाये।

कप्तान के तौर पर मेरा आकलन करना मीडिया पर निर्भर : अय्यर

चेन्नई, 25 मई। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली टीमें पिछले चार वर्षों में दो बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फाइनल में पहुंची हैं लेकिन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के इस खिलाड़ी को खुद से ज्यादा सुर्खियां टीम के 'मेंटोर' गौतम गंभीर को मिलने से कोई शिकायत नहीं है। श्रेयस की अगुवाई में केकेआर की टीम रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल के 17वें सत्र का फाइनल खेलेगी। श्रेयस की कप्तानी में इससे पहले 2020 में दिल्ली कैपिटल्स इस लीग के फाइनल में पहुंची थी। श्रेयस से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि एक कप्तान के रूप में उनकी उपलब्धियों को पर्याप्त महत्व नहीं मिला है।

मुंबई के इस खिलाड़ी ने 'पीटीआई-भाषा' के सवाल के जवाब में कहा, " इस चीज को आप लोगों (मीडिया) ने बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया है। मैं कप्तान के तौर पर कैसा रहा हूं यह तय करना आप पर निर्भर है।" 'मेंटोर' के रूप में गंभीर के योगदान पर पूछे जाने पर श्रेयस ने उन्हें टी20 प्रारूप में खेल को सबसे बेहतर तरीके से समझने वालों में से एक करार दिया। उन्होंने कहा, "गौतम भाई के बारे में, मुझे लगता है कि उन्हें खेल कैसे खेला जाता है, इसके बारे में बहुत ज्ञान है। उन्होंने केकेआर के साथ पहले दो खिताब जीते हैं। हमें प्रतिद्वंद्वी टीमों के खिलाफ कैसे खेलना है, इस मामले में उनकी रणनीति बिल्कुल सही रही है।" श्रेयस को उम्मीद है कि सनराइजर्स के खिलाफ फाइनल में डग-आउट से गंभीर के अमूल्य योगदान से केकेआर शानदार प्रदर्शन करने में सफल होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पंजाब के फरीदकोट में भाजपा उम्मीदवार हंसराज हंस के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सत्तारुढ़ भगवंत मान सरकार एवं कांग्रेस, दोनों को जमकर कोसा और कहा कि, दोनों पार्टियों के शासनकाल में पंजाब नशे और भ्रष्टाचार की जकड़ में फंस गया है।

मुख्यमंत्री भजनलाल अब पंजाब के चुनावी दौरे पर

फरीदकोट के भाजपा प्रत्याशी, विख्यात गायक हंसराज हंस के लिए जनसभा की

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, कांग्रेस और आप दोनों भ्रष्टचारी दल हैं और मिल कर चुनाव लड़ने का नाटक कर रहे हैं।**

फरीदकोट, 25 मई (का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को पंजाब के फरीदकोट में भाजपा उम्मीदवार के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि, पंजाब आज भ्रष्टाचार और नशे की जकड़ में है। रेत खनन माफिया, ड्रग माफिया और अपराधी गैंग्स के कारण यहां से उद्योग-धंधे पलायन कर रहे हैं। अन्ना हजारे के आंदोलन से निकलकर आप पार्टी ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने की बात कही थी। लेकिन आज चुनाव में भ्रष्टाचारी कांग्रेस और आप पार्टी दिल्ली और पंजाब में अलग-अलग तरह से गठबंधन में मिलकर चुनाव लड़ रहे है।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि, दोनों भ्रष्टाचारियों के इस गठबंधन को जनता पहचान चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी पंजाब को उसका गौरव वापस दिलाने और नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम करेगी। मुख्यमंत्री शनिवार को पंजाब के रामपुराफूल में फरीदकोट लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हंसराज हंस के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। प्रधानमंत्री ने अपने कर कमलों से करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन करने के साथ ही जलियांवाला बाग स्मारक को फिर से गौरवान्वित करने का काम भी किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, कांग्रेस और आप जैसी पार्टियां पड़ोसी देशों में प्रताड़ित होकर भारत में शरण लेने वाले सिख भाई-बहनों को नागरिकता देने का विरोध कर रही हैं। कांग्रेस के शासनकाल में 1984 के सिख दंगों के अत्याचार को सभी जानते हैं। 2014 में मोदी जी की सरकार बनने पर उन्होंने एस.आई.टी. बनाई और 300 मामलों को दोबारा खोलकर दोषियों को जेल भेजने की शुरुआत की तथा पहली बार 3,328 पीड़ित परिवारों में से प्रत्येक को 5 लाख रुपए दिए। शर्मा ने फरीदकोट से भाजपा प्रत्याशी हंसराज हंस को विजयी बनाने की अपील करते हुए कहा कि देश की जनता को मोदी जी पर पूर्ण विश्वास है क्योंकि उनके नेतृत्व में 2014 के बाद देश में बड़ा परिवर्तन आया है। इसलिए लोग इस लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को पूर्ण बहुमत से जिताकर मोदी जी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाएंगे।

'इण्डिया...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि "शीघ्र स्वास्थ्य लाभ।" राजद नेता एवं राज्यसभा सदस्य मनोज झा ने भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि "मोदी ऐश्वर्य के भ्रम के शिकार बन गए हैं। क्या यह भाषा किसी प्रधानमंत्री की है?"

मलिंगा के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बाद उन्होंने गवाहों को भी धमकाया था। ऐसे में मामले की सुनवाई धौलपुर से जयपुर शिफ्ट की जाए। इसपर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने मलिंगा सहित अन्य को नोटिस जारी करते हुए मामले की स्टेटस रिपोर्ट तलब की है और निचली अदालत में चल रही सुनवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है।

गौरतलब है कि, याचिकाकर्ता ने 29 मार्च, 2022 को बाड़ी थाने में स्थानीय विधायक मलिंगा और उसके समर्थकों के खिलाफ याचिकाकर्ता पर हमला और मारपीट करने सहित एससी एसटी एक्ट का मामला दर्ज कराया था।

रिपोर्ट में कहा गया था कि, विभाग के ऑफिस में मीटिंग के दौरान मलिंगा और उसके समर्थकों ने उसके साथ मारपीट की, जिससे वह गंभीर रुप से घायल हो गया।

'यदि मुझ पर हमला...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जयपुर के नेताओं की भी नाराज़गी है, क्या इनको मेवाड़ में राजपूतों की वोट की जरूरत नहीं पडेगी। कितने राजपूतों को बेइज्जत करोगे। पगडियां उछालोगे।" उन्होंने कहा कि अगर मुझे कुछ होता है

- **उदयपुर के जमीन कारोबारी और भाजपा नेता लक्ष्मण सिंह झाला ने प्रैस कॉन्फ्रैंस में यह आरोप लगाया। यह सारा विवाद आई.टी.सी. ममैंटोज़ होटल और उसके पास की जमीन पर कब्जे से जुड़ा है, जिसमें मार्बल व्यवसायी कपिल सुराणा ने लक्ष्मण सिंह झाला पर गंभीर आरोप लगाए हैं।**

तो उसकी पूर्ण जिम्मेदारी मेवाड़ के भाजपा नेता गुलाबचंद कटारिया और जयपुर में बैठे एक नेता की होगी। झाला ने कहा, जयपुर वालों की रिकॉर्डिंग मेरे पास है वक्त आने पर मैं सबके सामने कर दूंगा। दिलीप सुराणा के आरोप, कि उनके खिलाफ कई गंभीर मामले है पर झाला ने कहा, मेरे खिलाफ एक भी मुकदमा न्यायालय में विचाराधीन नहीं है। झाला ने आरोप लगाया, मेरा एनकाउंटर करने का प्रयास करेंगे। एक लक्ष्मण सिंह झाला जाएगा तो हर घर से लक्ष्मण सिंह झाला निकलेगा। उसने कहा कि "ये विजेंद्र चौधरी आई.टी.सी. कम्पनी के मालिक को ब्लैकमेल करके मोटी रकम ऐंठना चाहते हैं। एल.एंड.टी. कंपनी भंवरलाल की ज़मीन पर पड़ी है।" उन्होंने सुराणा के विदेश से पढ़कर आने पर भी तंज किए।

पूरे देश में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उत्तर प्रदेश में लोग भीषण गर्मी से परेशान है। यूपी के भी कई जिलों में तापमान 45 के आस-पास बना रहा। सुल्तानपुर में 43.1, उरई में 45, झांसी में 44.5 और फुरसतगंज में तापमान 43.5 डिग्री दर्ज किया गया।

देश भर में लोग बेसब्री से मॉनसून की बारिश का इंतजार कर रहे हैं। 25 मई यानी आज दक्षिण-पश्चिम मॉनसून दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों और पूर्वोत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ा। ऐसी उम्मीद है कि मॉनसून 31 मई के आस-पास देश में प्रवेश कर जाएगा। मॉनसून के पहले की बारिश फिलहाल केरल के लोगों के लिए आफत बन गई है। मौसम विभाग ने केलर से सात जिलों में बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

राजकोट में गेमिंग ज़ोन में भयानक आग, 24 लोगों की मौत

हादसे के वक्त बच्चे मौज-मस्ती में जुटे थे तथा उनके माता-पिता अपने बच्चों को खेलते हुये निहार रहे थे

- **शुरुआती जांच में सामने आया है कि, गेमिंग ज़ोन के एक सैन्टर में लगे ए.सी. में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया और देखते ही देखते आग विकराल होकर सब तरफ फैल गई।**
- **धुआं भर जाने की वजह से लोग बाहर निकलने का रास्ता नहीं तलाश सके। अंदर फंसे कई लोग जिंदा जल गए तो कई का दम घुट गया।**

राजकोट, 25 मई। गुजरात के राजकोट में शनिवार को बेहद दर्दनाक घटना में कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई, जिसमें कई बच्चे शामिल हैं। यहां एक गेमिंग जोन में उस समय आग लग गई जब बच्चे मौज-मस्ती में जुटे थे और उनके मां-बाप उन्हें खेलते हुए देखकर खुश हो रहे थे। इस बीच अचानक मौत का तांडव मच गया। पल भर में ही हंसी-खुशी का माहौल चीत्कार, भगदड़, मातम में बदल गया।

इतना भयानक हादसा कैसे हुआ और क्यों लोग आग की लपटों से बचाए नहीं जा यह जांच का विषय है। शुरुआती तौर पर यह बात सामने आई है कि टीआरपी नाम के गेमिंग जोन में एक शॉर्ट सर्किट की वजह से एक एसी में धमाका हुआ। इसके बाद देखते ही देखते आग बेकाबू हो गई। आग लगते ही जोन में भगदड़ जैसे हालात हो गए। धुआं भर जाने की वजह से लोग बाहर निकलने का रास्ता नहीं तलाश सके। अंदर फंसे कई लोग जिंदा जल गए तो कई का दम घुट गया।

गर्मी की छुट्टी और वीकेंड होने की वजह से गेमिंग जोन में काफी भीड़ थी। यह हादसा शाम को करीब 4 बजे हुए। राजकोट के कलेक्टर प्रभव जोशी ने कहा कि करीब 4:15 बजे कंट्रोल रूम को गेमिंग जोन में आग की सूचना मिली। तुरंत फायर ब्रिगेड और कई एंबुलेंस को मौके पर भेजा गया। बताया जा रहा है कि आग ने कुछ ही देर में पूरे ढांचे को अपनी चपेट में ले लिया। जलने के साथ ढांचा गिरने लगा। गेमिंग जोन में टायर, खिलौने समेत कई ऐसे ज्वलनशील चीजें थीं। बताया जा रहा है कि जिस समय आग लगी, तेज हवा चल रही थी। इसकी वजह से जहां आग ज्यादा तेजी से फैली तो वहीं ढांचा भी गिर पड़ा।

राजकोट की घटना पर प्रधानमंत्री मोदी, देश के गृह मंत्री अमित शाह समेत कई लोगों ने दुख जाहिर किया है। इस बीच राज्य के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने पीड़ित परिवारों के मुआवजे का ऐलान करते हुए घटना की जांच के लिए एसआईटी के गठन का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री ने एक ट्वीट में कहा, राजकोट में आग की त्रासदी दिल दहला देने वाली है। मैं इस घटना में जान गंवाने वाले लोगों और उनके परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। राज्य सरकार मृतकों के परिवारों को 4 लाख रुपये और घायलों को 50 हजार रुपये देगी।

चुनाव आयोग...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

3. एक निर्वाचन क्षेत्र में डाले गए कुल वोट्स फॉर्म 17 सी में रिकॉर्ड होते हैं। उन्हें किसी की काल्पनिक शरारत से भी परिवर्तित नहीं किया जा सकता। ये चुनाव लड़ने वाले सभी उम्मीदवारों के पास होता है।

4. चुनाव संचालन नियमन के नियम 49 वी (2) के अनुसार उम्मीदवारों के एजेन्ट्स को फार्म 17 सी सहित ई.वी.एम. और वैधानिक कागज़ातों के साथ पोलिंग स्टेशन से स्ट्रांग रूम तक ले जाने की हमेशा अनुमति होती है।

5. उम्मीदवार या उसके एजेंट फॉर्म 17 सी की कॉपी मतगणना सैन्टर में लाते हैं और उसकी तुलना प्रत्येक राउण्ड के परिणाम के साथ करते हैं।

इतना ही नहीं, डाले गए कुल वोटों का डेटा ऐप पर हमेशा उपलब्ध होता है तथा इस डेटा को जारी करने में कोई विलम्ब नहीं किया गया।

आयोग ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र के मतदान प्रतिशत और वोटर्स की पूरी संख्या के अनुलग्नक भी जारी किए।

सायक्लोन रेमल के आज बंगाल में प्रवेश करने की आशंका

- **सायक्लोन के कारण तटीय इलाकों में 120 कि.मी. प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवायें चलेंगी, मौसम विभाग ने खतरे का अलर्ट जारी किया**
- **सायक्लोन के संभावित खतरे की आशंका के चलते शनिवार से ही कोलकाता इंटरनैशनल एयरपोर्ट बंद कर दिया गया है।**

कोलकाता, 25 मई। सायक्लोन रेमल के कारण कोलकाता हवाई अड्डे पर रविवार आधी रात से 21 घंटे के लिए उड़ान सेवाएं निलंबित रहेंगी। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। मौसम विभाग के अनुसार, पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक गहरा दबाव बन गया है। शनिवार रात तक इसके चक्रवाती तूफान बनने की आशंका है। यदि निम्न दबाव का क्षेत्र चक्रवात में बदलता है तो उसका नाम रेमल होगा। विभाग के मुताबिक, रेमल बनने के बाद रविवार की रात यह पश्चिम बंगाल से टकरा सकता है। इनकी गति 110 से 120 किमी प्रति घंटा होगीय़ अस्थायी तौर पर हवा की गति 135 किमी प्रति घंटा तक बढ़ सकती है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रशासनिक अधिकारियों की शनिवार को हुई एक बैठक के बाद उड़ानों को निलंबित करने का एहतियाती कदम उठाया गया है। एनएससीबीआई हवाई अड्डे के निदेशक सी पट्टाभि ने एक बयान में कहा, "कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के तटीय क्षेत्रों में चक्रवात रेमल के प्रभाव को देखते हुए हितधारकों के साथ एक बैठक की गई और कोलकाता में तेज हवाओं और भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका के कारण 26 मई को दोपहर 12 बजे से 27 मई को सुबह नौ बजे तक उड़ानों के परिचालन को निलंबित करने का निर्णय लिया गया है।"

चक्रवाती तूफान रेमल के 110-120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से लेकर 135 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के साथ 26 मई की आधी रात को पश्चिम बंगाल तथा बांग्लादेश के निकटवर्ती समुद्री तटों पर टकराने की आशंका है। मौसम विभाग कार्यालय ने 26-27 मई को पश्चिम बंगाल और उत्तरी ओडिशा के तटीय जिलों में अत्यधिक भारी वर्षा की चेतावनी दी है। तूफान के समुद्र तट से टकराने के समय तटीय पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के निचले इलाकों में 1.5 मीटर तक की तूफानी लहर उठने की आशंका है।

छठे चरण में मतदान 59 प्रतिशत से अधिक

वोटिंग प्रतिशत के मामले में प.बंगाल सबसे आगे रहा, बंगाल में 78.19 वोटिंग हुई

- **जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर भारी सुरक्षा के बीच 52.28 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला, जो 35 वर्ष का रिकॉर्ड है।**
- **उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई गणमान्य लोगों ने दिल्ली के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर वोट डाले।**

नई दिल्ली, 25 मई (वार्ता)। भीषण गर्मी और पश्चिम बंगाल में कुछ केन्द्रों पर मतदाताओं के बीच छिटपुट झड़प के बीच लोकसभा चुनाव के छठे चरण में आठ राज्यों एवं केन्द्रशासित प्रदेशों की 58 सीटों पर शनिवार को शाम पांच बजे तक औसतन 59.01 प्रतिशत मतदान हुआ।

चुनाव आयोग के अद्यतन आंकड़ों के अनुसार सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक चले मतदान में पश्चिम बंगाल में सबसे अधिक 78.19 प्रतिशत वोट डाले गये जबकि उत्तर प्रदेश में 54.03 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु , उप-राष्ट्रपति जगदीप धनखड, मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, विदेश मंत्री एस जयशंकर, कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी, पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई गणमान्य लोगों ने दिल्ली के विभिन्न मतदान केन्द्रों पर वोट डाले।

जम्मू-कश्मीर की अनंतनाग-राजौरी संसदीय सीट पर भारी सुरक्षा के बीच 52.28 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाला, जो 35 वर्ष का रिकॉर्ड है। इससे पहले श्रीनगर और बारामूला सीट पर भी रिकॉर्ड मतदान दर्ज किया गया था। वहां मतदाताओं में लंबे समय बाद संसदीय चुनाव को लेकर भारी उत्साह देखा गया और कई केन्द्रों पर शाम तक मतदाताओं की कतारें देखी गयीं, जिनमें महिलायें भी शामिल थीं।

आयोग के आंकड़ों के अनुसार बिहार में 53.30, हरियाणा में 58.27, झारखंड में 62.74, दिल्ली में 54.48 और ओडिशा में 60.07 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

विभिन्न जगहों पर कई मतदान केन्द्रों में सुबह मतदाताओं की लम्बी कतारें देखी गयीं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प. बंगाल के कुछ मतदान केन्द्रों और जम्मू-कश्मीर में पुंछ क्षेत्र में एकआध स्थान पर कुछ गुटों के बीच हल्की झड़प की घटनाओं को छोड़कर सभी जगह मतदान शांतिपूर्ण रहा।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं को गर्मी से राहत के लिये मतदान केन्द्रों पर शामियानों और पेयजल आदि की सुविधायें प्रदान करायी हैं। प. बंगाल में आदिवासी बहुल झारग्राम इलाके में मतदाताओं के दो गुटों में झड़प हुई।

प्रशांत किशोर ने...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लोकसभा में भाजपा/ एन.डी.ए. के पास 303/323 सीटें है। शिव सेना ने 18 सीटे एन.डी.ए. के साथ गठबंधन में रहते जीती थी परंतु अब वह गठबंधन का हिस्सा नहीं है। अब आप स्वत: आंकलन कर लें कि किसकी सरकार बनने जा रही है। 4 जून को, हम जान जाएंगे कि किसके बारे में कौन क्या कह रहा था।"

यादव के अनुमान अनुसार कांग्रेस वर्तमान चुनावों में 85 से 100 सीटे जीत सकती है। इंडिया गठबंधन, जो इस आशा में है कि वह भाजपा की आंधी को रोक देगा वह स्वयं 120-135 सीटों पर सिमट कर रह जाएगा। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस केवल 52 सीटों पर जीत दर्ज कर पाई थी।

किशोर ने इसी सप्ताह में दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि भाजपा आसानी से बहुमत के आंकड़े को पार कर लगी क्योंकि सत्तारुढ़ पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध कोई बड़ा असंतोष नहीं है। प्रशांत किशोर ने एन.डी.टी.वी. को दिए संकेत में कहा कि भाजपा अपने 370 सीटों के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने में सफल नहीं होगी, यह भी कहा "लोगों में निराशा हो सकती है, आकांक्षाएं अधूरी रह सकती है परंतु हमने भाजपा के खिलाफ व्यापक आक्रोश के बारे में नहीं सुना है।"

इआन ब्रेमर, एक अमेरिकी राजनीतिक विज्ञानी ने एक चैनल पर कहा कि भाजपा चुनावों में 295 से 315 सीटों के बीच सीटों पर जीत दर्ज कर सकती है। वर्ष 2019 के आम चुनावों में हिन्दी भाषी प्रदेशों में "मोदी लहर" के सहारे भाजपा ने लोकसभा की 303 सीटों पर विजय दर्ज की थी। अब पार्टी को 370 सीटें जीतने के लिए, पार्टी को तमिलनाडू, केरल, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना जैसे प्रदेशों में भारी जीत हासिल करनी होगी।

राजस्थान सरकार

तेज गर्मी कर सकती बीमार रखें सावधानी जब निकलें बाहर

तेज गर्मी से बचाव के लिए अपनाएं ये उपाय

- घर से बाहर आते-जाते समय शरीर को ढककर रखें
- हल्के रंग के आरामदायक कपड़े पहनें
- धूप में बाहर जाते समय छाता, तौलिया, टोपी व आंखों पर धूप का चश्मा लगाएं
- थोड़े-थोड़े समयान्तराल पर तरल पदार्थ पीते रहें
- हल्का, सुपाच्य व ताजा भोजन करें
- नंगे पैर/नंगे बदन धूप में न जाएं
- अधिक गर्मी/धूप में श्रम कार्य करने से बचें
- शराब, चाय, कॉफ़ी, साफ्ट ड्रिंक आदि का सेवन न करें
- गर्भवती महिला, बच्चे, बीमार व बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें

गर्मी से होने वाली बीमारियों के लक्षण

- गर्म, लाल व सूखी त्वचा का होना
- शरीर का तापमान 40° सेल्सियस से अधिक होना
- जी मचलना या उल्टी होना
- सिरदर्द, मांसपेशियों में कमजोरी या ऐंठन आना
- सांस फूलना या दिल की धड़कन तेज होना
- घबराहट होना, चक्कर आना, बेहोशी और सिरदर्द

तापघात/लू से पीड़ित होने पर

- रोगी को छायादार एवं ठंडी जगह पर ले जाएं
- ओ.आर.एस. घोल, पानी व अन्य तरल पदार्थ पिलाएं
- पैरों को ऊपर कर लिटाएं
- शरीर को ठंडे पानी से पोंछें
- गीला कपड़ा लपेटकर हवादार स्थान पर विश्राम कराएं
- स्वास्थ्य संबंधी परामर्श हेतु टोल फ्री 104/108 पर सम्पर्क करें

राजस्थान संवाद

गर्मी-लू के गंभीर लक्षण दिखें तो नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र जाएं और पूर्ण उपचार कराएं

NATIONAL HEALTH MISSION राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन राजस्थान

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं, (आई.ई.सी.) राजस्थान, जयपुर

चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं प.क. सेवाएं राजस्थान

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908